आज का मौसम
34.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.04
सूर्यास्त 06.02

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी उपरांत 02:27 सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 28 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 309, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले देशों में शामिल : सिंधिया - 7

आर्थिक तरक्की की मिसाल बन गया यूपी - 10

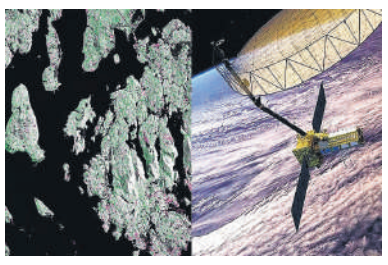

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं - 11

आखिरी वार के लिए तैयार सूर्यकुमार के जांबाज - 12

Competent
रिश्ता विश्वास का!

नए रिश्तों की बुनियाद,
पुराने विश्वास के साथ।

Premium Plots Available
at International City, Bareilly

500+ परिवारों का भरोसा

Aminities
- Temple
- Kids play zone
- Exclusive Cycling Track
- Pedestal Pathway
- Sports Zone
  (Counts of lawn Tennis, Basketball, Badminton, Cricket Net Practice Area)
- High Security Surveillance Line & CCTV Cameras
- Sewage Treatment Plant
- Beautiful Designer Landscape Gardens.
- All underground electric lines

BDA APPROVED

UP RERA UPRERAPRJ550066

इन्टरनेशनल सिटी
Global Standards. International Liviing
स्वदेश में आपका विदेश

Scan Me

Get In Touch
8193095501 | 8392921952 | 8392921966
www.competentinternationalcity.com

Banking Partner
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
HDFC BANK
केनरा बैंक Canara Bank
pnb

षष्ठम कात्यायनी

कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती शक्ति के नौ रूपों में छठवीं रूप हैं। कात्यायनी अमरकोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है। संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, शाकुम्भरी व ईश्वरी इन्हीं के अन्य नाम हैं। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमें भद्रकाली और चंडिका भी शामिल हैं में भी प्रचलित हैं। देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र... क्लीं श्री त्रिनेत्राय नमः।

आई लव मोहम्मद की अराजकता को 'चंड-मुंड' की तरह रौंदेंगे

मुख्यमंत्री बोले- कई पीढ़ियों के लिए नजीर बनेगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/श्रावस्ती

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को श्रावस्ती से अराजक तत्वों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि 'आई लव मोहम्मद' के नाम पर उपद्रव करने वालों को 'चंड-मुंड' समझा जाएगा और उन पर ऐसी कार्रवाई होगी, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए नजीर बनेगी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि सनातन सभी का सम्मान करता है, लेकिन जो मूल्यों की अवहेलना कर अराजकता फैलाएगा, वह न छूटेगा और न छूट पाएगा।

मुख्यमंत्री योगी 510 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को शांति और विकास रास नहीं आता। जब भी कोई हिंदू पर्व आता है, उनकी गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे तत्वों की गर्मी को शांत करने के लिए डेंटिंग-पेंटिंग करनी ही पड़ती है। योगी ने स्पष्ट किया कि उपासना व्यक्तिगत विषय है, सार्वजनिक प्रदर्शन का नहीं। यही कारण है कि प्रदेश में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर पर लगाया गया प्रतिबंध आगे भी यथावत रहेगा।

उन्होंने अराजक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि बेटियों को परेशान करने वालों, व्यापारियों और पुलिस पर हमला करने वालों, प्रतिष्ठानों में आगजनी करने वालों को हम छोड़ेंगे नहीं। ऐसे लोगों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी कि उनकी कई पीढ़ियां सबक लेंगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें 'बुजदिल' करार देते हुए कहा कि जो बच्चे और महिलाओं की आड़ में काम करते हैं, उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। योगी ने कहा कि शारदीय नवरात्र और विजयादशमी के पर्व पर उपद्रव करने वाले मां भगवती का भी अपमान करते हैं। मां भगवती चंड-मुंड का संहार करती हैं, उसी प्रकार हम समाज के लिए खतरा पैदा करने वालों को रौंदेंगे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर छुट्टी

मुख्यमंत्री योगी ने महर्षि वाल्मीकि के जन्मदिवस (7 अक्तूबर) पर प्रदेश में सरकारी अवकाश घोषित किया। साथ ही सभी देवालयों में संस्कृति व पर्यटन विभाग के सहयोग से अखंड रामायण पाठ कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि हमारी आस्था और आदर्श के प्रतीक हैं। उन्होंने रामायण जैसा पहला संस्कृत महाकाव्य रचकर मानवता को अमूल्य धरोहर दी है। मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अयोध्या एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि इससे उनकी महत्ता को और बल मिला है।

न्यूज ब्रीफ

विवाद के बीच लगी 'आई लव योगी' की होर्डिंग्स

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी में 'आई लव मोहम्मद' विवाद के बीच लखनऊ की सड़कों पर 'आई लव योगी आदित्यनाथ' व 'आई लव बुलडोजर' की होर्डिंग्स लगाई गई हैं। यह होर्डिंग्स भाजपा युवा मोर्चा, लखनऊ के महासचिव अमित त्रिपाठी की तरफ से लगाई गई हैं। उत्तर प्रदेश में इन दिनों 'आई लव मोहम्मद' मामला तूल पकड़ रहा है। कई शहरों से इसको लेकर प्रदर्शन की खबरें सामने आई हैं। सीएम योगी ने शनिवार को लखनऊ और श्रावस्ती के मंच से कार्रवाई को लेकर कड़े संदेश भी दिए। विवाद की शुरुआत 9 सितंबर को हुई थी, जब कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान सार्वजनिक मार्ग पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे बोर्ड लगाए गए।

धर्म के नाम पर तनाव फैला रही सरकार : संजय

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार सुनियोजित तरीके से धर्म और त्योहारों के नाम पर समाज में तनाव फैला रही है। बेरोजगारी, किसानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसे असली मुद्दों को दबाने के लिए धर्म के नाम पर झगड़े का खेल चला रही है। आप सांसद ने शनिवार को कहा कि भाजपा नए-नए धार्मिक विवाद खड़े करती है।

बिना डिप्लोमा मिली सैकड़ों लैब टेक्नीशियन को नौकरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : चहेतों को टेक्नीशियन की नौकरी दिलाने में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अपनी ही कलम का दुरुपयोग नहीं किया, बल्कि उनके हाथ उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग तक पहुंच गए।

आयोग के अधिकारियों से सांठगांठ कर जमकर फर्जीवाड़ा किया और दोनो हाथों से रेवड़ी बांटी। लैब टेक्नीशियन (एलटी) के 921 पदों के लिए विज्ञापन संख्या 17-परीक्षा/2016 की चयन प्रक्रिया में अनियमितताएं बरती गईं, 2019 में सैकड़ों ऐसे अभ्यर्थियों को नौकरी मिल गयी जो आवेदन करने की तिथि तक 5 अक्टूबर 2016 तक अर्ह ही नहीं थे, हालांकि मामला न्यायालय में पहुंच चुका है और न्यायालय के हस्तक्षेप से नई भर्तियों पर रोक लग चुकी है।

पीड़ित अभ्यर्थियों का कहना है कि 15 सितंबर 2016 को स्वास्थ्य विभाग में 729 और चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए 192 पद, कुल 921 लैब टेक्नीशियन पदों के लिए आयोग की ओर से अंतिम तिथि 5 अक्टूबर 2016 तक आवेदन मांगे गए थे। निर्धारित चयन प्रक्रिया के तहत 7, 8 व 9 नवंबर 2016 को निर्धारित परीक्षाएं भी आयोजित की गईं। नियमानुसार, किसी भी भर्ती में शैक्षिक योग्यता विज्ञापन की अंतिम तिथि तक पूर्ण होनी चाहिए, लेकिन इस शर्त की अनदेखी की गयी।

खाद के लिए जान भी गंवा रहे हैं किसान : अखिलेश

लखनऊ, अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश का किसान खाद संकट से जूझ रहा है। प्रदेश में खाद को लेकर हाहाकार है। खाद के लिए लाइनों में लगे किसानों की तबीयत बिगड़ रही है। भाजपा किसान विरोधी है। खाद के लिए किसी की जान चली जाए और सरकार कुछ न करे। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि आगरा के अकोला सहकारी समिति पर खाद के लिए तीन दिन से गोदाम के चक्कर लगा रहे किसान की लाइन में तबीयत बिगड़ गयी, बाद में मौत हो गयी। इससे पहले भी किसानों के साथ इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं।

आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.04
सूर्यास्त 06.02

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी उपरांत 02:27 सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 28 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 309, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले देशों में शामिल : सिंधिया - 7

आर्थिक तरक्की की मिसाल बन गया यूपी - 10

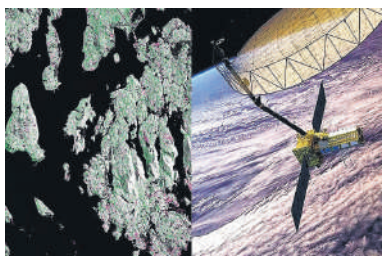

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं - 11

आखिरी वार के लिए तैयार सूर्यकुमार के जांबाज - 12

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, रामलीला : लोकनाट्य संस्कृति की बहुमूल्य निधि व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW 3.0 Edition

- तीसरे दिन कुल आगंतुक : 2.65 लाख
- बी2बी विजिटर्स : 76,000+
- बी2सी विजिटर्स : 1.89 लाख+
- तीसरे दिन विजिटर्स : 1,25,204
- एमओयू : 288 (89 करोड़ रुपये)
- ओडीओपी पवेलियन : 46,005 लीड्स, सौदे 20.77 करोड़
- सीएम युवा कॉन्क्लेव : 5,525 बिजनेस पूछताछ, 101 बी2बी मीटिंग्स, 39 प्रेजेंटेशन
- कुल पंजीकरण : 3,500

(विस्तृत कारोबार पेज पर)

मौलाना भूल गया कि शासन किसका है : योगी

कहा-ऐसा सबक सिखाएंगे कि पीढ़ियां दंगा करना भूल जाएंगी

- बरेली में हुए बवाल को लेकर मुख्यमंत्री ने दी कड़ी चेतावनी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बरेली में हिंसा के दूसरे दिन शनिवार को शहर में सुरक्षा के बाबत मुस्तैद पुलिस बल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार ने 2017 के बाद से दंगाइयों और माफिया को चुन-चुनकर सबक सिखाया है। बरेली की हालिया घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक मौलाना भूल गया था कि शासन किसका है। उसने धमकी दी थी कि सड़क जाम होगा और कर्फ्यू लगेगा, लेकिन हमने कहा कि न जाम होगा, न कर्फ्यू लगेगा। हम ऐसा सबक सिखाएंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ियां भी दंगा करना भूल जाएंगी।

योगी ने जोर देकर कहा कि 2017 से पहले उप्र को जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार ने बीमारू राज्य बना दिया था। उस समय दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास में बुलाकर सम्मानित किया जाता था, पेशेवर अपराधियों और माफियाओं के सामने सत्ता नतमस्तक रहती थी। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि चाचा-भतीजा वसूली में लगे थे और सत्ता का मुखिया माफिया के कुत्ते से हाथ मिलाकर गौरवान्वित होता था। योगी ने कहा कि हमने दंगाइयों को उनकी भाषा में जवाब दिया, अब उनकी सात पीढ़ियां याद रखेंगीं। परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर हमने बुलडोजर चलाया। कहा कि हर जिले में पहले एक माफिया मिलता था, अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बुलडोजर से माफिया राज का अंत किया और प्रदेश को विकास की राह पर आगे बढ़ाया। 2016 में यूपी की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ थी, इस साल 35 लाख करोड़ पर पहुंचेगी। हमने पिछले साढ़े आठ सालों में विकसित यूपी की आधारशिला रख दी है, अब भव्य इमारत बनाने का समय है। योगी ने सीएजी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2023 में यूपी 37 हजार करोड़ का राजस्व अधिशेष वाला राज्य था, जो बढ़कर 70 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

जिले में 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद

बरेली। शासन के निर्देश पर जिले में 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है। मौलाना तौकीर रजा खान की गिरफ्तारी के बाद शहर में शांति बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। जिले में इंटरनेट बंद होने का लेटर वायरल हुआ था। बीएसएनएल के महाप्रबंधक ने जिले में इंटरनेट बंद होने की पुष्टि की है।

हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता मौलाना तौकीर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- विभिन्न धाराओं में तौकीर समेत 12 उपद्रवी भेजे गए जेल
- 10 एफआईआर, सौ से अधिक नामजद, तीन हजार आरोपी

अमृत विचार : जुमे की नमाज के बाद बिना अनुमति प्रदर्शन और उपद्रवियों से पुलिस पर पथराव और फायरिंग कराकर शहर को सुलगाने के मुख्य साजिशकर्ता आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां समेत 12 दंगाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शनिवार सुबह मौलाना सहित सभी आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मौलाना को फतेहगढ़ जेल में भेजा है, जबकि अन्य 11 को बरेली की जिला जेल भेजा गया है। मामले में पुलिस ने अलग-अलग थानों में 10 एफआईआर दर्ज की हैं। जिसमें मौलाना तौकीर रजा खां समेत सौ से अधिक को नामजद और तीन हजार के करीब अज्ञात आरोपी बनाए गए हैं। पुलिस 31 उपद्रवियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद दोपहर में आई लव मोहम्मद पोस्टर पर की गई कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव करने के बाद फायरिंग की थी। शहर में पांच स्थानों पर भारी बवाल हुआ था। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पुलिस ने शुक्रवार रात 12:50 बजे के करीब मौलाना तौकीर को फाइक एंक्लेव स्थित दोस्त फरहत खां के घर से गिरफ्तार किया था, जबकि बवाल के समय खलील तिराहे से 7 अन्य आरोपियों सहित 11 को गिरफ्तार किया। मौलाना तौकीर रजा का शनिवार सुबह 5:10 बजे जिला अस्पताल में मेडिकल कराकर कोर्ट में पेश किया गया।

ब्रीफ न्यूज

पूर्वांचल विवि: पूर्व वीसी प्रो. यूपी सिंह का निधन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह (यू.पी. सिंह) का शनिवार सुबह निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे और पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। प्रो. सिंह का अंतिम संस्कार रविवार को राप्ती नदी के राजघाट पर दिन में 12 बजे से होगा। जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। योगी ने एक्स पर लिखा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के अध्यक्ष, आदर्श शिक्षक, गोरखपुर विश्वविद्यालय में गणित विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो. यूपी सिंह जी का निधन अपूरणीय क्षति है।

तिहाड़ में भूख हड़ताल करेंगे इंजीनियर रशीद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बारामूला से लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद ने कहा कि वह अहिंसा के सिद्धांत के महत्व को उजागर करने के लिए गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर तिहाड़ जेल में दो दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठेंगे। शेख अब्दुल रशीद को इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है। लोकसभा अध्यक्ष को भेजे गए एक हस्तलिखित पत्र में सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया को शांति की सख्त जरूरत है। सांसद रशीद वर्तमान में नई दिल्ली में स्थित तिहाड़ जेल में बंद हैं।

कांग्रेस ने जनता को लूटने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा: प्रधानमंत्री

- ओडिशा के झारसुगुड़ा में नमो युवा समावेश कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री मोदी

झारसुगुड़ा (ओडिशा), एजेंसी

ओडिशा में विभिन्न विकास परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश के लोगों को लूटा और निम्न आय वर्ग के लोगों पर भी कर लगाया। ओडिशा के झारसुगुड़ा में 'नमो युवा समावेश' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों को कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा की जा रही कथित लूट के प्रति आगाह किया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा और दो लाख रुपये सालाना आय वालों पर भी कर लगा दिया। भाजपा सरकार ने इस सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये से ज्यादा कर दिया...कांग्रेस और उसके सहयोगियों से सावधान रहें, क्योंकि वे लोगों को लूटते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से जीएसटी में सुधार और लोगों को राहत दिए जाने के बाद कांग्रेस ने भाजपा सरकार को गाली देना शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हमारी सरकार ने सीमेंट की कीमतें कम कीं, तो हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपना कर लगा दिया। जब हमने जीएसटी दरें कम कीं, तो पूरे देश में कीमतें कम हो गईं, लेकिन कांग्रेस आम लोगों को यह राहत नहीं देना चाहती। जीएसटी परिषद ने हाल ही में कर दरों को युक्तिसंगत बनाने और पांच व 18 प्रतिशत की दो दरें कायम रखने का निर्णय लिया था। 22 सितंबर से लागू इस फैसले से उत्पादों व सेवाओं की कीमतों में कमी आने की उम्मीद थी।

60 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा से दूरसंचार, रेलवे और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़ीं 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। मोदी ने देश भर में आठ आईआईटी के विस्तार की आधारशिला रखी। गुजरात के सूरत जिले में बरहामपुर को उधना से जोड़ने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। 1,400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 34 किलोमीटर लंबी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित किया। संबलपुर शहर में फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क की शुरुआत की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया। 97,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावरों का भी उद्घाटन किया, जिनमें से 92,600 टावर इसी टेलीकॉम सेवा प्रदाता की 4जी तकनीक से लैस हैं। स्वदेशी 4जी नेटवर्क की शुरुआत के साथ ही भारत डेनमार्क, स्वीडन, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

अभिनेता की रैली में भगदड़, 38 की मौत

चेन्नई, एजेंसी

- तमिलनाडु के करुर में विजय की रैली में जुटे थे हजारों लोग
- 50 से ज्यादा लोग घायल, मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल
- हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में जांच आयोग गठित

अभिनेता से नेता बने और टीवीके के संस्थापक विजय द्वारा करुर में शनिवार को आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम (रैली) में मची भगदड़ में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में 16 बच्चे और 8 महिलाएं बताई जा रही हैं।

राज्य सरकार ने इस घटना की जांच के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना पर शोक संवेदना व्यक्त की है। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने शुरूआत में मृतकों की संख्या 29 बताई थी और कहा था 50 लोगों का करुर के सरकारी और निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल का दौरा करने और घायलों से मिलने के बाद पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने कहा कि हताहतों की संख्या रोकने के लिए सभी आपातकालीन उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि घायलों के इलाज के लिए त्रिची और अन्य पड़ोसी जिलों से चिकित्सकों को बुलाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ा भीड़ में कई लोग बेहोश हो गए। उन्हें सांस लेने में दिक्कत हई। उन्हें करुर मेडिकल कॉलेज और निजी अस्पतालों में ले जाया गया। मृतकों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह हादसा अभिनेता विजय के संबोधन के बाद कार्यक्रम स्थल से निकलने के बाद हुआ। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। रैली में करुर के अलावा पड़ोसी जिलों से भी हजारों लोग आए थे। पीएमके के अध्यक्ष डाक्टर अंबुमणि रामदास ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

दो साल हो सकता है संसदीय समितियों का कार्यकाल

नई दिल्ली। सरकार संसद की स्थायी समितियों का कार्यकाल बढ़ाकर दो साल करने पर विचार कर रही है, क्योंकि कुछ सांसदों ने शिकायत की है कि मौजूदा एक साल का कार्यकाल कोई सार्थक योगदान देने के लिए बहुत कम है। सरकार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सीपी. राधाकृष्णन के साथ विचार-विमर्श के बाद इस संबंध में कोई निर्णय ले सकती है। संसदीय समितियों का नया कार्यकाल सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में प्रारंभ होता है।

पाकिस्तानी जासूस के संपर्क में थे वांगचुक

- डीजीपी बोले- द डॉन के कार्यक्रम में और बांग्लादेश भी गए थे

लेह, एजेंसी

लेह शहर में 3 दिन बाद कर्फ्यू में चार घंटे की ढील

लेह। लद्दाख के हिंसा प्रभावित लेह शहर में कर्फ्यू लगाए जाने के तीन दिन बाद शनिवार दोपहर से कुछ घंटों के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई, जिससे दुकानों के बाहर कतार में खड़े निवासियों को राहत मिली। डीजीपी ने बताया कि कर्फ्यू में कुल चार घंटे की ढील दी गई।

लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एस.डी. सिंह जामवाल ने शनिवार को कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के विरोध-प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेजने वाले एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की पिछले माह हुई गिरफ्तारी के संदर्भ में, पुलिस वांगचुक के पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच कर रही है।

जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। वांगचुक को शुक्रवार को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। जामवाल ने कहा कि उनका यूट्यूब पर उपलब्ध प्रोफाइल देखें, तो उनके भाषण लोगों को उकसाने वाले प्रतीत होते हैं, क्योंकि उन्होंने अरब क्रांति और नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में हाल की अशांति का जिक्र किया था। वांगचुक का अपना एक एजेंडा था। एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट हमारी हिरासत में है, जो वांगचुक के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेज रहा था। पुलिस प्रमुख ने वांगचुक की कुछ विदेश यात्राओं को संदिग्ध बताते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान में द डॉन समाचार पत्र के एक कार्यक्रम में भाग लिया और बांग्लादेश भी गए।

यूपीआईटीएस: तीसरे दिन रिकॉर्ड भीड़, हुए 89 करोड़ के एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

- ओडीओपी पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र, खादी फैशन शो और लोकगायन ने बटोरा ध्यान

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस-2025) के तीसरे दिन शनिवार को प्रदर्शनी स्थल पर रिकार्ड भीड़ उमड़ी। कुल 89 करोड़ रुपये के 288 एमओयू हुए। 1,25,204 लोगों ने ट्रेड शो का हिस्सा बनकर इसे नई ऊंचाई दी। इनमें 35,368 बी2बी और 89,836 बी2सी विजिटर्स शामिल रहे। तीन दिनों में अब तक 2.65 लाख से अधिक लोग इस आयोजन का हिस्सा बन चुके हैं, जिनमें 76 हजार बी2बी और 1.89 लाख बी2सी शामिल हैं।

288 एमओयू साइन हुए, जिनकी कीमत 89 करोड़ रुपये आंकी गई। ओडीओपी पवेलियन शो का मुख्य आकर्षण रहा। 466 स्टॉल वाले इस पवेलियन में दूसरे दिन ही 11,305 विजिटर्स से 46,005 लीड्स मिलीं और 20.77 करोड़ रुपये के सौदे हुए।

ई-कॉमर्स : भारतीय निर्यात के लिए नई सीमा विषय पर विशेष सत्र में छोटे और मझोले उद्योगों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने जोर दिया कि सरकार हर जिले के विशिष्ट उत्पाद को डिजिटल माध्यम से विश्व मानचित्र पर स्थापित करेगी। सीएम युवा कॉन्क्लेव ने तीसरे दिन भी माहौल ऊर्जावान रखा। अब तक 5,525 बिजनेस पूछताछ दर्ज हुईं, जिनमें 101 बी2बी मीटिंग्स और 39 प्रेजेंटेशन शामिल रहे। तीसरे दिन नीति सत्रों में ग्रामीण विकास और कृषि आधारित उद्योग केंद्र में रहे।

खादी फैशन शो ने परंपरा और फैशन का संगम पेश किया। खादी को 'राष्ट्र के वस्त्र' से 'फैशन के वस्त्र' के रूप में प्रस्तुत किया गया। शाम की सांस्कृतिक संध्या में कथक, थारू-बधावा नृत्य और लोकगायन ने रंग भरे। पद्मश्री मालिनी अवस्थी के सुरों ने आयोजन का भव्य समापन किया।

मिसाल शाहजहांपुर की नेहा की अगुआई में एकता समूह की सभी 10 सदस्य बन चुकी हैं सफल उद्यमी

मशरूम की खेती से बनाई नारी सुरक्षा–सम्मान की नई राह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मशरूम को बड़े बाजारों तक पहुंचाने, महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जनपद के ग्राम जिन्दपुरा की नेहा कश्यप मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी हैं।

एकता स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की अध्यक्ष के रूप में नेहा ने 10 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को जागरूक कर मशरूम खेती जैसे अभिनव उद्यम की नींव रखी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महिला सशक्तीकरण मुहिम ने नेहा को न केवल आर्थिक स्वतंत्रता दी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान की नई राह भी दिखाई है।

नेहा कश्यप की यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की योजना के तहत एकता समूह का गठन किया। समूह की कोषाध्यक्ष नूरजहां और सचिव माया देवी के साथ मिलकर नेहा ने 10 महिलाओं को छोटी-छोटी बचत के लिए प्रेरित किया। नेहा कश्यप कहती हैं कि मैंने सोचा कि सीमित संसाधनों से भी हम अपनी जिंदगी बदल सकते हैं। मशरूम खेती का विचार मुझे आया और समूह ने इसे स्वीकार किया। स्टार्टअप फंड, रिवाल्विंग फंड, सीआईएफ और सीसीएल से मिले वित्तीय सहयोग ने उनके सपने को पंख दिए। नेहा ने अपने 42 फीट लंबे और 36 फीट चौड़े मशरूम फार्म की स्थापना की, जिसमें 30 हजार रुपये की लागत आई। 10 हजार रुपये झोपड़ी और बांस के प्लेटफॉर्म, 2 हजार रुपये भूसा-कंपोस्ट, 3 हजार रुपये के बीज, 2हजार रुपये के रासायनिक दवाएं-खाद और 4,800 रुपये पारिश्रमिक पर खर्च हुए। परिवार के सहयोग से उन्होंने वटन और ढिंगरी प्रजाति की खेती शुरू की, जिससे मासिक 40,000 से 50,000 रुपये की आमदनी होती है। नेहा कहती हैं मिशन शक्ति ने हमें प्रशिक्षण और सुरक्षा दी। अब हम आत्मनिर्भर हैं, मैं अपने समूह को और सशक्त करना चाहती हूं। सरकार का सहयोग हमें आगे बढ़ा रहा है।

जरी और सिलाई पर भी दिया ध्यान

नेहा की अगुआई में एकता समूह की सभी 10 सदस्य सफल उद्यमी बन चुकी हैं। मशरूम खेती के अलावा बकरी पालन, जरी, और सिलाई जैसे कार्यों से उन्होंने रोजगार और आर्थिक सुधार हासिल किया। विकास खंड निगोही में ऐसे कई एसएचजी हैं, जो मिशन शक्ति की बदौलत प्रगति कर रहे हैं। नेहा अब अपने मशरूम उद्यम को और विस्तार देने की योजना बना रही हैं।

मिशन शक्ति अभियान से प्रेरणा

नेहा का लक्ष्य है कि उत्पादन को बड़े बाजारों तक पहुंचाया जाए और समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जाए। वे चाहती हैं कि जिन्दपुरा गांव की महिलाएं आने वाले समय में पूरे जिले और प्रदेश के लिए आदर्श बनें। नेहा कश्यप का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मिशन शक्ति अभियान उनकी प्रेरणा का बड़ा आधार बना। इसने विश्वास दिलाया कि महिलाएं समाज की दिशा भी बदल सकती हैं।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,28 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विश्व रैबीज दिवस पर हुई संगोष्ठी

रिठौरा, अमृत विचार : रूहेलखंड मेडिकल कालेज एवं अस्पताल द्वारा संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व रैबीज दिवस पर शनिवार को विशेष जन- जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ गौस अहमद के नेतृत्व में स्वास्थ्य शिक्षा विषय पर संगोष्ठी हुई। इसमें जनमानस को रैबीज के घातक दुष्प्रभाव से बचाव एवं जीवन सुरक्षा से संबंधित पहलुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान कासिम हुसैन, पूजा शर्मा, अनिल सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष के घर निकला सांप

नवाबगंज अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष सईद अहमद अंसारी निवासी गरगइया के घर में अचानक एक जहरीला सांप निकल आया। जिस जगह से सांप निकला उसे सुरक्षित करके सांप पकड़ने वाले सपेरे को बुलवाया गया। कुछ देर की मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित पकड़ लिया गया। सांप निकलने की घटना से घर में परिवार वाले भी दहशत में आ गये। घर के अंदर सभी लोग पलंग पर चढ़कर बैठ गये। घटना के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

गर्भवती की मौत, गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

महिला के परिजनों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर हंगामा

संवाददाता, फरीदपुर

- फरीदपुर सीएचसी पर फूलन देवी को शुक्रवार को कराया था भर्ती
- बरेली रेफर किया तो आशा निजी अस्पताल ले गई

अमृत विचार : फरीदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती प्रसूता को गलत इंजेक्शन लगाने पर गर्भवती की मौत हो गई। सीएचसी पर प्रसूता के प्रसवपीड़ा होने पर रात में सफाई कर्मी द्वारा लगाए इंजेक्शन से उसकी हालत बिगड़ने का आरोप लगाया जा रहा है। इसके बाद उसे बरेली रेफर किया गया तो आशा उसे जिला अस्पताल न ले जाकर हाईवे के निजी अस्पताल में ले गई। प्रसूता की मोत होने के बाद परिजनों ने सीएचसी पर रात में हंगामा भी किया।

फरीदपुर के जरौल गांव निवासी पंकज कुमार की पत्नी फूलन देवी (24) चार साल बाद गर्भवती हुई थी। शुक्रवार रात दस बजे उसे प्रसव पीड़ा होने पर उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। देर रात यहां पीड़ा होने पर उसे द्वारा डाक्टर न देखकर सफाई कर्मी ने उसे इंजेक्शन लगाया। हालत बिगड़ी तो रात में ड्यूटी पर तैनात डाक्टर तौसीफ ने उसे देखा और बरेली जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रसूता की सास सुनीता देवी ने बताया कि सीएचसी पर तैनात आशा ने उसे बेहतर इलाज का भरोसा दिलाया और हाइवे पर स्थित एक नर्सिंग होम में दिखाया। इंजेक्शन लगने से बेहोशी की हालत में उसे देखकर नर्सिंग होम वालों ने भी उसे बरेली भेज दिया। आशा ने फिर जिला अस्पताल न ले जाकर उसे संजय नगर स्थित एक नर्सिंग होम में दिखाने को ले गई। वहां से भी जवाब मिल गया तो सभी लोग वापस फरीदपुर लौट गये। वहां डाक्टर ने प्रसूता की हालत देखी तो उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन ने अस्पताल गेट पर हंगामा किया। इस दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दी तो रात में आए एक होमगार्ड ने परिजन को समझाकर घरभेज दिया।

सुनीता देवी ने आरोप लगाया कि सीएचसी पर सफाई कर्मी द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने की वजह से उनकी पुत्र वधू की हालत बिगड़ी। शुरुआत में ही यदि डाक्टर ने प्रसूता को देखकर इलाज किया होता तो जच्चा- बच्चा जिंदा होते। विवाह के चार साल बाद उनकी पुत्र वधू गर्भवती हुई थी।

मिठाई की दुकान के बाहर फायर कर भागे

नवाबगंज, अमृत विचार : मिठाई बनाने के कारखाने के अंदर अवैध असलहा लेकर घुसे दो लोगों ने दुकानदार के साथ गाली गलौज की और बाहर आकर फायरिंग कर धमकाते हुए चले गये। दुकानदार ने दो लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने किसी तरह की तहरीर मिलने से इंकार किया है। लेकिन मामले की जांच कराने की बात कही है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के ईंट जागीर क्षेत्र में भरतवीर का मिठाई बनाने का कारखाना है। भरतवीर ने थाने में दी तहरीर में बताया है कि शुक्रवार की रात क्षेत्र के ही दो लोग कारखाने में घुसे। उनके हाथ में पोनिया (अवैध बंदूक) भी थी। पोनिया लिये घुसे लोगों की वीडियो भी वायरल हो रही है। बताया कि उक्त दोनों लोगों से पुरानी रंजिश है। इसी के चलते वह दोनों लोग कारखाने में आए और गालियां देते हुए झगड़ा करने लगे। इसके बाद पीट कर चले गये। हाथ में अवैध असलहा होने के कारण कोई विरोध भी नहीं कर पाया।

छेड़छाड़ और मारपीट करने वाले को जेल भेजा

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

- किशोरी का जन्म प्रमाण पत्र लेकर पुलिस ने लगाया पाक्सो एक्ट

अमृत विचार : छेड़छाड़ का विरोध करने पर पीड़िता के भाई को अपने दर्जन भर साथियों के साथ दुकान में घुसकर पीटने के आरोपी युवक राहिल को पुलिस ने शनिवार को जेल भेज दिया।

इलाके की कोचिंग पढ़ने जा रही किशोरी को कोचिंग पढ़ने जाती थी। दूसरे समाज का युवक उसके साथ अश्लील हरकत करता था। गुरुवार को कोचिंग से लौटने पर शाम के समय युवक राहिल किशोरी के पीछे उसके घर तक पहुंच गया। किशोरी के द्वारा शिकायत करने पर उसकी मां ने राहिल को डांट दिया। लेकिन कुछ देर बाद वह अपने एक दर्जन साथियों के साथ आकर पीड़िता की दुकान में घुसकर उसके भाई को पीटने लगे। बेटे को बचाने आई मां के साथ भी अभद्रता कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर राहिल समेत सभी लोग फरार हो गए। सूचना पर पहुंचे सीओ हाइवे शिवम आशुतोष सिंह के निर्देश पर पुलिस ने घेराबंदी करके राहिल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद शनिवार को पुलिस ने पीड़िता के पिता से नाबालिग का प्रमाण पत्र लेकर आरोपी राहिल को कोर्ट में पेशी के बाद पोक्सो एक्ट में जेल भेज दिया। आरोपी राहिल की हरकतों की वजह से किशोरी दहशत में आ गई और अब वह कोचिंग जाने से भी डर रही है। कई दिनों से किशोरी कोचिंग नहीं जा रही है।

परिजन ने काफी समझाया भी है लेकिन खौफ और राहिल की हरकतों से किशोरी दहशत से बाहर नहीं निकल पा रही है। इस मामले में पुलिस को ही आगे आकर उसके मन से डर निकालना होगा। उसे विश्वास दिलाना होगा कि कानून से खिलवाड़ करने वालों के साथ पुलिस सख्ती से पेश आएगी।

दलदल बनी सड़क से बढ़ा खतरा, भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

नवाबगंज। रिछौला चौधरी गांव का मुख्य मार्ग जर्जर हालत में है। इससे ग्रामीणों के आवागमन में यहां परेशानीहो रही है। पिछले दिनों हुई बरसात में यह मार्ग दलदल में तब्दील हो गया था जो अब धूप निकलने से दलदल सूख रहा है। गांव में विशाल के घर से जीतेन्द्र के घर तक का रास्ता कच्चा होने के कारण आवागमन बेहद कठिन हो गया है। सड़क के दोनों किनारों पर घनी घास उग आई है जिससे बदबू फैल रही है ।

ग्रामीण सोहन लाल ने बताया कि घास और गंदगी के कारण बीमारियां फैल रही हैं शनिवार को भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों की समस्या को लेकर एसडीएम उदित पवार को संबोधित ज्ञापन एडीओ पंचायत को सौंपा और जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग की। इस दौरान सूरज पाल, धर्मपाल, सोमपाल, चरन सिंह, केवल राम, तोता राम, शिव कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र शावान खान को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **हनीफ पुत्र छोटकन्नू निवासी ग्राम औरंगाबाद थाना मैगलगंज परगना औरंगाबाद तहसील मितौली जिला खीरी**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

यह है कस्बे की एकता नगर की बदहाल सड़क। इस मार्ग से राहगीर निकलते हैं और रात में चोटिल भी होते हैं।

मुख्य मार्ग बदहाल होने से आवाजाही में परेशानी

भुता, अमृत विचार : कस्बे में एकता नगर कॉलोनी का मुख्य मार्ग बदहाल है। इसकी वजह से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शिकायत के बाद भी समस्या का निदान नहीं हो रहा है। दरअसल, लोगों ने जलभराव से बचाव और मुख्य मार्ग से निकलने के लिए मलबा डाल दिया था। इसकी वजह से मार्ग से वाहन चालकों को निकलने में परेशानी हो रही है। लोग चोटिल हो रहे हैं। कॉलोनी के लोगों के अनुसार लंबे समय से मुख्य मार्ग की हालत खराब है। इसके बाद भी जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

लीलौर झील: पर्यटन स्थल के रूप में उभर रही

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- दिवाली तक पर्यटकों को मिलेगा पांच डिब्बे वाली टॉय ट्रेन और गेस्ट हाउस का तोहफा
- आरईडी के एक्सईएन ने दिल्ली जाकर देखी फाइनल की डिजाइन समेत अन्य चीजें

अमृत विचार: लीलौर झील में दिवाली से पहले पर्यटकों के लिए टॉय ट्रेन शुरू हो जाएगी। आरईडी के एक्सईएन विनय कुमार ने चार दिन पहले दिल्ली की कंपनी जुपिटर फन वर्ल्ड के अधिकारियों से भेंट कर प्रोजेक्ट की डिजाइन फाइनल कर दी है।

टॉय ट्रेन की पांच डिब्बों से शुरुआत होगी, जिसमें पर्यटक झील के आसपास के सुंदर क्षेत्र का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा झील के किनारे हट और गेस्ट हाउस भी बनाए जाने हैं। झील में एडवेंचर गतिविधियों की भी योजना प्रस्तावित है। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के एक्सईएन विनय कुमार ने बताया कि डीएम के निर्देश पर दिल्ली जाकर कंपनी के प्रतिनिधियों से भेंट की थी। टॉय ट्रेन संचालन के लिए लीलौर झील और उसके आसपास क्षेत्र का सर्वे पहले ही किया जा चुका था। टीम ने झील की गहराई, बाहर की सड़क की चौड़ाई, पटरी बिछाने के लिए इंटरलॉकिंग बिछाने वाली सड़क की नापजोख और पर्यटकों के दृष्टिगत झील में एडवेंचर की भी कई संभावनाएं तलाशी थीं। पिछले दिनों कंपनी ने फाइनल किया कि दिवाली से पहले लीलौर झील में चिल्ड्रन पार्क, गेस्ट हाउस के साथ पांच बोगी की टॉय ट्रेन संचालित हो जाएगी। उन्होंने बताया कि 54 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली लीलौर झील के किनारे की छह मीटर की दूरी छोड़कर टॉय ट्रेन की पटरी बिछेगी। इस क्षेत्र को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए सरकार कटिबद्ध है और इसके लिए गंभीर प्रयास भी कर रही है। काफी काम पूरा भी हो चुका है। दिवाली तक यह प्रोजेक्ट जनता के लिए खालने का लक्ष्य है।

यह काम हो जाएंगे पूरे

दावा किया जा रहा है कि दिवाली से पहले सड़क के किनारे इंटरलाकिंग, ट्रेन का टिकट विंडो, गेस्ट हाउस आदि बनकर तैयार हो जाएगा। झील में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हट से लेकर रेस्टोरेंट और डाइनिंग टेबल तक सब कुछ बांस से बनाया जाएगा। गेस्ट हाउस भी बांस और बेंत से तैयार किया जाएगा।

दीवार पर मिलेंगी यक्ष संवाद कलाकृतियां

लीलौर झील के इतिहास को दीवार पर कलाकृतियों से सजाने का काम पर्यटन विभाग कराएगा। साथ ही पर्यटकों के ठहरने व शौचालय व अन्य सुविधाओं का ध्यान भी रखेगा। पार्कों में झूले के साथ साथ महाभारत काल में युधिष्ठिर और यक्ष के बीच हुए संवाद को भी दीवार पर कलाकृतियों के रूप मे उभारा जाएगा।

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!

ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
- शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
- दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
- हिलते हुए दांतों को जाम करना।
- दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
- मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
- दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
- सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
- टेड़े–मेढ़े, ऊँचे–नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
- डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
- मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
- गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
- एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:-
9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

शेरगढ़ में सांसद ने बताई जीएसटी की खूबियां

शेरगढ़, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीद्वारा खान पान, इलेक्ट्रानिक सहित तमाम चीजों पर जीएसटी की दरे कम करने की घोषणा के बाद इसका लाभ जनता तक पहुंचाने और उन्हें जागरुक करने का जिम्मा जनप्रतिनिधियों को दिया गया है। इसी चरण के तहत बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार शनिवार को शेरगढ़ पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों से बातचीत की और जनता के काम आने वाली तमाम चीजों पर जीएसटी कमहोने का लाभ जनता को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री की तरफ से देशवासियों को नवरात्र का तोहफा है। इस तोहफे में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। सांसद ने कहा कि जीएसटी कम होने से जनता को काफी लाभ मिलने वाली चीजों के दाम कम हुए हैं। साबुन तेल मंजन, दूध, घी, सर्फ, शैम्पू, बिस्कुट, सहित तमाम उन चीजों के दाम कम हुए हैं जो जनता के रोजमर्रा में काम आने वाली हैं। साबुन चाहे नहाने के हो या कपड़े धोने के सभी के दाम कम हुए और दाम कम होने का लाभ जनता को मिलना ही चाहिए। उन्होंने व्यापारियों से बातचीत में कहा कि वह प्रधानमंत्री की मंशा को पूरा करने में सहयोग करें और जनता को लाभ पहुंचाने में सहयोग करें। सांसद ने चेतावनी भी दी कि यदि कोई व्यापारी जनता को लाभ पहुंचाने में हीलाहवाली करता है या यह कहता है कि उसके पास माल पुरानाहै और पुराने दाम पर ही वस्तु मिलेगी तो यह गलत होगा। पुराने माल के निपटान के लिए भी सरकार ने व्यवस्था की है ।चीज जितनी भी पुरानी हो जनता को जीएसटी कम होने पर कम दाम पर ही दी जानी है।

मिशन शक्ति

शनिवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय अलीगंज की बालिकाओं को थाना अलीगंज का भ्रमण कराया गया। थानाध्यक्ष एवं महिला कांस्टेबिल ने छात्राओं को थाने में बंदी गृह,रिपोर्टिंग आफिस को दिखाया। थानाध्यक्ष ने बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर उनके महत्व को समझाया। प्राथमिक विद्यालय अंतपुर की छात्राओं ने भी थाने का भ्रमण किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक बनवारी लाल राठौर, ज्योति बाला रस्तोगी, अर्चना यादव, मित्रेश कुमार मिश्र व पारूल मिश्र आदि रहीं।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002
फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पता:- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

बेअसर :स्कूलों के पास बिक रही तंबाकू-सिगरेट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- स्कूल की 100 मीटर की परिधि में नशीले पदार्थों की बिक्री पर है रोक
- अभिभावकों और सामाजिक संगठनों में अनदेखी को लेकर नाराजगी

अमृत विचार : बच्चों को नशे की लत से बचाने के लिए सरकार और शिक्षा विभाग ने स्कूलों के आसपास तंबाकू व सिगरेट की बिक्री रोकने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। नियम के अनुसार किसी भी विद्यालय से 100 मीटर की परिधि में तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। आदेश के पालन के लिए विद्यालयों की दीवारों पर बड़े-बड़े अक्षरों में पेंटिंग कर "यहां तंबाकू उत्पाद बेचना व खरीदना प्रतिबंधित है" जैसे संदेश लिखे भी गए हैं, मगर हकीकत यह है कि यह आदेश केवल दीवारों तक ही सीमित रह गया है।

शहर से लेकर कस्बाई इलाकों तक लगभग हर स्कूल के बाहर गुटखा, बीड़ी-सिगरेट और तंबाकू की दुकानें खुलेआम संचालित हो रही हैं। इन दुकानों पर सुबह स्कूल खुलने से लेकर छुट्टी तक छात्रों की आवाजाही बनी रहती है। कई जगह तो छोटे बच्चों को खुद दुकानदार खुलेआम तंबाकू व सिगरेट बेच रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिक्षा विभाग की अनदेखी और प्रशासन की उदासीनता के कारण नियम केवल स्कूलों की दीवारों पर पेंटिंगों तक ही सीमित रह गए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने अब तक सिर्फ एक दर्जन दुकानदारों को चेतावनी पत्र थमाए हैं, लेकिन किसी भी दुकान या दुकानदार के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। जिम्मेदार अधिकारी केवल औपचारिकता निभाने के लिए जांच के नाम पर रिपोर्ट बनाकर फाइलों में दबा देते हैं। शहर के कई अभिभावकों ने इस स्थिति पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि आदेश का मकसद बच्चों को नशे की आदत से दूर रखना था, लेकिन जब स्कूल के बाहर ही ऐसे उत्पाद सहजता से मिलेंगे तो बच्चों का बचना मुश्किल है। सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि विभाग सख्ती से नियम लागू करे और तंबाकू वाले उत्पादों को बेचने वालों पर आर्थिक दंड व लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई करे तो हालात सुधर सकते हैं। इस संबंध में बीएसए संजय सिंह ने बताया कि जल्द ही विभाग की ओर से स्कूलों से 100 मीटर की परिधि में चलने वाली ऐसी दुकानों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

छात्राओं ने जानी मुकदमा दर्ज होने की प्रक्रिया

रिठौरा, अमृत विचार :प्राथमिक विद्यालय रिठौरा की कक्षा पांच की छात्राएं वासिका, राधिका,आलिया, तमन्ना,रिया, कक्षा चार की रिंकी, वैष्णवी ने इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अल्पना सक्सेना,शिक्षिका सोनी शंखधार आदि के साथ पुलिस चौकी स्थित पिंक बूथ पर तैनात दरोगा पायल रानी से प्राथमिकी, रिपोर्ट, मुकदमा दर्ज करवाने एवं विवेचना आदि के संदर्भ में जानकारी ली। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर भी बताए।

भागवत के अंतिम दिन परीक्षित की कथा सुनाई

शेरगढ़, अमृत विचार : मोहल्ला शिव मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन श्रीमद भागवत कथा का रसपान करने को तमाम भक्त पहुंचे। कथावाचक रोली शास्त्री ने शनिवार को परीक्षित मोक्ष कथा सुनाई। कथा को सुनकर सभी भक्त भावविभोर हो गए। कथा के समापन के दौरान सभी भक्तों को भागवतो को अपने जीवन में उतारने की बात कही, जिससे सभी लोग धर्म की ओर अग्रसर हो।

शुद्धि हवन/दसवां/तेरहवीं /ब्रह्मभोज सूचना

स्व. योगेश चन्द्र सक्सेना

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि

स्व. योगेश चन्द्र सक्सेना

सेवानिवृत्त उप प्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम का निधन दिनांक 23.09.2025 को हो गया था। शुद्धि हवन/दसवां/तेरहवीं/ब्रह्मभोज दिनांक 28.09.2025 (रविवार) को प्रातः 10:30 बजे से हमारे निज निवास स्थित 83, बालजती कुंआ, पुराना शहर, (निकट पहलवान की डेरी), बरेली पर होना सुनिश्चित हुआ है।

शचिलता सक्सेना (पत्नी)
अन्तरिक्ष सक्सेना एडवोकेट - ज्योति (पुत्र-पुत्रवधू)
क्षितिज सक्सेना-ऋतु (पुत्र-पुत्रवधू)
(होराइजन साल्यूशंस)
शब्द सक्सेना, आयांश सक्सेना (पौत्रगण)

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 28 सितंबर 2025 www.amritvichar.com

रामलीला : लोकनाट्य संस्कृति की बहुमूल्य निधि

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने राम राज्य की प्रशंसा करते हुए लिखा है, "धार्मिक दृष्टिकोण से राम राज्य ईश्वरीय कहा जा सकता है। राजनीतिक दृष्टि से राम राज्य एक ऐसा पूर्ण प्रजातंत्र है, जहां अधिकार, वर्ण, स्त्री तथा पुरुष के विभेद पर आश्रित असमानताएं तिरोहित हो जाती हैं। इस प्रजातंत्र में भूमि तथा सत्ता की अधिकारिणी प्रजा है।" वस्तुतः राम राज्य एक आदर्श, समाज व्यवस्था का परिचायक है, जहां राजाराम का चरित्र, नीति, धर्म, समाज सुधार और लोक कल्याण का मूर्तिमान रूप दिखाई देता है। रामायण की कथा लोक जीवन में जितनी लोकप्रिय है, उससे अधिक समाज को दिशा दिखाने का प्रकाशपुंज है। यही कारण है कि लोकनाट्य के रूप में रामकथा को संपूर्ण देश ही नहीं अपितु कई अन्य देशों में भी रामलीला के रूप में अभिनीत किया जाता है। चूंकि नाट्य मंचन को काव्य-कलाओं में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है और इसका प्रभाव मानव मन पर दीर्घकालिक और गहन होता है, इसीलिए राम की कथा को नाट्य के रूप में प्रस्तुत करने को लोक स्वीकृति प्राप्त हुई।

रामकथा एक ऐसी कथा है, जिसे भारत की लगभग सभी भाषाओं में लोक साहित्य में सम्मानित स्थान मिला है। अवधी ने तो इसे समृद्ध लोक साहित्य के रूप में स्थापित किया है। रामलीला पिछले 450 वर्षों से अधिक से विभिन्न मंचों पर मंचित की जा रही है। इन साढ़े चार शताब्दियों की दीर्घकालिक परंपरा में रामलीला के अनेक घराने और उनकी विशिष्ट शैलियां विकसित हुई हैं। यद्यपि आधुनिकता और बाजारवाद के इस दौर में यह अपनी लोक चेतना खोती दिखाई दे रही है। फिर भी आज भी रामलीला का मंचन गांव-गांव और शहर-शहर होता है। यह लोकनाट्य भारत की बहुमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है। आज इसके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता सांस्कृतिक अस्मिता के लिए बहुत जरूरी है। रामलीला के मंचन का इतिहास राम की कथा जितना ही पुराना है। एक जनश्रुति के अनुसार जब भगवान राम अयोध्या से वन को चले गए तो विरह व्यथा में अयोध्या के पुरजनों ने आत्मतुष्टि के लिए राम के जीवन की लीलाओं का अनुकरण व स्मरण किया। यही कालांतर में रामलीला के रूप में विकसित हुआ। वैसे सामान्य मत है कि वल्लभाचार्य द्वारा प्रारंभ की गई रासलीला के समानांतर गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रामलीला का प्रारंभ किया गया। अवधी भाषा की रामलीलाओं को देखकर यह तथ्य पुष्ट होता है कि मध्यकाल में रामभक्ति के लोकमानस में प्रसार हेतु गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के आधार पर अपने प्रिय शिष्य मेघा भगत के सहयोग से रामलीला के नाट्य रूप का प्रवर्तन किया। रामलीला का पहला प्रामाणिक मंचन गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रामचरितमानस की रचना प्रारंभ करने के बाद उनके काशी प्रवास पर उनके शिष्य मेघा भगत ने आज से लगभग 450 वर्ष पूर्व वहां के रामनगर में रामचरितमानस के आधार पर किया था। इसके बाद ही देशभर में इसका प्रचलन प्रारंभ हुआ।

काशी व अयोध्या रामलीला के सबसे प्राचीनतम केन्द्र हैं। वर्तमान में महानगरों और विदेशों तक रामलीला की व्याप्ति है। कालांतर में रामलीला का लोकमंच शास्त्रीय मंच के रूप में बदल गया है। प्रायः प्रत्येक वर्ष आश्विन मास में गणेश स्थापना के साथ रामलीला का प्रारंभ होता है और विजयदशमी के दिन रावण वध के साथ इसका समापन। देश में बहुत से स्थान ऐसे भी हैं, जहां पर रामलीला का प्रारंभ इससे पूर्व या इसके बाद भी होता है। रामलीला की संपूर्ण परंपरा अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता लिए हुए है। रामलीला लोक मानस द्वारा रचा गया एक मौखिक और आंशिक रूप से लिखित वृहद नाट्य है। इसमें शास्त्रीय और लोकनाट्य परंपराओं का मिश्रण दिखाई देता है। रामलीला की अनेक पाठ-पद्धतियों की उपलब्धता इस बात को सिद्ध करती है।

रामलीला के लोक मंचन में रामचरितमानस के विभिन्न भावनात्मक एवं मार्मिक स्थलों का मंचन किया जाता है तथापि इसमें केशव और राधेश्याम कथावाचक की रामकथाओं का भी पुट दिखाई देता है। कुछ वर्षों पूर्व तक पारसी थिएटर का भी प्रभाव रामलीला के मंचन पर दिखाई देता था। यद्यपि संप्रति इसमें कमी आई है। पूरे देश में रामलीला के दो स्वरूप दिखाई देते हैं। एक स्वरूप में पूरी रामलीला का मंचन एक मंच पर किया जाता है, वहीं दूसरी ओर कुछ दूसरे शहरों में अलग-अलग निर्धारित स्थानों पर अलग-अलग दृश्यों का मंचन किया जाता है। विशेष रूप से चल मंच की प्रथा काशी में पाई जाती है, जहां क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर मिथिला, अयोध्या, चित्रकूट और लंका आदि के अलग-अलग चल मंच बनाए जाते हैं। अवधी लोकमंच में भी लंका और मिथिला के मंचों का निर्माण अलग-अलग किया जाता है। यही नहीं देश के विभिन्न इलाकों में रामलीला के मंचन में संवाद और अभिनय के भी प्रमुखतः दो रूप पाए जाते हैं। एक में कलाकार विभिन्न संवादों को बोलते हैं, वहीं दूसरी ओर मूक अभिनय वाली रामलीलाओं में सूत्रधार जोकि व्यास कहे जाते हैं। रामचरितमानस की चौपाइयों और दोहों को गाकर सुनाते हैं और कलाकार बिना कुछ बोले हुए इन प्रमुख घटनाओं का अपने भाव-भंगिमाओं द्वारा मंचन करते हैं। इलाहाबाद और ग्वालियर आदि में इस मूक अभिनय शैली का मंचन होता है। बैसवारी रामलीला के पहले हिस्से में निसाचरी लीला के मंचन में केवल रावण बोलता है। राम, लक्ष्मण और सीता मौन रहते हैं। केवल वानर और राक्षस दल अपनी जय-जयकार और हाहाकार प्रकट करते हैं। रामलीला का सवाक लोकमंच दो प्रकार का पाया जाता है। तात्कालिक या आशु (इक्स्टेम्पोर आशु) अर्थात् संलापयुक्त इंप्रोवाइज्ड नाट्य और दूसरा पूर्व स्मृत नाट्य। तात्कालिक अभिनय में अनेकरूपता दिखाई देती है, क्योंकि पात्र पूर्व में बिना याद किए गए संवादों के स्थान पर दृश्य के अनुरूप स्वयं संवाद बोलते हैं, जिसके कारण भाषायी और क्षेत्रीय प्रक्षेपों की संभावना रहती है। वहीं पूर्व स्मृत संवाद में अधिकांशतः मानस की चौपाइयों, अन्य कवियों के लिखे गए स्फुट छंदों, राधेश्याम रामायण और कुछ नौटंकी तर्ज के पद्यात्मक संवाद भी पात्रों द्वारा बोले जाते हैं। पात्र प्रायः इन पद्यात्मक संवादों के बाद इन्हीं संवादों को गद्य संलाप के रूप में भी प्रस्तुत करते हैं।

रामचरितमानस के विभिन्न भाग, जिनका प्रयोग संवाद के रूप में किया जाता है वे हैं- बालकांड से शिव-पार्वती संवाद, विश्वामित्र और दशरथ संवाद, जनक और शतानंद संवाद, सीता-राम प्रथम मिलन के संवाद अयोध्याकांड से कैकेयी-मंथरा संवाद, दशरथ-कैकेयी संवाद, राम-भरत-लक्ष्मण संवाद, श्रीराम और माता कौशल्या संवाद अरण्यकांड से शूर्पणखा-राम-लक्ष्मण संवाद, खर-दूषण संवाद, मारीच और रावण संवाद, सीता-राम-लक्ष्मण संवाद (लक्ष्मण-रेखा प्रसंग) किष्किंधाकांड से राम-हनुमान प्रथम मिलन संवाद, राम-सुग्रीव संवाद, बाली-सुग्रीव संवाद सुंदरकांड से अशोक वाटिका में हनुमान-सीता संवाद, रावण की सभा में हनुमान-रावण संवाद, लंका कांड (युद्धकांड) से रावण-मेघनाद-कुंभकर्ण संवाद, विभीषण-रावण संवाद, राम-विभीषण संवाद, राम-रावण युद्ध संवाद उत्तरकांड से राम-भरत संवाद, राम-सीता संवाद, राम-लव-कुश संवाद आदि। इन्हें गायक मंडली गाती है और पात्र अभिनय करते हैं। विभिन्न काव्यात्मक संवाद शैलियों के कुछ उदाहरण इस प्रकार दिए जा सकते हैं -

राजन के राजा महाराजा कौशिल किशोर
के मुखारविंद पै अनेकु रविवारो है।।
जाइकै जनकपुर कीन्हो नरनार सुखी
महिमा अपार वेद पावत न पारो है।।
जेते अभिमानी नृप बैठे तेहि मंडल में
रामलाल जाय सद सबको निकारो है।।
जैसे गज पंकज की नाल तोरि डारत है तैसे
रामचंद्र जी ने धनुष तोरि डारो है।।
(नौटंकी शैली)

सुरसा न छेड़ हमको बचन हम सुनाते हैं।
लैने खबर सिया की हम इस वक्त जाते
हैं।।
हैं रिष्य मूक शैल पर राम और लखन
मुकीम। वोह रंजो गम से धीर नहीं दिल में
लाते हैं।।
लेकर के सुध सिया की सुना करके राम
को। यह काम करके जल्द तेरे पास आते
हैं।।
अय मात हमको खाइयो तब अपने
शौक से। सच्चा हमारा कौल है सौगंद
खाते हैं।।
शातिर का पार कीजिये बेड़ा श्री हजूर।
हम गम से बेकरार हैं घबराए जाते हैं।
(वार्ता शैली)

विख्यात सहस्त्रबाहु तक के भुजदंड
काटने वाला है।
इस बरसे को तू भी विलोक जो रक्त
चाटने वाला है।।
(राधेश्यामी शैली)

कारन कवन नाथ नहिं आए, जानी
कुटिल प्रभु मोहि बिसराए।
(मानस शैली)

तकनीक के साथ बदला स्वरूप

विज्ञान तकनीकी और आर्थिक प्रगति के साथ रामलीला का स्वरूप भी बदला है। यह परिवर्तन तीन क्षेत्रों में दिखाई देता है। पहला मंच की व्यवस्था, दूसरा कलाकारों की वेशभूषा और मुख सज्जा, तीसरा रामलीला के साथ लगने वाले विशाल मेले और प्रदर्शनियां। पिछले तीन-चार दशकों में इन तीनों में ही बहुत अधिक बदलाव दिखाई देते हैं। पहले रामलीला के मंच कई सारे तख्त को जोड़कर या किसी चबूतरे का प्रयोग कर बनाए जाते थे, जिन पर विभिन्न दृश्यों से संबंधित पर्दे लगे रहते थे। जैसे जंगल के दृश्य वाले पर्दे, राजमहल के दृश्य वाले पर्दे आदि। पहले मंच पर गंगा नदी दिखाने के लिए सफेद चादर डालकर उसे दोनों ओर बैठे लोग पकड़कर हिलाते रहते थे। इससे लहरों के उठने का दृश्य दिखाया जाता था। वहीं वाटिका आदि के दृश्य को संयोजित करने के लिए कुछ बालक पेड़ की डालियां आदि लेकर बैठ जाते थे। आज इसमें बदलाव आ गया है। यद्यपि आज भी विभिन्न पर्दों का प्रयोग किया जाता है, फिर भी पर्दे के साथ-साथ प्रोजेक्टर के माध्यम से भी अलग-अलग जीवंत दृश्यों का निर्माण मंच पर किया जाने लगा है। नई तकनीक, नए प्रकाश संयोजन, बेहतर ध्वनि यंत्रों और एलईडी स्क्रीन के प्रयोग ने आज रामलीला की भव्यता बढ़ा दी है, पर इससे इसका परंपरागत शास्त्रीय रूप दब गया है। वहीं रामलीला के कलाकार वेशभूषा और मुख सज्जा के स्तर पर पहले जूट आदि से बनी जटाएं, दाढ़ी सहित अचला, उत्तरीय, पीत-श्वेत वस्त्र, चुनरी आदि धारण करते थे, परंतु आज रामानंद सागर की रामायण के प्रभाव के चलते महंगे मुकुट, राजसी वेशभूषाओं और चमकीले चमकते कपड़ों के साथ व्यावसायिक मेकअप मैन द्वारा किए गए मुख सज्जा के साथ कलाकार मंच पर उतरते हैं। पहले नारी पात्रों का निर्वहन भी पुरुषों द्वारा किया जाता था, परंतु आज बदलाव आया है, अब लगभग सभी स्त्री चरित्रों का निर्वहन महिला कलाकारों द्वारा ही किया जाता है। पहले राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान जैसे मुख्य पात्रों को निभाने वाले कलाकार ब्रह्मचारी और सात्विक ब्राह्मण कुमार होते थे, परंतु आज यह बाध्यता समाप्त हो गई है। यद्यपि अभी भी विभिन्न कलाकार जो देव स्वरूपों का किरदार निभाते हैं, पूरे मंचन के दौरान सात्विक भोजन ग्रहण करने के साथ-साथ कई नियमों का पालन भी करते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि रामलीला का मंचन मात्र एक नाट्य मंचन नहीं है, बल्कि यह एक धार्मिक आयोजन भी है। इसलिए इसमें राम-लक्ष्मण के पात्रों का निभाने वाले कलाकार 'सरूप' कहलाते हैं, मंचन के दौरान भक्तगण इनकी चरण वंदन करते हैं और आरती भी उतारते हैं। रामलीला के उत्सव का एक आवश्यक हिस्सा, उसके साथ लगने वाला मेला और प्रदर्शनियां भी रही हैं। दो दशक पूर्व तक रामलीला का मंचन वृहद स्तर पर नगरों और कस्बों में होता था। वहां पर ग्रामीण क्षेत्र से लोग बैलगाड़ी, बग्घी, ऊंट आदि पर बैठकर आते थे। आसपास के खुले मैदान में रुककर रात में रामलीला का मंचन देखते थे और दिन में शहर में खरीदारी करते थे। इसी के चलते मेलों और प्रदर्शनियों का लगना भी रामलीला के साथ प्रारंभ हो गया। पहले लोग कई दिनों तक रात में जाकर रामलीला का मंचन श्रद्धा भाव के साथ देखते थे। अब लीला का मंचन देखना गौण होता जा रहा है। लोग रामलीला के साथ नगरों में लगने वाले मेले में खरीदारी करने के उद्देश्य से अब मेलों में अधिक आते हैं। पहले हाथ से चलने वाले छोटे झूले मेले में लगा करते थे। छोटे खिलौने और खाने-पीने की दुकानें मेले का हिस्सा होती थीं। परंतु अब बहुत बड़ी-बड़ी कंपनियां भी इन मेलों में अपने स्टॉल लगाने लगी हैं, वहीं छोटे हाथ से चलने वाले झूलों का स्थान बड़े-बड़े बिजली से चलने वाले जगमगाते झूलों ने ले लिया है। कुल मिलाकर रामलीला का मंचन आज अपनी शास्त्रीयता खोता जा रहा है, वहीं बाजार इस पूरे आयोजन पर हावी होता हुआ दिख रहा है। अपने मूल स्वभाव में रामलीला मंच कलात्मक मनोविनोद के साथ-साथ धार्मिक, सामाजिक सुधार, संस्कार करने का अत्यंत प्रेरक और प्रभावोत्पादक माध्यम रहा है। नृत्य, संगीत और हास्य इसके अनिवार्यतम हिस्से हैं। नर्तक, भांड और गायक मंडलीय, जिन्हें कीर्तनीय कहा जाता था, रामकथा के मंचन में रोचकता भरते थे। आज का स्थान ऑडियो रिकॉर्डिंग्स ने ले लिया है। रावण के दरबार के दृश्य में फूहड़ फिल्मी गाने पर नाचती नर्तकी आज पैसा कमाने का माध्यम बन गई है। संवाद की भाषा का स्तर भी गिरा है। कह सकते हैं हर स्तर पर आज रामलीला अपने मूल स्वरूप से विकृत होती चली जा रही है। आज आवश्यकता है रामलीला के शास्त्रीय और लोक स्वरूप को बचाने की। इसके लिए आवश्यक है कि लोक कला के शेष बच रहे हिस्सों का व्यापक क्षेत्रीय सर्वेक्षण कराकर उन्हें दृश्य श्रव्य माध्यमों से सुरक्षित किया जाए। रामलीला के अप्रकाशित दुर्लभ साहित्य का संकलन कर उसका प्रकाशन किया जाए। रामलीला के कलाकारों को पुरस्कार और आर्थिक वृत्ति प्रदान की जाए। विभिन्न शोध और उच्च शिक्षा संस्थानों में रामलीला के संदर्भ में गहन अनुसंधान कराए जाएं। विभिन्न क्षेत्रों की रामलीलाओं की विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए। ऐसा करना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि रामलीला हमारी लोकनाट्य संस्कृति की बहुमूल्य निधि है। इसे सुरक्षित और संरक्षित करना भारतीय संस्कृति को सुरक्षित और संरक्षित करने जैसा ही है।

मंचन की विशिष्टताएं

रामलीला में मंच के सामने या मंच के एक ओर बैठकर गायक कलाकार और व्यास नक्कारा, हारमोनियम, झांझ, मजीरा, ढोलक (नाल) और शंख आदि वाद्य यंत्रों का प्रयोग कर कोरस में आरती आदि गाते हैं। साथ ही साथ विभिन्न स्थानों पर दृश्य से संबंधित भजन, गीत आदि को भी दृश्य के बीच उत्पन्न होने वाली रिक्ति को भरने के लिए गाया जाता है। विशेष रूप से मंच पर दृश्य बदलने के दौरान ऐसा किया जाता है। हर जगह की रामलीला मंचन की अपनी कुछ विशिष्टताएं होती हैं। अयोध्या की लीला की भव्यता, काशी की लीला का धनुष यज्ञ, प्रयागराज की लीला का भरत मिलाप और चित्रकूट की झांकियां काफी प्रसिद्ध हैं। लखनऊ की ऐशबाग रामलीला का इतिहास गोस्वामी तुलसीदास से जुड़ता है। वहीं वाराणसी की रामनगर रामलीला का प्रारंभ सन 1830 में काशी के राजा महाराजा उदित नारायण के द्वारा किया गया। फतेहपुर की खजुहा की रामलीला भी अपनी निराली परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। पौड़ी उत्तराखंड में आयोजित होने वाली रामलीला यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। अल्मोड़ा और कुमायूं जिले की रामलीला में गायन शैली प्रमुख रहती है। राजस्थान के सीकर की शेखावाटी रामलीला सबसे बड़ी रामलीलाओं में से एक है। इलाहाबाद की पजावा, पथरचट्टी और रामजानकी मंदिर रामलीलाओं के अतिरिक्त दारागंज और कटरा की रामलीलाएं भी प्रसिद्ध हैं। दिल्ली में रामलीला का इतिहास लगभग 300 वर्ष पुराना है। ऐसा माना जाता है कि अंतिम मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर ने इसका प्रारंभ लालकिले के पीछे करवाया था। फिर यह मोरीगेट में प्रारंभ हुई। वर्तमान में रामलीला मैदान इसका मुख्य केन्द्र है। मुंबई में आजाद और क्रास मैदान में प्रमुख रामलीलाओं का मंचन होता है। मथुरा की रामलीला में कलाकारों की वेशभूषा ब्रज की वेशभूषा से प्रभावित होती है। वहीं वृंदावन की रामलीला में संगीत और गायन पर जोर रहता है। विदेशों में भी रामलीला का मंचन किया जाता है। थाईलैंड, कंबोडिया, म्यांमार, लाओस, मलेशिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, फिजी, मॉरीशस, सूरीनॉम और नेपाल में भी रामलीला का मंचन होता है। अमेरिका, रूस और ब्रिटेन सहित अन्य यूरोपीय देशों में भी संक्षिप्त रामलीलाओं का मंचन प्रारंभ हुआ है। इन दिनों रामलीला को लेकर बहुत से प्रयोग प्रारंभ हुए हैं। इन प्रयोगों में केवल महिला कलाकारों द्वारा मंचित रामलीला, चलित मंच के रूप में एक लंबे ट्रैक पर प्रदर्शित की जाने वाली रामलीला, कठपुतली रामलीला आदि।

उपवास से बनाए रखें शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता

नवरात्रि भारत का एक प्रमुख पर्व है। इस दौरान श्रद्धालु देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। बहुत से लोग इसे केवल धार्मिक परंपरा मानते हैं, परंतु आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान दोनों मानते हैं कि उपवास न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से, बल्कि मानसिक, शारीरिक और स्वास्थ्य दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। नवरात्रि का समय हिन्दू संस्कृति में अध्यात्म, साधना और भक्ति का पर्व है। नौ दिनों तक देवी मां की उपासना तथा व्रत रखना एक घरेलू परंपरा है, जिसमें शुद्धता, त्याग और संयम का अनूठा संगम देखा जाता है। आधुनिक जीवनशैली, गलत खान-पान और मानसिक तनाव के बीच नवरात्रि व्रत आयुर्वेद के अनुसार एक प्राकृतिक डिटॉक्स प्रक्रिया के रूप में अपना अद्वितीय स्थान रखता है। यह सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के लिए संपूर्ण उपचार का उपाय है। इसमें सात्विक आहार, संयम, ध्यान और आत्मनियंत्रण का अद्भुत सामंजस्य मिलता है।

मानसिक फायदे

व्रत मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है, इच्छाओं पर नियंत्रण करके व्यक्ति आत्मसंयम और अनुशासन सीखता है। उपवास ध्यान और मेडिटेशन के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है। तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है, जिससे मन और भी शांत होता है। दरअसल उपवास केवल भोजन से दूरी नहीं है, बल्कि यह मानसिक दृढ़ता और इच्छाशक्ति को बढ़ाने का एक माध्यम है, वस्तुत: शास्त्रों में कहा गया है कि 'उपावृत्तस्तु पापेभ्यो यस्य वासो यस्य वासो गुणै: सह, पापों से निवृत्त होकर गुणों के साथ निवास करना ही उपवास है।

आध्यात्मिक फायदे

- व्रत आत्मसंयम और आस्था की पराकाष्ठा है।
- शरीर हल्का होने से साधना, ध्यान और प्रार्थना में मन एकाग्र होता है।
- उपवास से नकारात्मक विचार दूर होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- नवरात्रि के दौरान जब मनुष्य कम और सात्विक आहार लेता है तो उसकी आध्यात्मिक चेतना जाग्रत होती है।
- देवी दुर्गा की उपासना के साथ किया गया उपवास भक्त को आंतरिक शांति और दिव्य शक्ति का अनुभव कराता है।
- आयुर्वेद के अनुसार जब मनुष्य अपने शरीर और इंद्रियों पर संयम रखता है, तो उसमें सत्वगुण की वृद्धि होती है। यही गुण उसे ईश्वर के और निकट ले जाते हैं।

आयुर्वेद में वर्णित उपवास के लाभ

- आयुर्वेद व्रत को औषधि मानता है। शास्त्रों में कहा गया है-"लंघनं परमौषधम्" अर्थात् उपवास सबसे बड़ा इलाज है।
- आयुर्वेदिक ग्रंथों- चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, अष्टांग संग्रह एवं अष्टांग हृदय आदि में उपवास को शरीर-मन की शुद्धि एवं कायाकल्प का माध्यम माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार व्रत से अनेक लाभ होते हैं।
- जठराग्नि बढ़ती है तेल-घी और भारी आहार से जठराग्नि धीमी पड़ जाती है, लेकिन व्रत में फल, साबूदाना, कूटू का आटा, गौदुग्ध जैसे ताजा और सात्विक पदार्थों के सेवन से अग्नि पुन: प्रदीप्त होती है।
- शरीर से विषाक्त पदार्थ (टॉक्सिंस) बाहर निकलते हैं।
- डिटॉक्स प्रक्रिया तेज होती है। अनियमित खान-पान से शरीर में 'आम' यानी टॉक्सिन्स बढ़ते हैं, पर व्रत अलग-अलग पथ्य (सात्विक आहार) के जरिए इनकी सफाई करता है, जिसे आम पाचन कहते हैं।
- नई कोशिकाओं का निर्माण- शरीर के पुराने व अवांछित सेल्स नष्ट होते हैं और नया ऊर्जा संचार होता है। इस प्रक्रिया को ऑटोफैगी कहा जाता है। दोषों का संतुलन: यह वात, पित्त और कफ दोषों को संतुलित करता है। ओज और रोग प्रतिरोधक क्षमता: नियमित उपवास करने से ओज (प्राकृतिक शक्ति) बढ़ती है और रोगों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है।
- इस प्रकार आयुर्वेद के अनुसार समय-समय पर उपवास करना लंबी आयु और निरोगी जीवन का रहस्य है।

वैज्ञानिक व आधुनिक शोध

आधुनिक शोध साबित करते हैं कि उपवास: शरीर के 'ऑटोफैगी' प्रोसेस को तेज करता है, जिससे खराब कोशिकाएं बाहर और नई कोशिकाएं बनती हैं। इंटरमिटेंट फास्टिंग, क्लिनिकल डिटॉक्स और मानसिक स्वास्थ्य-तीनों में फास्टिंग, विशेषकर नवरात्रि व्रत सिद्ध लाभकारी बताया गया है। फास्टिंग से ग्लूकोज लेवल व बीपी नियंत्रित होते हैं, कोशिकाओं की रिपेयर तेज होती है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से डिप्रेशन, स्ट्रेस और चिंता घटती है, मस्तिष्क का फोकस और ब्रेन हेल्थ सुधरती है।

उपवास के दौरान सावधानियां

- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को कठोर उपवास नहीं करना चाहिए।
- डायबिटीज, हृदय रोग या किडनी की समस्या वाले मरीजों को चिकित्सक की देखरेख में ही उपवास करना चाहिए।
- उपवास के दौरान तैलीय, मसालेदार और जंक फूड से बचना चाहिए।
- अधिक मात्रा में पानी, नारियल पानी और फलों का सेवन करना चाहिए।
- धीरे-धीरे व्रत तोड़ना चाहिए, अचानक भारी भोजन नहीं लेना चाहिए।

क्या कहते हैं चिकित्सक

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय के चिकित्सक एवं शिक्षकों के अनुसार नवरात्रि का व्रत शरीर को प्राकृतिक डिटॉक्स देने का सबसे उत्तम अवसर है।

स्वास्थ्य संबंधी फायदे

आधुनिक शोध भी बताते हैं कि उपवास से शरीर को गहरा स्वास्थ्य लाभ मिलता है। व्रत के दौरान शरीर का समग्र डिटॉक्सिफिकेशन और पाचन शक्ति में सुधार, प्रतिरोधक क्षमता के तंत्र को सक्रिय करता है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, अदरक, हल्दी जैसी आयुर्वेदिक औषधि इस मौसम में सेवन करने से इम्यून-मॉडुलेटर के तौर पर कार्य करती हैं।

- सर्दी, जुकाम, वायरल संक्रमण जैसे रोगों से बचाव मिलता है।
- डिटॉक्सिफिकेशन (शरीर की सफाई): उपवास से शरीर विषमुक्त होता है।
- वजन नियंत्रण: यह मोटापे को नियंत्रित करने में सहायक है।
- ब्लड शुगर कंट्रोल: उपवास से रक्त शर्करा का स्तर संतुलित रहता है।
- हृदय रोग से बचाव: कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहते हैं, जिससे हृदय स्वस्थ रहता है।
- ऑटोफैगी: उपवास के दौरान शरीर की क्षतिग्रस्त कोशिकाएं टूटकर नई कोशिकाएं बनती हैं, जो शरीर को रोगों से बचाती हैं और उम्र बढ़ाती हैं।
- इस प्रकार उपवास आधुनिक विज्ञान के दृष्टिकोण से भी स्वास्थ्यवर्धक है।

व्रत में आहार का महत्व

- भूख लगने पर ही आहार लें।
- फल, दूध, पानी, नारियल पानी, सूखे मेवे और हल्की सब्जियां प्रमुख रखें।
- बाहर के प्रोसेस्ड या पैकेज्ड फूड, ज्यादा मसाले, तामसिक पदार्थ आदि बिल्कुल न लें।
- आराम, ध्यान, साधना, मंत्रजाप और सकारात्मक गतिविधियों में समय दें।
- नहाने, साफ-सफाई की नियमितता और ध्यान व प्राणायाम जरूर अपनाएं।
- नवरात्रि के दौरान लोग सात्विक भोजन करते हैं, जिसमें फल, दूध, साबूदाना, कूटू, शकरकंद जैसे पदार्थ शामिल होते हैं।
- ये आहार हल्के और पचने में आसान होते हैं।
- शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं।
- मानसिक शांति और स्थिरता बनाए रखते हैं।
- मौसम बदलने से होने वाली बीमारियों से बचाते हैं।

बरेली स्थित रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय के विशेषज्ञ बताते हैं कि सात्विक आहार शरीर को डिटॉक्स करता है और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

सामाजिक महत्व

उपवास और नवरात्रि पूरे समाज में भक्ति व सकारात्मकता का वातावरण बनाते हैं। परिवार और समाज एकजुट होकर पूजा और उपवास करते हैं। सामाजिक एकता, अनुशासन और धार्मिकता की भावना प्रबल होती है।

इस प्रकार उपवास केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज के समग्र कल्याण में भी योगदान देता है।

भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक लाभ

व्रत में अहंकार, क्रोध-लोभ और नकारात्मकता घटती है। मन अधिक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण बनता है। अन्य भूखे-असहाय व्यक्तियों के प्रति संवेदना, सेवा-भाव, सामाजिक सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। व्रतकर्ता मन, वाणी और कर्म को नियंत्रित रखना सीखता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अनुशासन में सुधार आता है। भक्ति भाव, ध्यान, साधना से आध्यात्मिक ऊंचाई और 'ओजस' (तेजस्विता, इम्यून-एनर्जी) का संचार होता है।

उपवास और व्रत को केवल धार्मिक रस्म न मानकर एक आयुर्वेदिक औषधि और स्वास्थ्यवर्धक उपाय के रूप में अपनाना चाहिए। संयम, सात्विक आहार और श्रद्धा के साथ किया गया व्रत हमें न केवल देवी दुर्गा की कृपा दिलाता है, बल्कि जीवन को भी निरोग, संतुलित और सुखमय बनाता है, नवदुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा के नौ दिन, शरीर और मन की शुद्धि के लिए भी माने गए हैं।

मौसम और वातावरण बदलने पर शरीर को नया संतुलन देने के लिए यह पर्व आदर्श है। नवरात्रि के व्रत को आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो यह सिर्फ आस्था और पूजा का पर्व नहीं, बल्कि पूरे शरीर-मन-आत्मा की शुद्धि, कायाकल्प और पुनरुत्थान का उत्सव है। व्रत सही नियमों, आयुर्वेदिक पथ्य, संयम-साधना और भक्ति से किया जाए, तो पाचन शक्ति में सुधार, वजन नियंत्रण, स्फूर्तिवान त्वचा, मजबूत इम्यूनिटी, स्पष्ट मन और आनंदमय जीवन मिलता है।

आयुर्वेद के मुताबिक यह डिटॉक्सिफिकेशन केवल दवा या इलाज नहीं, बल्कि जीवनशैली और आध्यात्मिकता का संतुलित मिलाप है। उपवास-व्रत जीवन में संतुलन, पवित्रता, ऊर्जा, और सच्ची आध्यात्मिकता लाता है, जो नवरात्रि के नौ दिनों में हर परिवार, हर मानव के लिए आवश्यक है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह बीते सप्ताह की तुलना में आपके लिए अत्यंत ही शुभ और अधिक फलदायी रहने वाला है। आपकी सेहत और संबंध दोनों ही अच्छे रहने वाले हैं। आपको स्वजनों का पूरा साथ और सहयोग मिलेगा। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे, जिसके चलते आपके भीतर उत्साह और पराक्रम बना रहेगा।

वृष
इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को बड़ी सूझबूझ और धैर्य के साथ करने की आवश्यकता रहेगी। भूलकर भी किसी बड़े निर्णय को जल्दबाजी अथवा असमंजस की स्थिति में लेने की गलती न करें अन्यथा बाद में आपको बड़ी परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

मिथुन
यह पूरा सप्ताह सकारात्मक और सौभाग्यदायक रहने वाला है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभ समाचार और फल की प्राप्ति होगी। आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का भरपूर सहयोग और समर्थन मिलेगा। आप भी लोगों पर अपना पूरा और स्नेह लुटाते नजर आएंगे।

कर्क
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को पूरा करते समय तमाम तरह की अड़चनें आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपकी सफलता की राह में बाधक बनने का प्रयास करेंगे। सेहत और संबंध दोनों की दृष्टि से यह सप्ताह प्रतिकूल रहने वाला है।

सिंह
इस सप्ताह घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग समर्थन मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। यदि आप रोजी-रोजगार की तलाश कर रहे हैं तो आपके लिए समय पूरी तरह से शुभ है, प्रयास करने पर अपेक्षित सफलता मिल सकती है। सप्ताह में अतिरिक्त आय के नए स्रोत बनेंगे।

कन्या
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह का पूर्वार्ध सामान्य तो वहीं उत्तरार्ध कुछेक बड़ी परेशानियों के लिए रहने वाला है, जिसमें आर्थिक एवं शारीरिक दोनों तरह की समस्याएं शामिल रहने वाली हैं। इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य और संबंध पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी।

तुला
यह सप्ताह अनुकूल और फलदायी रहने वाला है। बीते कुछ समय से जो समस्याएं आपकी बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई थीं, इस सप्ताह इष्ट-मित्र की मदद से दूर हो जाएंगी। सोचे हुए कार्य समय से पूरे होने पर आपके भीतर उत्साह और सक्रियता में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक है। आपको आर्थिक एवं मानसिक परेशानियां न उठानी पढ़ें इसके लिए आपको शुरुआत से चीजों का प्रबंधन करके चलना होगा। सप्ताह की शुरुआत में घरेलू मामले आपकी चिंता का बड़ा कारण बनेंगे, जिसके चलते आपकी नौकरी अथवा व्यवसाय भी प्रभावित हो सकता है।

धनु
यह सप्ताह जीवन में प्रगति के नए अवसर लेकर आएगा। इस सप्ताह आपको सत्ता और सरकार से जुड़े किसी व्यक्ति विशेष मदद मिलेगी, जिसके जरिए आप अपने अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करने में कामयाब हो जाएंगे। शुभचिंतकों और इष्टमित्रों की मदद से राहों की अड़चनें दूर होंगी। कुल मिलाकर आपको इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा।

मकर
यह सप्ताह सामान्य फलदायक हैं। आपके कार्य पहले की तरह समय पर पूरे होते रहेंगे और आपको स्वजनों का पूरा सहयोग व समर्थन मिलता रहेगा। यदि किसी योजना विशेष के लिए आप धन जुटाने के लिए प्रयासरत हैं तो आपकी कोशिशें रंग लाएंगी। कुल मिलाकर वित्तीय मामलों में अनुकूलता बनी रहेगी।

कुंभ
यह सप्ताह सामान्य फलदायक रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में कामकाज में छोटी-मोटी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन आप सप्ताह के उत्तरार्ध तक उसका समाधान खोजने में अंतत: कामयाब हो जाएंगे। इस सप्ताह प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों का मन पढ़ाई-लिखाई में खूब लगेगा तो वहीं घरेलू महिलाओं का मन धर्म-कर्म से जुड़े कार्यों में रमेगा।

मीन
इस सप्ताह की शुरुआत में आपको सेहत संबंधी कुछेक दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे में इस दौरान अपनी दिनचर्या और खानपान का ख्याल रखते हुए मौसमी बीमारी से बचें। यात्रा के दौरान अपने सामान और सेहत का विशेष रूप से ख्याल रखें। अपने धन का प्रबंधन करके चलना होगा, क्योंकि आय के मुकाबले व्यय की अधिकता बनी रहेगी।

खाना खाने के बाद क्यों होती है मीठे की तलब

हमारे देश में मिठाई इतनी अधिक प्रचलित है कि कोई भी तीज, त्योहार या पर्व या शुभ अवसर हो मुंह मीठा किया जाता है और इसके लिए हमारे यहां इतनी तरह-तरह की मिठाइयां उपलब्ध हैं कि हम उसको गिन भी नहीं सकते हैं। हर प्रांत, हर नगर, हर शहर, हर गांव की अपनी एक अलग प्रसिद्ध मिठाई होती है, जिसे खाने के लिए ही लोग उस जगह पर जाते हैं। जैसे आगरा का पेठा हो या मथुरा का पेड़ा हो या फिर नरसिंहपुर की खोवे की जलेबी या बनारस की रबड़ी। ऐसे हर जगह में कुछ न कुछ मिठाई जरूर प्रसिद्ध है, जिसका अनोखा स्वाद और उसकी विशेषता ही व्यक्ति को बार-बार उस जगह पर जाने के लिए मजबूर करती है। इन मिठाइयों के अलावा भी हमारे यहां भोजन में भी मिठास भरने के कई अलग-अलग तरीके अपनाए जाते हैं। चटनी हो या फिर दाल या फिर कढ़ी यहां तक की पोहा, उपमा, साबूदाने की खिचड़ी आदि व्यंजन इनमें भी कुछ थोड़ी सी मिठास भरकर इन्हें एक अनोखा स्वाद प्रदान कर दिया जाता है।

अधिकतर लोग चटनी में थोड़ा सा मीठापन पसंद करते हैं तो इसलिए वह घर में चाहे कितनी भी तीखी चटनी बनाएं उसमें थोड़ा सा गुड़ या शक्कर अवश्य मिलाते हैं। इमली की चटनी को भी थोड़ा कम खट्टा करने के लिए उसमें भी मीठे का प्रयोग किया जाता है। इस तरह हम देखते हैं कि कोई भी खाने की वस्तु शायद ही ऐसी हो, जिसमें की कम या अधिक मात्रा में मीठापन न हो। बाजार में भी आप जितना भी भोजन करते हैं या फिर जो भी रेडीमेड फूड खरीदकर खाते सब में कहीं न कहीं शुगर का थोड़ा सा लेवल होता ही है। इसलिए कोई कितना भी प्रयास करे वह मीठे से मुक्त नहीं हो सकता है। इसलिए बार-बार सबको मीठा कम खाने या शक्कर से दूर रहने के लिए कहा जाता है, क्योंकि अन्य माध्यमों से भी इसकी पूर्ति हो ही जाती है।

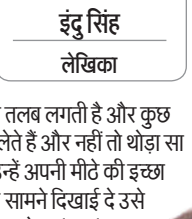

इंदु सिंह
लेखिका

इसके बावजूद भी बहुत सारे लोग ऐसे होते हैं, जो मीठे के बिना बिल्कुल रह ही नहीं पाते, उन्हें तो रह-रह कर मीठा खाने की तलब लगती है और कुछ नहीं मिलता है तो वह सूखी शक्कर ही फांक लेते हैं और नहीं तो थोड़ा सा गुड खा लेते हैं या मिश्री चबा लेते हैं। मतलब उन्हें अपनी मीठे की इच्छा की पूर्ति करना है फिर उसके लिए उन्हें जो भी सामने दिखाई दे उसे खाकर वह अपने मन को संतुष्ट कर लेते हैं। हमारे यहां आरंभ से ही संपूर्ण भोजन के पश्चात कुछ न कुछ मीठा खाने की परंपरा रही है, जिसकी वजह से हर एक घर में यह प्रचलन देखने में आता है कि भोजन के साथ मीठा परोसा ही जाता है।

क्या हैं मीठा खाने की क्रेविंग या तलब

एक सुप्रसिद्ध डायबिटोलॉजिस्ट के अनुसार वह सभी लोग, जिन्हें मीठा खाने की बहुत जबरदस्त क्रेविंग या तलब होती है, उन्हें इसे खाने के लिए सैंडविच मेथड का उपयोग करना चाहिए, जिसके अनुसार खाने के बीच में मीठा खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा इनका कहना है कि सुबह एक मीठा फल खाएं, जिसे कि प्रीइप्टिंग कहते हैं यह भी क्रेविंग को कम करने में काफी सहायक साबित होता है। यदि ऐसा नहीं कर सकते तो उनके मुताबिक खजूर के साथ एक बादाम मिलाकर खाने से भी काफी लाभ मिलता है और जो लोग योग करते हैं वे यदि खेचरी मुद्रा अपनाए और मीठा न खाने का संकल्प ले तो इससे धीरे-धीरे उनकी अत्यधिक मीठा खाने की आदत में काफी लगाम लगती है। इस तरह हम देखते हैं कि मीठे को कम खाने के लिए हमारे पास कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं, जो हम अपनी इच्छा अनुसार चुनकर अपनी मीठा खाने की क्रेविंग को काफी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं।

क्या हैं वैज्ञानिक कारण

इसका एक वैज्ञानिक कारण यह है कि मीठा खाने से लार का उत्पादन अधिक होता है, जिससे कि भोजन को पचाने में मदद मिलती है। इसलिए ही हमारे पूर्वजों ने भोजन के साथ मीठा खाने की परंपरा को बनाया था, जिसमें ज्यादातर भोजन के पश्चात थोड़ा सा गुड़ रखा जाता था। यदि कोई व्यक्ति घर पर आए तो उसे पानी के साथ भी गुड़ दिया जाता था। धीरे-धीरे कब गुड़ की जगह शक्कर ने ले ली पता ही नहीं चला और शक्कर के आने के बाद गुड़ थोड़ा किनारे पर चला गया, परंतु समय के साथ फिर लोगों ने गुड़ की महत्ता को जाना। गुड़ विभिन्न रूपों में लोगों के घरों में दिखाई दे रहा है। फिर भी चाहे शक्कर हो या गुड़ या शहद या खजूर या कोई भी मीठे का स्वरूप, सब ही अपने तरीके से व्यक्ति के शरीर में शुगर के लेवल को बढ़ाने का काम ही करते हैं। ऐसा नहीं है कि शुगर या शक्कर खाना एकदम गलत है कि व्यक्ति को बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, लेकिन उसे इसकी मात्रा पर नियंत्रण अवश्य रखना चाहिए, क्योंकि वही उसके शरीर के लिए घातक होता है। यदि व्यक्ति इस बात को समझ लेता है तो वह मीठे को खाते हुए भी अपने आपको स्वस्थ और निरोगी बनाए रख सकता है। सभी व्यक्तियों को अपनी मीठे की मात्रा को दिनभर में इस तरीके से नियंत्रित करना चाहिए कि वह उनके शुगर लेवल को इतना न बढ़ा दे कि वह डायबिटीज के मरीज ही बन जाएं, फिर उन्हें छुप-छुपकर कर या गिन-गिनकर मीठा खाना पड़े और पछताना पड़े। इसलिए बेहतर है कि एक संतुलित मात्रा में आप इसे नियमित खाएं तो यह आपके लिए उतना खतरनाक साबित नहीं होता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 27

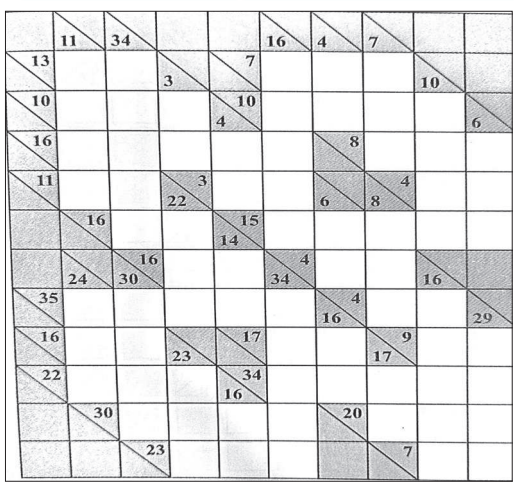

काकुरो 26 का हल

1	4		7	8	9		2	8
3	1		9	6	8		7	9
5	2	1	3		6	8	1	7
		4	8		7	9		
8	6	2	5		3	6	1	2
9	7				3	1		
6	9	5	8		5	8	9	7
		1	6		4	9		
6	8	9	7		3	6	2	1
1	9		9	3	1		1	3
2	6		3	1	2		5	9

कहानी

प्रेम पाश

सुधीर और दिव्या दोनों आईटी इंजीनियर थे। सुधीर उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद का रहने वाला था और दिव्या मध्य प्रदेश के सागर जनपद की रहने वाली थी। गुड़गांव स्थित एक मल्टी नेशनल कंपनी में नौकरी करते हुए दोनों का आपस में परिचय हुआ, जो पहले मित्रता और फिर प्रोन्नत होकर प्यार में बदल गया। अलग-अलग जातियों के होने के कारण, उन्हें डर था कि उनके माता-पिता इस विजातीय विवाह के लिए राजी नहीं होंगे, किंतु हुआ इसके ठीक विपरीत। दोनों के ही माता-पिता ने अपने बच्चों के सुखमय भविष्य की कामना से उनके विवाह हेतु हां कर दी और वे दोनों विवाह बंधन में बंध गए।

विवाह के पांच वर्ष बाद तक उन दोनों ने बच्चे न पैदा करने की योजना बनाई और वह सफल भी रही। इसके बाद दिव्या के मन में मातृत्व सुख की लालसा बढ़ गई और उसने गर्भ निरोधक उपाय त्याग दिए, जिसके कारण वह शीघ्र ही गर्भवती हो गई। सात माह का गर्भ हो जाने के बाद दिव्या ने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और सागर से अपनी मां को बुला लिया। नियत समय पर दिव्या ने पुत्र को जन्म दिया। दिव्या की मां लगभग दस माह तक गुड़गांव में रहीं, मगर फिर उन्होंने अपने घर लौटने की रट लगा दी। विवश होकर सुधीर उन्हें सागर छोड़ आया और लौटते समय आगरा से अपनी मां को साथ लेता आया।

दिव्या का पुत्र अभिनव जब एक वर्ष का हो गया। दिव्या ने पुनः नौकरी के लिए अपनी पुरानी कंपनी में आवेदन किया। चूंकि कंपनी के उच्चाधिकारी उसके कार्य और व्यवहार से संतुष्ट थे, अतः उसे पुनः पुराने पद और पुराने वेतन पर नियुक्त कर लिया।

अभिनव अब पूरे दिन अपनी दादी के पास रहता। दिव्या की सांस उसे अक्सर किसी न किसी बात पर टोकती रहती थीं। उनकी यह टोका-टाकी दिव्या से असहाय हो जाती, मगर परिस्थिति से विवश दिव्या चुप रह जाती।

जब अभिनव तीन वर्ष का हो गया तो एक दिन उसकी दादी ने फोन करके अपने पति रघुनंदन प्रसाद से कहा कि अब मेरा मन यहां नहीं लगता है, मुझे यहां से ले जाओ। रघुनंदन प्रसाद ने अगले ही दिन सुधीर से फोन पर कहा कि वह अगले सप्ताह गुड़गांव आएंगे और अभिनव की दादी को वापस ले जाएंगे। सुधीर अपने पिता का निर्णय सुनकर परेशान हो गया। उसने एकांत में दिव्या को इसकी जानकारी दी। दिव्या तो अपनी सास से परेशान थी ही। उसने कहा कि ठीक है, हम सुबह सात बजे से सायं सात बजे तक के लिए एक मेड रख लेंगे। भोजन बनाने और बर्तन, कपड़ा धोने तथा झाड़ू-पोंछा के लिए तो पहले से ही तीन महिलाएं हमने लगा रखी हैं। यदि मम्मी जी जाना चाहती हैं तो उन्हें जाने दो।

दिव्या ने अपनी कालोनी में कुछ महिलाओं से बात करके शीघ्र ही एक गरीब महिला को दस हजार रुपए प्रतिमाह वेतन पर बारह घंटे बच्चे को संभालने के लिए रख लिया। जमुना बाई नाम की वह महिला स्वयं दो बच्चों की मां थी अतः वह अभिनव की उचित देखभाल सहज रूप से करने लगी। दिव्या ने जमुना पर निगरानी रखने के लिए घर में कैमरे लगवाए दिए।

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

अभिनव की दादी इस बात से संतुष्ट थीं कि उनके जाने से अभिनव की देखभाल में कोई दिक्कत नहीं आएगी। सुधीर के पिता के आने पर वह उनके साथ आगरा लौट गईं। दिव्या के रूखे स्वभाव और बात-बात पर डांट-फटकार के बावजूद जमुना बाई विगत एक वर्ष से उनके यहां काम कर रही थी। अभिनव को अपनी मम्मा की अपेक्षा आंटी (जमुना) से अधिक लगाव हो गया था। जमुना भी अभिनव से अपने बच्चे की तरह प्यार करती थी।

दिव्या की आदत थी कि यदि कुछ सब्जी या रोटी बच गई तो मांगने पर भी वह बचा हुआ खाना जमुना को नहीं देती थी और उसके जाने के बाद फेंक देती थी। यह देख कर एक दिन सुधीर ने उसे टोकते हुए कहा कि खाना फेंकने से अच्छा तो यह थी कि जमुना को ही दे देतीं। जमुना ने उसका कृपण स्वभाव जानने के बाद चाहकर भी कभी कुछ नहीं मांगा। उसकी बात सुनकर दिव्या बोली- "तुम समझते नहीं हो। फिर यह आए दिन ही कुछ न कुछ मांगा करेगी। इसलिए आदत बिगाड़ना ठीक नहीं है।" उसकी बात सुनकर सुधीर चुप रह गया। एक बार जमुना बाई के बेटे को टायफाइड हो गया। कई दिनों की बीमारी के कारण वह सात-आठ वर्ष का बच्चा बहुत कमजोर हो गया। बुखार उतरने पर भी उसे खाना अच्छा नहीं लगता था। डाक्टर ने उसे सेब खिलाने की सलाह दी परंतु धन के अभाव में जमुना अपने बीमार बच्चे के लिए सेब न खरीद सकी।

अगले दिन जब वह दिव्या के घर काम पर आई तो उसने देखा कि टोकरी में दो सेब रखे हैं, जिनमें सड़न शुरू हो चुकी है। उसने सोचा कि ये सेब मेम साहब कल फेंक ही देंगी, मगर यदि मैं इन्हें मांगू तो देंगी नहीं। उसने हिम्मत करके कांपते हाथों से दोनों सेब अपने झोले में रख लिए।

यह जमुना का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि उसी समय दिव्या मोबाइल पर अपने घर की तस्वीर देख रही थी। उसने जमुना को सेब अपने झोले में रखते हुए देख लिया। घर आकर उसने जमुना पर चोरी का आरोप लगाया और उसे नौकरी से निकाल दिया। जमुना रो-रो कर सफाई देती रही, मगर दिव्या ने एक न सुनी। उधर अभिनव अपनी आंटी के लिए लगातार रो रहा था। उसने न दूध पिया, न और कुछ खाया। अगले दिन उसे तीव्र ज्वर हो गया। वह बीमारी में भी रो-रो कर आंटी को बुलाता रहा।

विवश होकर सुधीर और दिव्या उसे लेकर जमुना की झोपड़ी पर गए। अभिनव जमुना को देखते ही रोते हुए उसकी ओर दौड़ा। उसे देखकर जमुना भी स्वयं को रोक नहीं सकी और उसे गोद में उठा कर उसका मुंह चूमने लगी।

यह देखकर दिव्या ने उसे डांटते हुए रोका। तब तक अभिनव अपने छोटे-छोटे हाथों से जमुना का बार-बार मुंह चूमने लगा मानों दिव्या को चिढ़ा रहा हो। सुधीर हैरानी से यह पूरा दृश्य देख रहा था। उसने दिव्या को चुप रहने का संकेत किया और जमुना से बोला- "चलो जमुना, तुम्हारी याद में इसने खाना-पीना तक छोड़ दिया है।"

यह सुनकर जमुना ने एक बार फिर अभिनव को सीने से चिपकाकर उसका मुंह चूम लिया, मगर दिव्या का ध्यान आते ही अपनी जीभ दांतों से दवा ली। यह देख दिव्या खिसियानी हंसी हंसने को विवश हो गई।

कविताएं/गीत

ख्यालों की दुनिया

माना हम उदास हैं फिर से,
छिपकर रो लेंगे
पर रहना तुम निश्चिंत
तुम्हारा नाम न खोलेंगे

पर रहना तुम निश्चिंत
तुम्हारा नाम न खोलेंगे
यूं तो सर्द हवा में अक्सर
नमी तैरती है
दबे पांव आकर कोरों में फिर
ये ठहरती है
हंसते, गाते, मुस्काते, हम
चुप हो जाते हैं
यादों की एलबम से पहरों हम
बतियाते हैं

ऐसा करते हुए किसी दिन
पूरे हो लेंगे,
पर रहना तुम निश्चिंत
तुम्हारा नाम न खोलेंगे
पाना, खोना, रहना, जाना
सिर्फ छलावा है
जीवन क्या है, ये कुम्हार का
जलता आवा है
मकड़ी जैसे जाल मनुज ने
स्वयं बिछाये हैं
पाप, पुण्य के रीति-नीति के
नियम बनाए हैं
लोग हमारे लिए न जाने क्या
क्या बोलेंगे'

यूं भी हम, तुम जरा पुरानी
पीढ़ी वाले हैं
लिफ्टों के युग में हम दोनों
सीढ़ी वाले हैं
'फन' के युग में सात जनम
की सतत प्रतीक्षा हैं
'ऑनलाइन' के 'टाइम' में
हम लिखित परीक्षा हैं

लगती रहें अटकले लाखों,
ओंठ न बोलेंगे
पर रहना तुम निश्चिंत
तुम्हारा नाम न खोलेंगे।

अरविंद पथिक
वरिष्ठ साहित्यकार

मौत और कविता

तुम्हारे नाम से आगे सोचती
हूं, इतना ही आता ख्याल
क्या, क्यों, कैसे

भीग जाता है यह मन
चिथड़ा हो जाता यह कलेजा
नहीं छुपा पाती संवेदनाएं

आंखें उस पहाड़ को
निहारतीं दीवार पर टंगी
बेजान सी
किसी कलाकार की कल्पना
को फिर हो जाती सहसा
सानंद

कितना विराट हृदय लेकर
जीता, फिर भी रौंद देता
मिट्टी से बने पुतलों से
बना दिया जाता उन पहाड़ों
पर किसी देवी का भव्य
मंदिर

जिसमें हर सुबह-शाम
लगाते जयकारे
सुख और समृद्धि के
लगाती हिलकोरे
आत्मा में सबल आवाज
आती अंतर्मन से
मौत और कविता
अनायास ही आती
मैं हो जाती संपूर्ण!

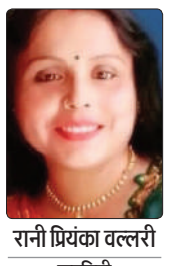

रानी प्रियंका वल्लरी
कवयित्री

मेरे गांव में आजा मां...

तुझे दुर्गा कहूं या काली, तुझे वैष्णों कहूं या मनसा,
तुझे गौरी कहूं या कल्याणी।
मेरे गांव में आजा मां करने सबकी रखवाली।।

जो भी गया मां तेरे द्वारे, तूने हैं उसके कष्ट उबारे,
फिर क्यों हैं हम दुखों के मारे, ऐ माता शेरों वाली।
मेरे गांव में आजा मां करने सबकी रखवाली।।

पूर्णागिरी में है मां तेरा डेरा,
कश्मीर में भी एक वसेरा,
मां हम सब तेरे बालक, तू सारे
जग की पालक,
अपने बच्चों को कर दे माफ,
पुकारें तुझे दे-दे ताली।
मेरे गांव में आजा मां करके तू
सिंह सवारी।
मेरे गांव में आजा मां करने
सबकी रखवाली।।

जगपाल सिंह भाटी
लेखक

लघुकथा

दिल के रिश्ते

मां तो नहीं रही, लेकिन हां मां के नाम कुछ बीमा था, बैंक बैलेंस भी था, क्योंकि मां सरकारी कॉलेज में वाइस प्रिंसिपल थी। वो पिता से अलग रहती थी, लेकिन तलाकशुदा नहीं थी, क्योंकि तलाकशुदा नहीं थी इसलिए मां के पैसों पर पिता का अधिकार था। बैंक में जाकर जब रुपये निकालने का वक्त आया तब पता लगा कि मैं पैसे नहीं निकाल सकती, क्योंकि मैं नाबालिग थी। कोर्ट के अनुसार पैसों पर पहला अधिकार पति का ही होता है। न जाने क्यों आज आशा को अपना अतीत याद आ रहा था और फिर से पुरानी यादों में खो गई।

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका

मां सर्विस की वजह से अपने मायके में ही रहती थी और पिता दिल्ली में बिजली विभाग में कार्यरत थे। मां का स्वर्गवास हुआ तब मामा ने पिता को फोन भी किया, लेकिन मां को अग्नि देने के लिए भी वो नहीं आए। मां के स्वर्ग सिधारने के बाद आशा अपनी ननिहाल में ही रहती थी। इसलिए पिता के पास जाना ही नहीं हुआ। मां के रुपये निकालने के लिए पिता को फोन किया गया और उन्हें सूचित किया गया कि आपकी पत्नी का काफी बैंक बैलेंस है। पता नहीं क्या हुआ, जो शख्स मां को अग्नि देने भी नहीं आ पाया, रुपये की सूचना पर तुरंत आ गया, क्योंकि सरकारी बात थी तो कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया और पेशी के लिए दोनों पक्ष को बुलाया गया। उस समय मेरी उम्र सिर्फ साढ़े आठ साल थी, क्योंकि मां ने मेरा नॉमिनी अपनी बहन को बनाया था, जो स्वयं भी सरकारी नौकरी में थी, लेकिन मैं हमेशा ननिहाल में ही रही, जहां नानी-मामा ने मेरी देखभाल की थी। मौसी बाहर रहती थीं, केस शुरू हुआ, जिसमें हर बार मौसी को छुट्टी लेकर आनी पड़ती थी। मामा की भी सरकारी नौकरी लग चुकी थी। मां ने अपनी मृत्यु से ठीक ग्यारह दिन पहले नौकरी छोड़ी और ठीक उसी दिन मामा को नौकरी मिली थी। मामा हमेशा कहते थे कि तेरे भाग्य से ही मेरी नौकरी लगी है, क्योंकि ईश्वर जब एक रास्ता बंद करता है तभी दूसरा रास्ता भी खोल देता है। मामा-मौसी हर तारीख पर मुझे कोर्ट लेकर जाते थे और वकील मुझे बहुत सारी बातें समझाते थे। पापा के पास हम लोग कभी-कभी जाते थे, लेकिन पापा मुझसे मिलने कभी नहीं आए तो मन में एक डर था कि पापा अगर मुझे ले गए तो क्या होगा, क्योंकि मां के जाने के ठीक छह महीने बाद ही पापा ने दूसरी शादी कर ली थी। हमारे वकील हमेशा मुझे कुछ बातें समझाते और मैं उन बातों को याद करती थी। एक नौ साल के बच्चे को आप जितना समझाएंगे वो उतना ही समझ सकता है। केस करीब चार साल चला, न जाने कितनी तारीखें पड़ीं और कितना पैसा खर्च हुआ। आखिर वो दिन आ ही गया जिस दिन मेरी जिंदगी का फैसला होना था।

तेरह साल की उम्र और कठघरे में चार घंटे लगातार खड़े रहना, वकीलों की आपसी जिरह और मुझसे अनगिनत सवाल जवाब, जिससे मैं टूट जाऊं और पापा मुझे मां के रुपयों के साथ अपने साथ ले जा सकें, लेकिन आप ही बताएं जिसके साथ आप कभी नहीं रहे उस पिता के साथ मां के बिना कैसे रह पाते? जिस पिता ने मां के जाने के बाद मां के अग्निदाह तक में शामिल होना उचित नहीं समझा वो मां के पैसों के लिए मुझे ले जाने क्यों आ गया? क्या दुनिया में खून के रिश्तों का कोई मोल नहीं? क्या मैं उनकी बेटी नहीं थी? क्या आज की दुनिया में पैसा ही सब कुछ है? क्या वो पिता अपनी आठ साल की बच्ची के दर्द को नहीं समझ पाया, लेकिन मां के रुपयों की खातिर दौड़ आया? पापा के वकील ने मुझसे घुमा फिराकर अनगिनत प्रश्न किए और मुझे तोड़ने की पूरी कोशिश की जिससे पापा की जीत हो जाए, लेकिन कहते हैं न कि सत्य की जीत होती है और जज ने फैसला मेरे हक में दिया। मम्मी का बैंक बैलेंस मेरे नाम कर दिया गया कि जब मैं बालिग हो जाऊंगी तब निकाल सकती हूं और मेरे मामा मुझे अपने साथ ले आए। आशा अचानक रोती हुई वर्तमान में आ चुकी थी, लेकिन अतीत का काला साया आज तक उसे उन बातों को सोचने पर मजबूर करता रहा कि आखिर रिश्तों का मापदंड पैसा है या दिल के रिश्ते?

यात्रा की अनुगूंज

समीक्षा

वरिष्ठ लेखक श्रीप्रकाश जी का नवीनतम यात्रा वृत्तांत 'काशी से कन्याकुमारी' इस दृष्टि से उत्साहित करता है कि इसके ढेर सारे पन्नों में दर्ज किस्से, पौराणिक संदर्भ और उनके अतीत के कितने ही घटनाक्रमों को इसमें शामिल किया है। लेखक ने अपनी यात्रा की तैयारी के साथ काशी को यदि कोई नहीं जान पाया है तो इसके संक्षिप्त इतिहास, काशी में गंगा, काशी के घाट-मंदिर, धार्मिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्थान के साथ ही पौराणिक महत्व के साथ ही काशी की जीवनशैली और जीवन दर्शन को शुरू के दस पन्नों में बहुत सुंदर ढंग से पिरोया है, जिसको पढ़कर काशी में घूमने के बाद उसकी यहीं बसने की इच्छा प्रबल हो जाएगी। इस किताब को पढ़ते समय मुझे कहीं-कहीं बोलचाल में भाषाई हास्य का इनपुट वाला वार्तालाप पाठक को बोर होने नहीं देता, बल्कि यात्रा के रोचक कथन में अपने को समाता हुआ महसूस करता है। इस यात्रा वृत्तांत को पढ़ते समय पाठक मंद-मंद मुस्कुराता है। लेखक अपनी भाषाई कौशल से यात्रा की एडवेंचर उत्सुकता बनाए रखता है। हालांकि इसका शीर्षक भी कम जिज्ञासा उत्पन्न नहीं करता है। जब आप किताब पढ़ना शुरू करते हैं तो इसमें काशी से कन्याकुमारी तक लेखक की यात्रा का रोचक यात्रा वृत्तांत भरा पड़ा है। इसमें हर वह जगह जहां लेखक सहयात्रियों के साथ ही जो भी व्यक्ति जुड़ते हैं, उनके साथ के घटनाक्रम का बढ़िया वर्णन किया है। इसमें लेखक यात्रा का प्रारंभ, आसमान में कुछ घंटे, मदुरै में चौबीस घंटे, मीनाक्षी देवी मंदिर, रामेश्वर की ओर, पाम्बन ब्रिज, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल, रामेश्वर मंदिर, लक्ष्मण तीर्थम, धनुषकोडी, मुन्नार में सुकून के पल, एराविकुलम नेशनल पार्क, इको पॉइंट, कुंडला डैम, विवेकानंद स्मारक, फिश एक्वेरियम, सन सेट पॉइंट, होटल स्काई पार्क और अंत में कन्याकुमारी जंक्शन है। अतः मैं कह सकता हूं कि ऐतिहासिक-पौराणिक संदर्भों की अनुगूंज है यात्रा वृत्तांत 'काशी से कन्याकुमारी।' लेखक की यात्रा के अनुभवों, देखे गए स्थलों, इतिहास, संस्कृति और अन्य विवरणों से पाठक वहां के बारे में पूर्णतः पढ़कर परिचित होगा।

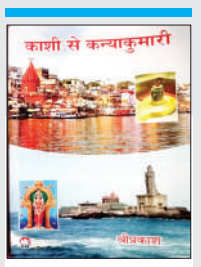

पुस्तक : काशी से कन्याकुमारी
लेखक : श्रीप्रकाश श्रीवास्तव
प्रकाशक : हंस पब्लिकेशन नई दिल्ली
मूल्य : 230/-
समीक्षक - सूर्यदीप कुशवाहा

गतिशील जीवन का निर्मल झरना

पिछले दिनों दो महत्वपूर्ण नवगीत संग्रह- 'आनंद! तेरी हार है' और 'आकाश तो जीने नहीं देता' प्राप्त हुए। दोनों ही संग्रह हिंदी काव्य जगत के चर्चित कवि, आलोचक और संपादक वीरेंद्र आस्तिक जी की सृजन-यात्रा के उज्ज्वल उदाहरण हैं। आस्तिक जी की अब तक लगभग एक दर्जन कृतियां (नवगीत, आलोचना एवं संपादन) प्रकाशित हो चुकी हैं, जिन पर दो स्वतंत्र आलोचना-ग्रंथ भी उपलब्ध हैं। साहित्य साधना के प्रति उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ द्वारा 'साहित्य भूषण' सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है।

पुस्तक : आनन्द तेरी हार है और आकाश तो जीने नहीं देता।
लेखक : वीरेन्द्र आस्तिक
प्रकाशन :भारतीय साहित्य संग्रह।
समीक्षक - डॉ अवनीश सिंह चौहान

आस्तिक जी का काव्य-संग्रह 'आनंद तेरी हार है' जीवन संघर्ष की वीणा से उपजा वह शुद्ध स्वर है, जिसमें पीड़ा की गहराइयों के बीच भी उल्लास और विस्मय के सुर गूंजते हैं। इस संग्रह की रचनाएं अपनी सहजता, गेयता और भाव संपन्नता के कारण पाठक के हृदय को गहराई से स्पर्श करती हैं। इनको निरखने-परखने पर ऐसा प्रतीत होता है मानो कवि ने अनकहे सत्य को शब्दों का जामा पहनाकर उसमें सांसों की गर्माहट भर दी हो। आस्तिक जी की सृजन यात्रा का अगला सोपान है- 'आकाश तो जीने नहीं देता'। इस संग्रह में उन्होंने संवेदना की एक नई भाषा गढ़ी है, जो उनकी काव्य दृष्टि की परिपक्वता का प्रमाण प्रस्तुत करती है। इसमें जीवन की लय को तलाशते हुए उसके कैनवास को व्यापक बनाने की गहन इच्छा स्पष्ट रूप से झलकती है। यही कारण है कि इसे आस्तिक जी की सर्जना का एक महत्वपूर्ण तथा उपलब्धिमय चरण माना जा सकता है। कुल मिलाकर आस्तिक जी का काव्य किसी क्षणिक उत्तेजना का परिणाम नहीं है, बल्कि साहित्य को समृद्ध करने वाला गतिशील जीवन का निर्मल झरना है, जो विवेक की धरा पर अनवरत बहते हुए पाठकों को प्रेरणा प्रदान करता है।

व्यंग्य

बार-बार फुस्स होता एटम बम

जिसका इंतजार था, वह बम फूट गया। दिवाली पर आतिशबाजी में बड़े-बड़े कानफोड़ू बम के धमाके कान को सुन्न करते रहे। उनकी आवाज के मुकाबले एटम बम और हाइड्रोजन बम की आवाज ऐसी रही जैसी सीलन भरे पटाखे का फुस्स हो जाना। हर बार की तरह इस बार भी आतिशबाज की आतिशबाजी कमाल न दिखा सकी। मगर आतिशबाज भी अभ्यस्त है। बम फूटे या न फूटे इससे आतिशबाज पर कोई फर्क नहीं पड़ता। उसका चेहरा भाव शून्य ही रहता है। आतिशबाज की इस आदत का मुरीद भला कोई क्यों न हो। बंदे में दम है, वह न सावन सूखा है न भादों हरा। उसके लिए सब दिन एक से हैं। अपनी कहो और खिसक लो। शैतान बच्चे भी ऐसा ही करते हैं। शोर बहुत मचाते हैं। उन्हें खुद नहीं पता होता कि वे शोर मचा क्यों रहे हैं। माननीय आतिशबाजी पर प्रतिबंध की बात करते हैं।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

वैसे भी आतिशबाजी ध्वनि व वायु प्रदूषण का पर्याय है। यह सच्चाई पढ़ा-लिखा हर बालक जानता है। केवल एक ही बालक इस तथ्य से अनजान है। यदि अनजान न होता, तो सुतली बम को एटम बम न कहता। बहरहाल हाइड्रोजन बम की जगह सुतली बम आ गया। सुतली बम भी भीगा हुआ, किसकी आवाज में बम जैसी धमक ही नहीं। इससे अधिक धमक तो गली-मुहल्लों में निकलने वाली धार्मिक बरातों में बजने वाले डीजे की धमक होती है। डीजे की धमक से डरकर लोग कानों ने रुई ठूंस लेते हैं या उंगली से कानों को बंदकर लेते हैं। इस फुस्स बम की तो आवाज ही दबकर रह गई। मासूम बच्चा हताश है। उसके इर्द गिर्द उसे पढ़ाने वालों का जमावड़ा है। उसके गुरु उसे रोज नया पाठ रटाते हैं। रोज उसे समझाते हैं कि कैसे सनसनी फैलानी है।

कैसे शोर मचाना है कि बड़ा पटाखा फोड़ूंगा, बड़ा धमाका करूंगा, धमाका करके नींद उड़ाऊंगा, अपने-अपने धमाका करके इतनी दूर भाग जाऊंगा, जहां धमाके की आवाज ही सुनाई न दे। कुछ शैतान बच्चे उसके साथ टाफी खाते हैं, फिर उसके सुर में सुर मिलाते हैं। पटाखे छुड़ाने के लालच में उसके साथ आ जाते हैं। बालक इसी में खुश रहता है। वह समझता है कि यह उसकी उपलब्धि है। बच्चे उसे अपने से अधिक समझदार समझ रहे।

वह खुश होता है, अपनी पीठ थपथपाता है। सोचता है कि वह और बच्चों से अलग कुछ नया काम कर रहा है। वह सुतली बम को कभी एटम बम बताता है, कभी हाइड्रोजन बम। हो सकता है कि उसे परमाणु बम की विशेषता न पता हो, वरना वह परमाणु बम फोड़ने की घोषणा भी कर सकता है। बार-बार वह आरोपों के बम फोड़ता है, मगर उसका हर बम सुतली बम से अधिक शोर नहीं कर पाता। बार-बार फुस्स हो जाता है। इस सबके उपरांत भी बच्चा हार नहीं मानता। यह उसकी विशेषता है।

वह बम फोड़ने का शतक बनाने की दिशा में अग्रसर है। नब्बे से अधिक बम फोड़ चुका है। यही अंदेशा है कि वह कहीं सुतली बम फोड़ने का शतक बनाने से चूक न जाए। वैसे उसके अध्यापकों का फर्ज तो बनता है कि उसे धमाकेदार बम बनाने का सही से ज्ञान दें, बच्चे का प्रयोग अपने मनोरंजन के लिए न करें।

आधी दुनिया

देशभर में नवरात्रि पर्व की धूम पहले ही शुरू हो चुकी है। यह पर्व केवल माता दुर्गा की पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक उत्साह का जीवंत उदाहरण बन चुका है। नवरात्रि के नौ दिन देश के हर कोने में भक्ति, आनंद और रंगीन उत्सव के रूप में मनाए जाते हैं। इस त्योहार में पारंपरिक वेशभूषा, जैसे कि घाघरा-चोली, सूट-साड़ी और डिजिटल प्रिंट वाले आधुनिक घाघरे, हर उम्र के लोगों को आकर्षित करते हैं। गुजरात के बड़े शहरों में गरबा की चौकड़ी हो या रायपुर के डिजिटल प्रिंट घाघरे, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के कम्युनिटी हॉल में युवा और बुजुर्ग, सभी मिलकर डांडिया और गरबा नृत्य का आनंद लेते हैं। हर राज्य में गरबा और डांडिया की अपनी विशेष शैली और थीम होती है, जो स्थानीय संस्कृति और फैशन का अनोखा मिश्रण पेश करती है। *– फीचर डेस्क*

देशभर में धूम

- **गरबा और डांडिया का उत्साह-** नवरात्र के दौरान गरबा का सबसे बड़ा केंद्र गुजरात माना जाता है। अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा जैसे शहरों में लाखों लोग हर साल नवरात्रि में चौकड़ी और छकड़ी नृत्य में हिस्सा लेते हैं। यहां पारंपरिक घाघरा-चोली, रंग-बिरंगे कपड़े और चमकदार एक्सेसरीज बहुत लोकप्रिय हैं। गरबा के दौरान शहर पूरी तरह से रंगों और संगीत से भर जाता है। युवा वर्ग और बुजुर्ग सभी इस त्योहार में एक साथ भाग लेते हैं।
- **पुणे और मुंबई-** महाराष्ट्र में पुणे और मुंबई के गरबा कार्यक्रम बड़े आयोजनों के रूप में होते हैं। यहां युवा वर्ग में डिजिटल प्रिंट और थीम आधारित ड्रेस का क्रेज है। शहरों के बड़े हॉल और पब्लिक ग्राउंड में गरबा और डांडिया नाइट्स का आयोजन किया जाता है। स्थानीय और विदेशी पर्यटक भी इस सांस्कृतिक महोत्सव का हिस्सा बनते हैं।
- **रायपुर-** रायपुर में लगभग 50 स्थानों पर गरबा का आयोजन होता है। यहां हर साल डिजिटल पैटर्न वाले घाघरे और हल्की ड्रेस की मांग बढ़ती जा रही है। इस शहर में लोग 3, 5 या 9 दिन तक गरबा में हिस्सा लेते हैं। स्थानीय दुकानदार डिजिटल प्रिंट वाले घाघरे तैयार कर रहे हैं, जिससे युवा वर्ग और महिलाएं अपनी पसंद के अनुसार ड्रेस चुन सकें।
- **मध्य प्रदेश-** मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल और ग्वालियर में भी गरबा महोत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। पारंपरिक घाघरे और चोली के साथ डिजिटल और फैंसी ड्रेस का मिश्रण देखा जाता है। युवा वर्ग हर साल नए रंग और डिजाइन का आनंद लेने के लिए उत्सुक रहता है।
- **लखनऊ-कानपुर -** उत्तर प्रदेश में गरबा और डांडिया आमतौर पर कम्युनिटी हॉल, पब्लिक ग्राउंड और स्कूल- कॉलेज के मैदानों में आयोजित होते हैं। यहां युवा वर्ग में डिजिटल पैटर्न और हल्की ड्रेस की लोकप्रियता बढ़ रही है। पारंपरिक डिजाइन के साथ रंग-बिरंगे डिजिटल प्रिंट वाले घाघरे फैशन ट्रेंड बन चुके हैं।
- **अन्य राज्य और क्षेत्र-** भारत के अन्य राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान और बिहार में भी गरबा और डांडिया का आयोजन हो रहा है। यहां छोटे और बड़े कम्युनिटी ग्रुप्स अपने पारंपरिक उत्सव के साथ डिजिटल और फैंसी ड्रेस के माध्यम से युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं।

पारंपरिक वेशभूषा और डिजिटल पैटर्न का उत्सव गरबा

नवरात्रि केवल नृत्य और रंगों तक सीमित नहीं है। यह त्योहार पूरे समाज को जोड़ता है, लोगों में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का संचार करता है। हर साल नए डिजाइन, रंग और थीम के साथ आयोजक इस उत्सव को और भी जीवंत और आकर्षक बनाते हैं। डिजिटल पैटर्न, थीम आधारित डेकोरेशन और संगीत के साथ यह पर्व युवाओं और बच्चों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन गया है। पूरे भारत में नवरात्रि का उत्सव एक ऐसा सामाजिक-सांस्कृतिक पुल बन गया है, जो भक्ति, पारंपरिकता और आधुनिकता को साथ लाता है। यह न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि फैशन, मनोरंजन और सामूहिक आनंद का भी उत्सव है। हर राज्य में इस पर्व का स्वरूप अलग हो सकता है, लेकिन इसकी ऊर्जा, उमंग और रंग पूरे देश में एक जैसी चमक बिखेरते हैं।

गरबा का अर्थ और उत्पत्ति

"गरबा" संस्कृत शब्द "गर्भ" से आया है, जिसका अर्थ है "गर्भाशय" या "जीवन का स्रोत।" यह जीवन और देवी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। उत्पत्ति : यह नृत्य देवी दुर्गा की पूजा और उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए किया जाता है। पारंपरिक रूप से, महिलाएं मिट्टी के दीपक (नाव या घड़ा) के चारों ओर गोल घेर बनाकर नृत्य करती थीं।

गरबा और डांडिया

गरबा में मुख्य रूप से गोल घेर बनाकर और तालियों की ध्वनि या ढोलक की थाप पर नृत्य किया जाता है।
डांडिया में यह एक छड़ी वाला नृत्य है, जिसमें दो लोग लकड़ी की छड़ियों का तालमेल करके डांस करते हैं। इसे गरबा के साथ अक्सर जोड़ा जाता है।

नवरात्रि में गरबा का महत्व

नवरात्रि नौ दिन का पर्व होता है, जिसमें देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। हर दिन गरबा नृत्य से देवी की शक्ति और भक्ति का प्रतीक होता है। यह समाज में सामूहिक सहभागिता, उत्सव और खुशी का प्रतीक भी है।

क्या है विशेष परिधान

- महिलाएं पारंपरिक घाघरा-चोली या रंग-बिरंगे सूट पहनती हैं, जिन पर कढ़ाई, आईना या डिजिटल प्रिंट्स होते हैं।
- पुरुष कुर्ता-पायजामा या धोती-कुर्ता पहनते हैं, और कभी-कभी रंगीन पट्टी या शॉल से सजावट करते हैं।

डिजिटल पैटर्न और नए फैशन ट्रेंड

- इस साल गरबा में डिजिटल पैटर्न वाले घाघरे, केडिया स्टाइल और हल्की ड्रेस का क्रेज पूरे भारत में देखा जा रहा है। डिजिटल प्रिंट वाले घाघरे पारंपरिक वेशभूषा की तुलना में आधुनिक और युवा अनुकूल है।
- लाइटवेट ड्रेस की मांग : लंबे समय तक नृत्य करने में सुविधा के लिए लोग हल्की और आरामदायक ड्रेस चुन रहे हैं।
- फैंसी और थीम आधारित ड्रेस : ऑपरेशन सिंदूर जैसी थीम और रंग संयोजन पूरे देश में लोकप्रिय हैं।
- एक्सेसरीज : चश्मा, केप, हेयर बेल्ट और ज्वेलरी आइटम जैसे कंगन, झुमके और नेकलेस अब गरबा ड्रेस का हिस्सा बन गए हैं।

क्या पहनें

पैच वर्क लहंगा

इस साल गरबा के लहंगा को नया ट्विस्ट दिया गया है और ज्यादातर डिजाइनर्स इसे फॉलो कर रहे हैं। इस डिजाइन के अंडर पैच वर्क लहंगे चलन में हैं। इन लहंगों में कई रंगों के कपड़ों को जोड़कर लहंगे का घेर बनाते हैं और उसे गोटा या मिरर जैसा आपको पसंद हो वैसे सजाते हैं। ये कलरफुल पैच वर्क लहंगे इस बार गरबा पार्टी के लिए इन-ट्रेंड हैं।

वन शोल्जर टॉप और क्रॉप टॉप

गरबा नाइट में और ट्रेंडी कुछ पहनना चाहती हैं तो वन शोल्जर टॉप या क्रॉप टॉप का सेलेक्शन कर सकती हैं। ये टॉप आपकी इंडियन ड्रेस को वेस्टर्न टच देकर फ्यूजन बनाते हैं और लहंगे के ओवरऑल लुक हो आकर्षक कर देते हैं। इसके अलावा आप दुपट्टे को भी लहंगे की तरह ड्रेप करके मिक्स करके नए स्टाइल सकते हैं। ब्लाउज मैच में पहन

लड़कों के लिए ऑप्शन

लड़कों के लिए एक ऑप्शन ये हैं कि वे अपनी मम्मी या बहन की पुरानी बनारसी साड़ी या फुलकारी दुपट्टों से अपने लिए कुर्ता बनवाकर उसे पैजामे के साथ पेयर कर सकते हैं। कलरफुल या बंधानी प्रिंट की कोटी के साथ ये और भी खूबसूरत दिखेगा।

सफेद बालों को काला करने का घरेलू नुस्खा

बाल किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और आकर्षण का अहम हिस्सा होते हैं। घने, मजबूत और चमकदार बाल न केवल सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। आजकल प्रदूषण, तनाव, असंतुलित आहार और केमिकलयुक्त उत्पादों के कारण बालों की समस्याएं आम हो गई हैं। जैसे- झड़ना, दोमुंहे बाल, रूसी और समय से पहले सफेद होना। इसलिए बालों की देखभाल जरूरी है। सफेद बाल बढ़ते जा रहे हैं? बाल कमजोर और झड़ते हैं? चिंता मत करिए, आज हम आपको इसका देसी और असरदार नुस्खा बताते हैं। इसे अपनाकर आप बालों को काला, मजबूत और घना बना सकते हैं। ये नुस्खा भृंगराज, आंवला और नीम के पेस्ट को नारियल तेल में मिलाकर जड़ों में लगाने पर काम करता है। असर धीरे-धीरे दिखता है, लेकिन लगातार करने पर परिणाम गजब के होते हैं।

सामग्री

- भृंगराज के पत्ते- 10-15
- आंवला- 1-2 छोटे
- नीम के पत्ते- 10-15
- नारियल तेल- 2-3 बड़े चम्मच

कैसे बनाएं

- सबसे पहले भृंगराज, आंवला और नीम के पत्तों को अच्छे से धो लें।
- इन्हें मिक्सी में पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को नारियल तेल में मिलाएं ताकि तेल में सारी पोषण वाली चीजें अच्छी तरह घुल जाएं।
- ध्यान रखें- पेस्ट और तेल अच्छी तरह मिक्स होना चाहिए, तभी जड़ों तक पोषण पहुंचेगा।

कैसे लगाएं

- मिश्रण को सिर की जड़ों में लगाएं।
- हल्के हाथों से 10-15 मिनट मसाज करें ताकि रक्त संचार बढ़े और पोषण बालों की जड़ों तक पहुंच जाए।
- 1-2 घंटे के लिए छोड़ दें।
- फिर हल्के शैंपू से धो लें।
- अगर समय कम हो तो रातभर भी लगा कर सो सकते हैं।
- हफ्ते में 2-3 बार लगाएं।
- परिणाम देखने में समय लगेगा, आमतौर पर 2-3 महीने के बाद बदलाव दिखाई देने लगता है।
- निरंतरता बहुत जरूरी है।

सावधानियां

- अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो पहले छोटे हिस्से में पैच टेस्ट करें।
- किसी भी तरह की एलर्जी या खुजली हो तो तुरंत उपयोग बंद करें।
- अत्यधिक मात्रा में इस्तेमाल करने से बाल भारी या तेलीय लग सकते हैं।
- बालों के साथ-साथ स्वस्थ आहार और पानी भी बालों की हेल्थ के लिए जरूरी है।

क्या हैं फायदे

सफेद बाल धीरे-धीरे काले होते हैं और बालों में प्राकृतिक रंग वापस आता है।
बाल मजबूत और घने बनते हैं, टूटने और झड़ने से बचाता है।
जड़ों को पोषण मिलता है और बाल अंदर से स्वस्थ रहते हैं।
बालों की चमक बढ़ती है,बाल सुंदर और मुलायम लगते हैं।
नियमित इस्तेमाल से बालों का झड़ना को रोकता है।
सिर की सफाई और संक्रमण से बचाव
नीम के एंटीबैक्टीरियल गुण बालों और सिर की त्वचा के लिए फायदेमंद।

भृंगराज, आंवला और नीम का ये घरेलू नुस्खा छोटे से प्रयास में बालों को काला, मजबूत, घना और चमकदार बनाता है। नियमित और सही तरीके से लगाने पर असर धीरे-धीरे दिखाई देता है।

कांजी वड़ा

खाना खजाना

पिंकी काबरा
फूड ब्लॉगर

कांजी वड़ा राजस्थान और उत्तर भारत का एक पारंपरिक एवं लोकप्रिय व्यंजन है, जो स्वाद और सेहत दोनों के लिए खास माना जाता है। यह व्यंजन अपने खट्टे-तीखे और चटपटे स्वाद के लिए जाना जाता है और अक्सर त्योहारों, विशेष अवसरों या गर्मियों के दिनों में परोसा जाता है। कांजी दरअसल सरसों के दानों, लाल मिर्च और अन्य मसालों से तैयार एक खट्टा-तीखा पानी है, जिसे 2-3 दिन तक रखा जा सकता है। इस फर्मेंटेशन प्रक्रिया से इसमें एक अनोखा स्वाद आ जाता है, जो पाचन के लिए भी लाभकारी माना जाता है। वड़ा उड़द दाल या मूंग दाल से बनाए जाते हैं। दाल को भिगोकर पीस लिया जाता है और फिर मसाले डालकर छोटे-छोटे गोल पकौड़े तल लिए जाते हैं। इन वड़ों को कांजी में डालकर कुछ घंटों तक रखा जाता है, ताकि वे कांजी का खट्टा-तीखा स्वाद सोख लें।

सामग्री

वड़ों के लिए

- 1 कप उड़द दाल
- आधा कप पानी
- आधा चम्मच सौंफ
- चौथाई चम्मच हींग
- नमक, स्वादानुसार
- तेल या घी तलने के लिए

कांजी के लिए

- ढाई कप पानी
- आधा कप सरसों का पानी (सरसों को 2-3 घंटे के लिए पानी में भिगो दें और फिर इसे मिक्सर में पीस लें)
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 चम्मच जीरा पाउडर
- नमक- स्वादानुसार

बनाने की विधि उड़द दाल को 4-5 घंटे के लिए भिगो दें और फिर इसे पीसकर एक चिकना मिश्रण बनाएं। फिर इस मिश्रण में नमक, सौंफ, हींग मिलाएं और इसे छोटे-छोटे वड़ों के आकार में बनाएं। वड़ों को गरम तेल में तल लें और उन्हें एक तरफ रख दें। कांजी बनाने के लिए एक बड़े बाउल में पानी, सरसों का पानी, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर और नमक मिलाएं। वड़ों को कांजी में डुबो दें और इसे एक दिन के लिए रख दें। एक दिन बाद कांजी वडे तैयार हैं।

आरएसएस की प्रार्थना मातृभूमि के प्रति समर्पण

आरएसएस प्रमुख भागवत बोले- संघ की प्रार्थना भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम को अभिव्यक्ति है

नागपुर,एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की 'प्रार्थना' भारत माता की प्रार्थना और देश एवं ईश्वर के प्रति संघ के स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि जहां व्यक्तिगत संकल्प प्रत्येक स्वयंसेवक के दृष्टिकोण तक सीमित रहते हैं, वहीं साझा मिशन और मूल्य संघ की प्रार्थना से उत्पन्न होते हैं, जिसका प्रतिदिन पाठ किया जाता है।

भागवत ने नागपुर के रेशमबाग महर्षि व्यास सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान संघ की प्रार्थना का ऑडियो जारी किया, जिसे गायक शंकर महादेवन ने आवाज दी है। कार्यक्रम में अभिनेता सचिन खेडेकर, वरिष्ठ प्रस्तोता हरीश भिमानी और संगीतकार राहुल रानाडे भी उपस्थित थे। नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि यह भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्ति है। यह प्रार्थना है कि हम देश को क्या देश सकते हैं और फिर ईश्वर से प्रार्थना है कि देश सेवा में हमारी सहायता करे।

● नागपुरमें आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान संघ की प्रार्थना का ऑडियो किया जारी

आरएसएस की स्थापना के हुए 100 साल, शताब्दी समारोह शुरू

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थापना के 100 वर्ष शनिवार को पूरे हो गये। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 17 सहयोगियों के साथ मिलकर 27 सितंबर, 1925 को विजयादशमी के पावन अवसर पर संघ की स्थापना की थी। संघ अब देशभर में 83,000 से अधिक शाखाओं और लाखों स्वयंसेवकों के साथ देश के सबसे बड़े सांस्कृतिक निकाय के रूप में विकसित हो चुका है। आरएसएस की उत्पत्ति नागपुर के महल स्थित हेडगेवार वाड़ा से मानी जाती है। डॉ. हेडगेवार ने हिंदुओं में एकता, अनुशासन और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस संगठन की कल्पना की थी। वर्ष 1926 में विचार-विमर्श के बाद जरीपटका मंडल और भारतोद्धारक मंडल जैसे विकल्पों को हराकर मतदान के माध्यम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम को अंतिम रूप दिया गया। नागपुर के बाहर पहली शाखा फरवरी 1926 में वर्धा में स्थापित की गई, जिसने पूरे देश में क्रमिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया। व्यक्ति-आधारित नेतृत्व से बचने के लिए, भगवा ध्वज को संघ का 'गुरु' मान लिया गया और 1927 में गुरु दक्षिणा देने की प्रथा शुरू हुई। डॉ. हेडगेवार (1929 में प्रथम सरसंघचालक बने) पहले कांग्रेस से जुड़े थे और उन्होंने असहयोग और जंगल सत्याग्रह आंदोलनों में भाग लिया था और जेल भी गये थे। उनकी दृष्टि शारीरिक प्रशिक्षण, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण पर ज़ोर देती थी। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल पूरा होने पर एक साल तक विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

पुणे में 1940 में पहली बार गाया गया था गीत

संघ की मूल प्रार्थना के रचनाकार नरहरि नारायण भिड़े थे और पहली बार यादव राव जोशी ने 23 अप्रैल, 1940 को पुणे में संघ शिक्षा वर्ग में इसे गाया था। प्रार्थना का प्रारंभिक प्रारूप 1939 में पुणे में एक बैठक के दौरान तैयार किया गया था। भागवत ने कहा कि संघ प्रार्थना भारत माता की प्रार्थना है। 1940 से स्वयंसेवक प्रतिदिन इसका पाठ करते हैं। यह प्रार्थना संघ का सामूहिक संकल्प है। प्रार्थना की भावना संकल्प की शक्ति है, और यह मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम व समर्पण का प्रतीक है।

लंदन के स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया गीत

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि ऑडियो जारी होने के साथ ही यह प्रार्थना ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि प्रार्थना एक भावना है जो स्वयंसेवकों को मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण के सामूहिक संकल्प में मदद करती है। यह गीत लंदन के एक स्टूडियो में रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा के साथ रिकॉर्ड किया गया था, जिसमें सभी संगीतकार विदेशी थे। देश के जाने माने गायक महादेवन ने इस संगीतमय प्रस्तुति में अपनी आवाज दी है, जबकि मराठी में खेडेकर ने गीत गाया और हिंदी में भिमानी ने वर्णन किया। गीत में आठ अलग-अलग भाषाओं में स्वर दिए गए, जो देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

जमीनी जुड़ाव पर ध्यान करें केंद्रित : शाह

● गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं को दिया संगठन की मजबूती और चुनावी जीत का मंत्र

● शाह ने सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और संगठन पदाधिकारियों से किया सीधा संवाद

समस्तीपुर, एजेंसी

बिहार के समस्तीपुर जिले के सरायरंजन स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आयोजित एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय कार्यकर्ता बैठक कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मिथिलांचल सहित अन्य क्षेत्रों से आये भाजपा सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिये जीत का रणनीतिक मंत्र दिया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमिम शाह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही किसी भी चुनावी सफलता की कुंजी है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से नीतियों, जनसंपर्क और जमीनी जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। कार्यक्रम के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री राज भूषण चौधरी ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के समस्तीपुर आगमन से मिथिलांचल के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और जोश का संचार हुआ है। यह दौरा पार्टी संगठन के लिये बेहद प्रेरणादायक और दिशा देने वाला रहा। इस संवाद कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल समेत पार्टी के कई अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

विस चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में शाह ने भरा जोश

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को उत्तर बिहार में भाजपा कार्यकर्ताओं को लगातार दूसरे दिन जोश भरा। एक भाजपा नेता ने यह जानकारी दी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के अनुसार दो दिवसीय बिहार प्रवास के समापन से पूर्व शाह समस्तीपुर और अररिया जिलों के दौरे पर हैं। जायसवाल ने कहा कि शुक्रवार को शाह ने पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में बैठक की थी, उसके बाद प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और चुनाव अभियान समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की थी। उन्होंने हमें आगामी चुनाव में राजग की विजय का मंत्र दिया। उन्होंने बताया कि बेतिया में करीब दस जिलों से आये कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। जायसवाल ने कहा कि आज उनकी बैठकें समस्तीपुर के सरायरंजन और अररिया के फोर्ब्सगंज में हैं। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पार्टी के मुख्य रणनीतिकार माने जाने वाले शाह पखवाड़े भर में दूसरी बार बिहार के दौरे पर आए हैं। इससे पहले वह 18-19 सितंबर को यहां आये थे, जब उन्होंने रोहतास और बेगूसराय जिलों में पार्टी सम्मेलनों को संबोधित किया था। उस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की थी कि वे 'हर घर जाकर' यह संदेश दें कि यदि 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आया तो 'बिहार घुसपैठियों से भर जाएगा'। शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की थी कि वे कांग्रेस के 'वोट चोरी' वाले नैरेटिव को बेनकाब करें।

यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

1. रेलवे ट्रैक, स्टेशन एवं समपारों फाटकों के आस-पास भीड़ एकत्रित न करें, यह खतरनाक हो सकता है।
2. रेलगाड़ी के डिब्बों में स्टोव जलाना, आतिशबाजी का सामान, बारूद से बनी वस्तुएं, गैस सिलिण्डर, तेजाब, फिल्म, मिट्टी का तेल एवं पेट्रोल जैसे अन्य ज्वलनशील वस्तुओं को साथ लेकर यात्रा न करें। यह भारतीय रेल अधिनियम 1989 के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।
3. यात्री यदि इस प्रकार के ज्वलनशील एवं खतरनाक विस्फोटक वस्तुओं को गाड़ी एवं स्टेशन परिसर में देखें तो तुरन्त इसकी सूचना गार्ड/टीटीई, स्टेशन मास्टर या रेलवे पुलिस को दें।
4. स्टेशन पर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए पैदल उपरिगामी पुल का प्रयोग करें।
5. गाड़ी के छत एवं पावदान पर यात्रा न करें, यह जानलेवा एवं दण्डनीय है।
6. स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छता बनाए रखें।

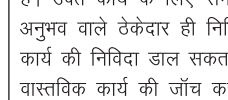

पूर्वोत्तर रेलवे

मुजाधि/संरक्षा-06 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

nerailwaygkp nerailwaygkp nerailwaygkp
@n.e.railwaygkp www.ner.indianrailways.gov.in

गुरुग्राम में डिवाइडर से टकराई थार पांच लोगों की मौत और एक गंभीर

गुरुग्राम, एजेंसी

● सभी यात्री काम से आए थे गुरुग्राम, थार अलीगढ़ में पंजीकृत, मृतकों में एक छात्रा बताई जा रही है न्यायाधीश की बेटी

गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के एक थार कार के डिवाइडर से टकरा जाने के कारण पांच व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, प्रतिष्ठा (25), लावन्या (26), आदित्य (30), गौतम (31) और एक अन्य महिला सोनी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि कपिल शर्मा (27) गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार हादसा दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे निकास संख्या नौ पर हुआ जब तेज रफ्तार थार में सवार चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे डिवाइडर से टकरा गया। सूचना मिलने पर सेक्टर 40 से पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और सभी छह लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने पांच को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक का इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक महिलाएं, प्रतिष्ठा और लावन्या कानून पाठ्यक्रम की छात्रा थीं, जबकि आदित्य, गौतम और कपिल विज्ञापन व्यवसाय से जुड़े थे। सभी छह यात्री उत्तर प्रदेश से गुरुग्राम किसी काम से आए थे।

उन्होंने बताया कि थार अलीगढ़ प्राधिकरण में पंजीकृत है। बताया जा रहा है कि एक मृतक छात्रा न्यायाधीश की बेटी थी। हालांकि, पुलिस ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। गुरुग्राम पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है और जांच जारी है।

निलंबित आईएएस चौबे पर तीसरी प्राथमिकी

रांची। झारखंड के हजारीबाग वन भूमि घोटाले में फंसे निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने उन्हें इस मामले में गिरफ्तार करने की तैयारी शुरू कर दी है। 25 सितंबर को मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग से अनुमति के बाद हजारीबाग में विनय चौबे के खिलाफ तीसरी प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में चौबे के साथ नेक्सजेन ऑटोमोबाइल के संचालक विनय सिंह को भी आरोपी बनाया गया है। गुरुवार को एसीबी ने विनय सिंह को गिरफ्तार किया है।

हजारीबाग वन भूमि घोटाला

मुंबई-अहमदाबाद खंड 2029 तक खुल जाएगा: वैष्णव

सूरत, एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का गुजरात के सूरत से बिलिमोरा के बीच तक का 50 किमी लंबा हिस्सा 2027 में खुलेगा और 2029 तक मुंबई से अहमदाबाद के बीच पूरे खंड पर परिचालन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि परिचालन शुरू होने के बाद बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच की दूरी मात्र दो घंटे सात मिनट में तय कर लेगी।

उन्होंने कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना बहुत अच्छी तरह से प्रगति कर रही है। वैष्णव ने निर्माणाधीन सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और पटरी बिछाने के कार्यों व इसके पहले टर्नआउट इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की समग्र प्रगति बहुत अच्छी है। सूरत और बिलिमोरा के बीच परियोजना का पहला 50 किलोमीटर का खंड 2027 तक खुल जाएगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड-शारदानगर, लखीमपुर-खीरी।

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना-04/अ0अ0/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से निविदा, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से दिनांकः 08.10.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है, जो दिनाँकः 08.10.2025 को पूर्वान्ह 11.30 बजे नामित समिति के समक्ष ऑन लाईन खोली जायेगी। उक्त निविदा दिनांकः 30.09.2025 को 10.00 बजे से दिनांकः 08.10.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे तक डाउनलोड़/अपलोड की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने की अथवा अवकाश होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी। पूर्ण निविदा नोटिस, बिड एवं शर्तो की जानकारी http://upgov.up.nic.in पर भी उपलब्ध है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	लॉट संख्या	कार्य की मात्रा	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद लखीमपुर-खीरी में झण्डी राजवहा के किमी0 0.000 से किमी0 18.400 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	01	As per Bill of Quantity	0.19	15 दिवस	250.00 (निविदा शुल्क) +30.00 (जी0एस0टी0) = कुल रू0 280.00	बी या उच्च
2	जनपद लखीमपुर-खीरी में गौरिया माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 7.200 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	01	As per Bill of Quantity	0.05	10 दिवस	250.00 (निविदा शुल्क) +30.00 (जी0एस0टी0) = कुल रू0 280.00	सी या उच्च

1. निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
2. समस्त विभागीय नियम व शर्ते सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की वेबसाइट idup.gov.in पर उपलब्ध है।

UP – 238245 दिनांक: 26/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(करन पाल)
अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड शारदानगर
लखीमपुर-खीरी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक 5387/352सी/ई-टेण्डर/सी0खी0 वृत्त/2025-26 दिनांक 20.09.2025

ई-प्रक्योरमेण्ट सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर द्वारा उक्त कार्य की प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्य के लिए समान स्तर के कार्य को कम से कम तीन बार आयोजित कराने का अनुभव वाले ठेकेदार ही निविदा डालने हेतु योग्य होगें। निविदादाता किसी एक अथवा समस्त कार्य की निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है, कि निविदा डालने से पूर्व वास्तविक कार्य की जॉच कर लें एवं टी-2 तथा निविदा की शर्तो का भी भली-भॉति अध्ययन कर लें।

क्र0 सं0	जनपद/खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	पात्रता हेतु अनुभव
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लखीमपुर खीरी/प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लखीमपुर खीरी	जनपद लखीमपुर खीरी में लोक निर्माण विभाग के कार्यक्रमों हेतु अति विशिष्ट महानुभावों के सम्भावित आगमन/कार्यक्रमों के निष्पादन हेतु टेण्टेज आदि का कार्य	100.00	7.00	2715.00	12 माह	निविदादाता कम से कम तीन बार समान प्रकार के कार्य को आयोजित करने का अनुभव रखता हो।

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 29.09.2025 से 06.10.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 06.10.2025 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 06.10.2025 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP – 238216 दिनांक: 26/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
लखीमपुर खीरी।

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0
सीतापुर।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स 193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राम निवास लोधी आदर्श विद्या मन्दिर समिति, पता:- ग्राम खासपुर गौटिया पो. लाही फरीदपुर तह. व जिला बदायूं का पता परिवर्तन कर संस्था का नया पता:- ग्राम तिलियाखाता पो. छतुईया तह. व जिला बदायूं करने हेतु प्रपत्र प्रस्तुत किये गये हैं। प्रबन्धकारिणी समिति की सूची में निम्न पदाधिकारी/सदस्य अंकित है:-

क्र.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1	श्री राम निवासी पुत्र श्री रामस्वरूप	अध्यक्ष
2	श्रीमती रामा देवी पत्नी श्री राम निवास	उपाध्यक्ष
3	श्री हरवेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामनिवास	प्रबन्धक
4	श्रीमती देववती पत्नी श्री हरवेन्द्र	उपप्रबन्धक
5	श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामनिवास	कोषाध्यक्ष
6	श्री श्याम लाल पुत्र श्री मनीराम	सदस्य
7	श्री वीकल पुत्र श्री रामलाल	सदस्य

उपरोक्त संस्था का पता परिवर्तन पंजीकृत किये जाने में यदि किसी सम्मानित पदाधिकारी/सदस्य को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर फोटोयुक्त नोटरीशपथ पत्र के माध्यम से आपत्ति पत्र अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। यदि उक्त निर्धारित अवधि में किसी को कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तदोपरान्त आपत्ति के अभाव में एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी भू.पू./वर्तमान पदाधिकारी/सदस्यों की होगी। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. एक्ट 1860 की धारा-4 क के अन्तर्गत जारी जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार
बरेली

कार्यालय उप जिलाधिकारी, फरीदपुर, बरेली

पत्रांक /मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025-26 दिनांक सितम्बर 2025

प्रेस-विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या-01/2019/33/एक-2-2019-19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या- 97/सत्रह-म-2024-17-1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील फरीदपुर (बरेली) में वहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के तीन खण्डों की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025-26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत है:-

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	फरीदपुर	04.10.2025, 09.10.2025, 16.10.2025

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित मत्स्याखेट खण्डों का विवरण निम्नवत् है:-

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025-26 हेतु प्रस्तावित नवीन न्यूनतम आरक्षित मूल्य धनराशि (रू0 में)
1	तहसील - फरीदपुर नदी - रामगंगा	रामगंगा खण्ड-1 (ग्रा0 रायपुर हंस से तुमडिया तक)	05	31250
		रामगंगा खण्ड-3 (ग्रा0 वेहरा से नवदिया कल्यानपुर तक)	05	31250
		रामगंगा खण्ड-4 (ग्रा0 खनी नवादा से मानपुर त्रिलोक तक)	05	31250

पट्टा/नीलामी की शर्तें-

1- मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या -01/2019/33/एक-2-2019-19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2- प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3- उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4- नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख-रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5- पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6- सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7- पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन-देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8- पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

UP – 238354 दिनांक: 26/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील फरीदपुर, बरेली

भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले देशों में शामिल

● केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा- पहले भारत सेवा प्रदाता था, अब एक उत्पादक हैं

गुवाहाटी, एजेंसी

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी स्टैक शुरू होने पर कहा कि भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की छवि एक सेवा प्रदाता और उपभोक्ता राष्ट्र से बदलकर उत्पादन, नवाचार, उद्यमिता और निर्यात के केन्द्र के रूप में बदल गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा से देश में स्वदेशी 4जी स्टैक की शुरुआत करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि पहले भारत सेवा प्रदाता था, लेकिन अब हम उत्पादक राष्ट्र हैं। पहले हमें उपभोक्ता के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज हम नवाचार, उद्यमिता और निर्यात केंद्र हैं। भारत के लिए नवाचार, मानवता के लिए नवाचार के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर देश आज डेनमार्क, स्वीडन, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की प्रतिष्ठित श्रेणी में शामिल हो गया है, जो दूरसंचार उपकरण बनाते हैं।

बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी स्टैक के शुभारंभ पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन।

एलओसी पार लांचिंग पैड पर आंतकी : बीएसएफ

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर में घुसपैठ के फिराक में आतंकवादी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार लांचिंग पैड पर मौजूद हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा कि कुपवाड़ा, बांदीपोरा व बारामूला जिलों में उनके जिम्मेदारी वाले क्षेत्र (एओआर) के सामने स्थित लांचिंग पैड पर आतंकियों की मौजूदगी का पता चलता है।

यादव ने कहा कि आतंकवादी सीमा में घुसपैठ की फिराक में हैं, आतंकी खराब मौसम में सीमा पार करने की कोशिश करते हैं और ये कोशिशें जारी रहती हैं। पर सेना तैयार हैं और सुरक्षा कड़ी की गई है। बीएसएफ सेना के साथ समन्वय कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात है, जिससे घुसपैठ कठिनहै। इस साल घुसपैठ की दो कोशिशें सुरक्षा बलों ने नाकाम की हैं। हम जो नये निगरानी उपकरण और कार्यप्रणाली अपना रहे हैं, उसके रहते घुसपैठ करना आसान नहीं होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.स.1:-ई-प्रापण निविदा संख्याः उपमु0ई0-नि0-सीपीआर-05-2025, दिनांक 24.09.2025, **कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में नई पनियाहवा-छितौनी बड़ी लाइन के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 28 बी {रेलवे भाग (स्टील गर्डर को छोड़कर) + राज्य भाग में पहुँच मार्ग} पर सड़क पुल के शेष कार्य को पूरा करने हेतु। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 34,51,17,468.03, बयाना राशि(रू): ₹ 18,75,600.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य(रू): शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 15(पन्द्रह) माह।

बिडिगं प्रारम्भ करने की तिथि-03.10.2025, उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि-दिनांक 17.10.2025, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि-दिनांक 17.10.2025, 15.00 बजे के उपरांत, निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इन्जी/नि0/।/वाराणसी
मो0न0 9794844290

उप मुख्य इन्जी/नि0/।/
मुजाधि/डब्लू-275 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

बंगाल में निवेश धोखाधड़ी में 155 करोड़ से अधिक की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

● 1600 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी में ईडी ने की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने 155 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 212 अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। यह कार्रवाई एलएफएस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड, उसकी संबंधित कंपनियों और सैयद जियाजुर रहमान सहित व्यक्तियों के खिलाफ चल रही जांच का हिस्सा है।

कुर्क की गई संपत्तियों में पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के कई जिलों में स्थित जमीन के टुकड़े, अपार्टमेंट, होटल, रिसॉर्ट और फैक्ट्री प्लॉट शामिल हैं। ये संपत्तियां निवेशकों से 1600 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी से अर्जित की गईं, जिन्हें आरोपियों द्वारा नियंत्रित संस्थाओं से उच्च रिटर्न के झूठे वादों से गुमराह किया गया था। ईडी ने पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत एलएफएस ब्रोकिंग, सैयद जियाजुर रहमान और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर जांच शुरू की। उनके खिलाफ गुजरात, ओडिशा और महाराष्ट्र में भी अतिरिक्त प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। ईडी के अनुसार, मास्टरमाइंड सैयद जियाजुर रहमान, दिलीप मैती, अनारुल इस्लाम सेबी पंजीकरण प्रमाणपत्रों में हेराफेरी कर अवैध निवेश योजनाएं चलाते थे।

अमृत विचार

रविवार, 28 सितंबर 2025

प्रेम प्रेम सब कोउ कहत,
प्रेम न जानत कोइ।
जो जन जानै प्रेम तौ,
परै जगत क्यौं रोइ॥

रसखान जी कहते हैं, सभी प्रेम-प्रेम कहते तो हैं, पर प्रेम के अर्थ को कोई नहीं समझता। अगर कोई व्यक्ति प्रेम का सच्चा अर्थ जान ले, तो उसे यह दुनिया और इसके सारे दुख क्यों ही परेशान करेंगे।

जातिविहीन समाज ही भारत का आदर्श स्वप्न है

> जाति का उद्भव पूर्वजों के अचेत कर्म का परिणाम है। सामाजिक परिवर्तन की निरंतरता में जन्मना जातियां बनीं, लेकिन हमारे सचेत पूर्वजों ने जाति समाप्ति के लिए अथक श्रम तप भी किए। इस श्रम के बावजूद कतिपय लोगों ने दलित जातियों को जब-तब भिन्न नस्ल भी बताया। डरबन में 2001 में 'नस्लवाद, नस्ली भेदभाव और असहिष्णुता' पर विश्व कांग्रेस का आयोजन था। भारत के कुछेक लोगों ने उस वक्त दलितों को अलग नस्ल बताया था, लेकिन डॉ. अम्बेडकर ने दलितों को कभी भी अलग नस्ल नहीं माना था।

भारतीय समाज में जाति है। जाति आधारित मान, अपमान और विशेष अवसर भी हैं। हमारे पूर्वज जातिगत भेदभाव को समाप्त करना चाहते थे। गांधी, डॉ. अम्बेडकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. लोहिया, ज्योतिबा फुले और विवेकानंद, दयानंद ने भी जाति भेद के विरोध में नवजागरण किया। एक सुंदर जातिविहीन समाज भारत का स्वप्न आदर्श था। डॉक्टर लोहिया ने जाति तोड़ो का नारा दिया था। अन्य दल संगठन भी जातियों के विरोध में मैदान में रहे। अनेक संगठन जाति के खात्मे पर संघर्षरत रहे हैं, लेकिन कोई मुहिम सफल नहीं हुई। जाति कितनी खत्म हुई, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जातिवाद से लड़ते जाति तत्वों का स्वरूप जातिवादी बनता गया। जाति के विरोधी ईमानदार तत्व भी जानते हैं कि जाति की चर्चा से जातिवाद बढ़ता है। तो क्या जाति अजर और अमर है!

उत्तर प्रदेश सरकार ने नाम के साथ जाति लिखने का नियम बदल दिया है। यह निर्णय इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार जारी किया गया है। कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिए थे कि पुलिस रिकार्ड व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों के नाम के साथ जाति के उल्लेख पर रोक लगाई जाए। देश के सभी राज्यों में जातिवाद चल रहा है। जाति जन्मना है। धर्म, मत, मजहब छोड़े जा सकते हैं, लेकिन जाति नहीं। राजनीति में जाति ही मुख्य कारक है। दल संगठन अपने उम्मीदवार उतारते समय जाति के आंकड़ों का अध्ययन करते हैं। संगठन के पदाधिकारियों की सूची बनाते समय भी जाति का प्रभाव रहता है। गांव, कस्बों के बाजारों में, चाय आदि की दुकानों में भी जाति तत्व दिखता है। लोग अपनी जाति के दुकानदार से उपभोक्ता सामान लेने में सुविधा अनुभव करते हैं। समाज की नस-नस में जातिवाद है।

भारत में जातियां सामाजिक यथार्थ हैं। वे न होतीं तो अच्छा होता। जातियां सामाजिक एकता में बाधक हैं। जाति सामाजिक सच्चाई है। जातियां जन्मना हैं। कोई भी व्यक्ति स्वयं अपनी जाति नहीं चुन सकता। इनका ढांचा सोपान क्रम में है। इसके शीर्ष वाली जातियों का सम्मान रहा है। सीढ़ी में निचली जातियां काफी लंबे समय से सामाजिक सम्मान से भी वंचित रही हैं। डॉ. अंबेडकर ने कोलंबिया विश्वविद्यालय (1916) में 'जातियों की उत्पत्ति और संरचना' पर शोध प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, "प्रत्येक समाज में भिन्न-भिन्न वर्ग होते हैं। बौद्धिक आर्थिक या अन्य कारणों से बने वर्ग अपना अस्तित्व भी रखते हैं। भारत में भी ऐसे ही वर्ग रहे होंगे। पुरानी भारतीय वर्ण व्यवस्था को कर्मश्रम आधारित वर्ग कहा जा सकता है। पहले वर्ण जन्मना नहीं थे। ऋग्वेद में वर्ण नहीं हैं। उत्तरवैदिक काल में वर्ण शब्द का प्रयोग वर्ग के अर्थ में हुआ है। एक वर्ग का दूसरे वर्ग में जाना संभव था। वर्ग भी जन्मना नहीं होते।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

डॉ. अम्बेडकर ने कहा, "किसी समय किसी एक वर्ग वर्ण ने अपने ही वर्ण वर्ग में विवाह करने का बंधन लगाया होगा।" वे कहते हैं, "जाति के उद्भव के अध्ययन से हमें इस प्रश्न का उत्तर मिलना चाहिए कि वह वर्ग कौन सा था, जिसने अपने लिए बाड़ा खड़ा किया। मैं इसका प्रत्यक्ष नहीं अप्रत्यक्ष उत्तर ही दे सकता हूं। हिंदू समाज में कुछ प्रथाएं सर्वव्यापी थीं। अपने समस्त प्रतिबंधों के साथ वे ब्राह्मणों में थीं। ब्राह्मण वर्ग ने स्वयं की घेराबंदी जाति रूप में क्यों की? यह एक भिन्न प्रश्न है?"

प्रश्न उचित है। ऋग्वेद के रचनाकाल में जाति वर्ण के विभाजन नहीं थे। उत्तर वैदिक काल में वर्ण हैं। वर्ण जन्मना नहीं थे, इसलिए जाति नहीं थी। जाति की जन्म तिथि खोजना असंभव है। जाति बंधन मजबूत है। जाति का कोई व्यक्ति या संगठन जाति का जन्मदाता नहीं हो सकता। ब्राह्मणों पर जाति प्रथा लागू करने के आरोप अक्सर लगाए जाते हैं। डॉ. अंबेडकर ने इसी शोध में कहा था, "जाति व्यवस्था का प्रसार और विकास एक विशाल कार्य था। ब्राह्मण अनेक गल्तियां करने के दोषी रहे हों, कह सकता हूं कि वे ऐसे थे, लेकिन जाति व्यवस्था को गैर ब्राह्मणों पर लाद सकने की क्षमता उनमें नहीं थी।" सही बात है। कोई शक्तिशाली राज व्यवस्था या तानाशाह भी अपने शासित लोगों के बड़े वर्ग समूह को जन्मना किसी जाति में ही रहने को विवश नहीं कर सकते।

जाति का उद्भव पूर्वजों के अचेत कर्म का परिणाम है। सामाजिक परिवर्तन की निरंतरता में जन्मना जातियां बनीं। हमारे सचेत पूर्वजों ने जाति समाप्ति के लिए अथक श्रम तप भी किए। इस श्रम के बावजूद कतिपय लोगों ने दलित जातियों को जब-तब भिन्न नस्ल भी बताया। डरबन में 2001 में 'नस्लवाद, नस्ली भेदभाव और असहिष्णुता' पर विश्व कांग्रेस का आयोजन था। भारत के कुछेक लोगों ने उस वक्त दलितों को अलग नस्ल बताया, लेकिन डॉ. अंबेडकर ने दलितों को कभी भी अलग नस्ल नहीं माना। उन्हें उम्मीद थी कि जातियां खत्म ही होंगी। लिखा था, "जाति का चलते रहना असंभव है। ऐसा कार्य दिक्कतों से भरा है।" सामाजिक समता अनिवार्य है। सामाजिक न्याय की दिशा में बेशक भारत का काम आगे बढ़ा है। जाति की अस्मिता ज्यादा दिन नहीं चल सकती है।राजनीति को सामाजिक परिवर्तन का काम भी करना चाहिए। जाति की विभाजनकारी शक्ति के विरूद्ध जन अभियान चाहिए। संविधान निर्माताओं ने जाति, लिंग या धर्म के आधार पर विभेद का निषेध किया है, बावजूद इसके उत्पीड़न या प्रतिष्ठा जैसे सभी अवसरों पर जाति की पहचान आगे चलती है। अपने जिले या राज्य क्षेत्र में किसी के भी प्रतिष्ठित होते ही जाति के प्रश्न उठ जाते हैं। अनुसूचित या अन्य पिछड़े वर्गो के प्रतिष्ठित होने वाले लोग आशावाद भी जगाते हैं। वे वंचित निराश लोगों की प्रेरणा भी बनते हैं। दलित या अन्य पिछड़ा वर्ग होने के बावजूद कोई प्रतिष्ठा का आकाश छू रहा है, तो उसी वर्ग के सामान्यजन भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते?

भारत को जाति व्यवस्था का मलबा नहीं ढोना चाहिए। मैं अनुसूचित जाति के एक परिवार में मेहमान था। बात 1984 की है। 41 वर्ष पुरानी। मेरा परिचय अनुसूचित जाति के एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से कराया गया, "ये दीक्षित जी हैं, लेकिन ब्राह्मण होने के बावजूद अच्छे आदमी हैं।" जातिवादी दिमाग में ऐसी ही खुराफाती बातें चलती हैं। जाति का कोई औचित्य नहीं है। भारत को जातिभेदविहीन समाज बनाना होगा। 'सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय' भारतीय संविधान की उद्देशिका के मूल तत्व है। राजनीतिक न्याय ने मताधिकार दिया है। सरकारें विधायिका के प्रति जवाबदेह हैं। प्रशासन उत्तरदायी नहीं है। वंचित वर्गो के लिए बहुत सारा नीति निर्माण हुआ है, तो भी प्रशासनिक संवेदनहीनता के चलते सामाजिक न्याय दूर है।

दार्शनिक क्षेत्र में भारत विश्वप्रतिष्ठ है। यहां कण-कण में परमात्मा की बातें कही जाती हैं, लेकिन जन-जन में जाति है और जाति भेद भी है। जाति की चर्चा से बचा नहीं जा सकता। सामाजिक यथार्थ को स्वीकार करना चाहिए। एकात्मवादी विचार आदर्श है। इस विचार के लिए विमर्श भी जरूरी है। परंपरा के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जाति मुक्त चिंता के साथ आर्थिक आधार पर समूहों का व्यथा चिंतन होना चाहिए। जाति अतिक्रमण का यही मार्ग है। यह काम सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों और धर्म गुरुओं को भी करना चाहिए।

रक्तपात के पक्षधर नहीं थे शहीदे आजम भगत सिंह

युवाओं के क्रांतिनायक भगत सिंह के जीवन की अनेक ऐसी बातें हैं, जो देश के युवाओं को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा से भर देती है। 23 वर्ष की उम्र में ही शहीदे आजम भगत सिंह ने अपने लेखन और राष्ट्रभक्ति के बरअक्स एक ऐसा आंदोलन खड़ा कर दिया, जिससे दशकों तक भारत की युवा पीढ़ी प्रेरणा लेती रहेगी। यह त्रासदी है कि आजादी के चार दशक बाद तक भगत सिंह के विचार और उनसे जुड़े दस्तावेज देश के आमजन तक नहीं पहुंच पाए और देश की युवा पीढ़ी उनके आंदोलित और राष्ट्रवादी विचारों से अपरिचित रही। भगत सिंह के विचारों और क्रांतिकारिता को समझने के लिए जेल के दिनों में उनके लिखे खतों और लेखों को पढ़ना-समझना आवश्यक है। उन खतों और लेखों के माध्यम से समझा जा सकता है कि भगत सिंह रक्तपात के कतई पक्षधर नहीं थे।

अरविंद जयतिलक
लेखक

वे और उनके साथियों ने पुलिस सुपरिटेंडेंट स्कॉट को निशाना तब बनाया, जब 1928 में साइमन कमीशन के बहिष्कार के लिए भयानक प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शन में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों पर ब्रिटिश हुकुमत ने लाठियां बरसाईं, जिसमें लाला लाजपत राय बुरी तरह घायल हुए और अंततः मृत्यु को प्राप्त हुए। भगत सिंह कतई नहीं चाहते थे कि ब्रिटिश संसद से मजदूर विरोधी नीतियां पारित हों। उनकी सोच थी कि अंग्रेजों को पता चलना चाहिए कि हिंदुस्तानी जाग चुके हैं और वे अधिक दिनों तक गुलामी में नहीं रह सकते।

> आजादी के चार दशक बाद तक भगत सिंह के विचार और उनसे जुड़े दस्तावेज देश के आमजन तक नहीं पहुंच पाए। भगत सिंह के विचारों और क्रांतिकारिता को समझने के लिए उनके लिखे खतों और लेखों को पढ़ना-समझना आवश्यक है। उनके माध्यम से समझा जा सकता है कि भगत सिंह रक्तपात के पक्षधर नहीं थे।

उन्होंने अपने विचारों से अंग्रेजों को यह बात समझानी चाही, लेकिन अंग्रेज समझने को तैयार नहीं थे। तब उन्होंने अपनी बात उन तक पहुंचाने के लिए आठ अप्रैल, 1929 को अपने साथी क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त से मिलकर ब्रिटिश सरकार की केंद्रीय असेंबली में बम फेंका। उन्होंने यह बम खाली स्थान पर फेंका, ताकि किसी को नुकसान न पहुंचे। बम फेंकने के बाद उन्होंने इंकलाब-जिंदाबाद के नारे लगाए और पर्चे फेंके। बम फेंकने का मकसद खून-खराबा करना नहीं था।

उन्होंने कहा भी, "यदि बहरों को सुनना है तो आवाज को बहुत जोरदार होना होगा, जब हमने बम गिराया तो हमारा ध्येय किसी को मारना नहीं था, हमने अंग्रेजी हुकुमत पर बम गिराया था, अंग्रेजों को भारत छोड़ना चाहिए और उसे आजाद करना चाहिए।" उल्लेखनीय तथ्य यह कि बम गिराने के बाद वे चाहते तो भाग सकते थे, लेकिन उन्होंने भागना स्वीकार नहीं किया, बल्कि बहादुरी से गिरफ्तारी दी। सच कहें तो भगत सिंह ने यह साहस दिखाकर अंग्रेजों को समझा दिया कि एक हिंदुस्तानी क्या-क्या कर सकता है। उनका यह साहस दर्शाता है कि वे शांति के पैरोकार थे और हिंसा में उनका विश्वास रंचमात्र भी नहीं था। उन्होंने अपनी क्रांतिकारिता को रेखांकित करते हुए कहा भी है, "जरूरी नहीं था कि क्रांति में अभिशप्त संघर्ष शामिल हो, यह बम और पिस्तौल का पंथ नहीं था।"

राजस्थान का गांव बदल रहा तस्वीर

राजस्थान का बीकानेर जिला अपने शुष्क और रेगिस्तानी भूभाग के लिए जाना जाता है। यहां की कठिन जलवायु, कम बारिश और घटते भूजल स्तर के बीच जीवन को संभालना आसान नहीं है। लूणकरणसर ब्लॉक का नाथवाना गांव इन सब चुनौतियों के बीच एक अनोखी पहचान बना रहा है। यह गांव पर्यावरण संरक्षण और पेड़-पौधों को संवारने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। यहां के लोग मानते हैं कि उनका जीवन और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य पेड़ों से ही जुड़ा है। यही कारण है कि वे अपने आस-पास पौधे लगाते हैं और उन्हें बच्चों की तरह संवारते हैं।

नाथवाना गांव की गलियों और खेतों में खेजड़ी, नीम, शीशम और बबूल जैसे पेड़ नजर आते हैं। खेतों की मेड़ों पर लगाए गए ये पेड़ न केवल मिट्टी को बांधकर रखते हैं, बल्कि खेतों में नमी बनाए रखने का काम भी करते हैं। गांव के लोग जानते हैं कि पेड़-पौधों का होना सिर्फ हरियाली का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन का आधार है। गर्मी के मौसम में जब तापमान 45 डिग्री से ऊपर चला जाता है, तब पेड़ों की छांव ही उन्हें राहत देती है। महिलाएं अक्सर अपने घरों के आंगन में तुलसी और नीम के पौधे लगाती हैं और उनकी देखभाल आस्था और परंपरा से जोड़कर करती हैं।

गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले रेगिस्तान में पौधे लगाना आसान नहीं माना जाता था। पानी की कमी और तेज हवाओं के कारण पौधे लंबे समय तक टिक नहीं पाते थे, लेकिन अब नाथवाना के लोग सामूहिक रूप से काम कर रहे हैं। वे बारिश के मौसम में सामूहिक वृक्षारोपण अभियान चलाते हैं। गांव की महिलाएं मिट्टी और पानी का प्रबंध करती हैं। बच्चे पौधे लगाते हैं और बुजुर्ग उनकी देखरेख का जिम्मा उठाते हैं। यह सामूहिकता इस बात का प्रमाण है कि जब समाज एकजुट होकर काम करता है, तो कठिनाइयों के बावजूद सफलता मिल सकती है।

माया
एक्टिविस्ट

बीकानेर जिले में वन क्षेत्र कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.7 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 21 प्रतिशत है। ऐसे में नाथवाना गांव का वृक्षारोपण अभियान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। पिछले पांच वर्षों में यहां के ग्रामीणों ने पंचायत और व्यक्तिगत स्तर पर मिलकर लगभग तीन हजार पौधे लगाए हैं, जिनमें से 65 प्रतिशत पौधे आज भी जीवित हैं। यह आंकड़ा अपने आप में बहुत मायने रखता है क्योंकि मरुस्थलीय क्षेत्रों में पौधों का जीवित रहना बड़ी चुनौती होती है।

नाथवाना गांव के लोग केवल पेड़ लगाते ही नहीं, बल्कि उनकी रक्षा भी करते हैं। अक्सर देखने को मिलता है कि गांव के बच्चे स्कूल जाते समय रास्ते में लगे पौधों को पानी देते हैं। खेतों से लौटती महिलाएं, पौधों में अपने मटके से दो-चार लोटा पानी जरूर डालती हैं। यहां तक कि शादी-ब्याह और धार्मिक आयोजनों में भी पौधे लगाने की परंपरा बन चुकी है। यह मानवीय पहलू इस गांव की सबसे बड़ी ताकत है, जिसने वृक्षों और इंसानों के बीच एक आत्मीय रिश्ता बना दिया है।

आतंरिक कलह में फंसी भाजपा-राजद

> बिहार विधानसभा चुनाव में उतरी भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आतंरिक कलह से जूझ रही है। इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। लालू यादव के परिवार में तो फूट ही पड़ गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में उतरी भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आतंरिक कलह से जूझ रही है। इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। पार्टी के मुखिया लालू प्रसाद यादव के परिवार में ही फूट पड़ गई है। इस फूट की वजह बने हैं तेजस्वी यादव के राजनीतिक सलाहकार सांसद संजय यादव। सत्ता बचाने के लिए राजग के नेता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, तो महागठबंधन भी नीतीश कुमार को गद्दी से हटाने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहा है, हालांकि इन दलों में आतंरिक कलह की वजह से कार्यकर्ता परेशान नजर आ रहे हैं।

243 सदस्यीय विधानसभा में तेजस्वी यादव की पार्टी राजद ने 144 सीटों पर लड़कर 75 पर जीत दर्ज की थी, जबकि 70 सीटों पर लड़कर कांग्रेस सिर्फ 19 सीटें ही जीत पाई थी। सीपीआई-एमएल ने 12 सीटें जीतीं थीं। कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के कारण राजद सत्ता से दूर रह गया था। कांग्रेस फिर से 70 सीटें चाह रही है, लेकिन तेजस्वी यादव उसे मनाने में लगे हुए हैं। समझा रहे हैं कि सीटों की हिस्सेदारी भले ही कम हो सकती है, लेकिन सरकार बनती है तो मंत्रिमंडल में हिस्सा सम्मानजनक होगा। तेजस्वी यादव अपने कुनबे की रार से कुछ ज्यादा जूझ रहे हैं।

दिग्विजय सिंह
कानपुर

पहले कथित प्रेमिका का नाम सामने आने के बाद न चाहते हुए भी लालू यादव ने तेज प्रताप यादव को घर और पार्टी से बाहर किया। तेज प्रताप ने अब राजद के खिलाफ ही मोर्चा खोल रखा है। दोबारा कभी राजद में न लौटने की कसम खाकर वे अपने उम्मीदवार मैदान में उतारने का एलान कर चुके हैं। इसका नुकसान राजद को हो सकता है। तेजस्वी यादव के सलाहकार संजय यादव की वजह से उनकी बहन रोहिणी आचार्य नाराज हो गईं हैं। पहले रोहिणी ने बाद में उनके समर्थकों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से राजद नेताओं को अनफालो किया। इस रार से भाजपा और उसके सहयोगी जदयू, लोजपा रामविलास के नेता खुश थे, लेकिन अब तो भाजपा व जदयू में ही कलह सबके सामने आ गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह नाराज हैं। राजपूत समाज से आने वाले आरके सिंह दो बार के सांसद रहे हैं। पार्टी में लगातार उपेक्षा के कारण अब उन्हें नए विकल्प की तलाश है। आरा में क्षत्रिय समाज के कार्यक्रम में सीधे कह दिया कि भाजपा नेतृत्व राजपूतों की उपेक्षा कर रहा है। अगर वे पार्टी छोड़ते हैं, तो क्षेत्र में भाजपा को बड़ा नुकसान हो सकता है। राजपूत समाज से आने वाले सांसद राजीव प्रताप रूडी भी खफा नजर आ रहे हैं, हालांकि उन्होंने नेतृत्व के खिलाफ तो कुछ नहीं बोला है, लेकिन उनकी नाराजगी का संकेत पार्टी कार्यकर्ताओं और समाज में झलक रहा है। स्थानीय भाजपा नेतृत्व को विश्वास है कि समय रहते पार्टी की अंतरकलह शीर्ष नेतृत्व खत्म कर लेगा। हाल ही में असितनाथ तिवारी ने भी भाजपा छोड़ दी थी। इसे पार्टी के लिए बड़ा झटका माना गया है। असित कांग्रेस से भाजपा में आए थे।

आपसी रार की शिकार जदयू भी है। पार्टी के दो बार के विधायक मुजाहिद आलम, पूर्व विधायक कौशल यादव, पूर्व एमएलसी सलमान रागीव मुन्ना ने भी राजद की सदस्यता ले ली है। अभी कई और बड़े नेता जदयू छोड़ सकते हैं। चुनाव से पहले आपसी कलह से जूझ रहे इन दलों के प्रमुख नेता हर हाल में चुनाव की रणभेरी बजने से पहले सब कुछ शांत कर लेना चाहते हैं, हालांकि यह उनके लिए इतना आसान भी नहीं है। गठबंधन में शामिल छोटे दलों की ओर से भारी-भरकम सीटों की मांग से भी भाजपा, जदयू, राजद जैसे दलों के मुखिया परेशान हैं।

महागठबंधन में कांग्रेस अधिक से अधिक सीटें झटकने को हर हथकंडे अपना रही है, तो विकासशील इंसान पार्टी के मुखिया मुकेश सहनी भी पूरा जोर लगा रहे हैं। पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाले लोजपा भी एक दर्जन सीटें चाह रही है। अधिक सीटें झटकने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से ही मुकेश सहनी कई बार बिना नाम लिए बिहार की राजनीति में परिवारवाद की मुखालफत कर चुके हैं। उनके बयानों से तेजस्वी यादव ही असहज होते हैं। 'बिहार में बहार है नीतीशे कुमार हैं' का नारा पिछले चुनावों में भाजपा और जदयू ने मिलकर लगाया था, लेकिन इस बार भाजपा का नारा बदल गया है। भाजपा के पोस्टरों में अब की बार एनडीए सरकार का नारा अंकित है, जबकि जदयू 'क्यूं करें विचार ठीक तो हैं नीतीश कुमार' का नारा लगा रही है। अलग- अलग नारों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

पश्चाताप यज्ञ से वाल्मीकि बन गए वंदनीय महापुरुष

सनातन संस्कृति में यज्ञ का बहुत महत्व है, इसीलिए अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के अंत में विधिवत यज्ञ किए जाते है। इसमें मंत्र आदि से अग्नि देवता का आह्वान किया जाता है और विविध सामग्रियों से आहुति दी जाती है। आहुति देते समय अंत में 'स्वाहा' शब्द बोला जाता है। 'स्वाहा' अग्नि देवता की पत्नी का नाम है। इसके अलावा 'स्वाहा' में 'स्व और आहा' शब्द का अर्थ है कि खुद को प्रकाश मिले। 'आहा' अह्नि को कहते हैं। अह्नि का अर्थ दिन से है। यानी दिन अपना हो। यज्ञ के देवता साक्षात विष्णु जी हैं। जब कभी कोई यज्ञ करता है, उसकी लौ दक्षिण दिशा की ओर जाती है तो मान्यता है कि यज्ञनारायण प्रसन्न हैं।

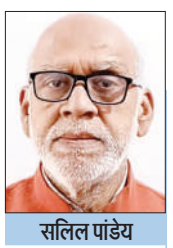

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

एक दूसरा यज्ञ पश्चाताप का यज्ञ होता है। इस यज्ञ में इंसान यदि जीवन में कोई गलती कर चुका है, तो उसे पश्चाताप यज्ञ करना चाहिए। पश्चाताप-यज्ञ में सबसे पहले जिसके साथ गलतियां हुई हैं, झूठ, फरेब, धोखा दिया गया हो, उससे जाकर की गई गलतियों के लिए क्षमा मांगनी चाहिए। झूठ-फरेब से कोई संपत्ति हासिल कर ली गई हो, तो उसे वापस कर देना चाहिए। सार्वजनिक रूप से गलतियों को बताना चाहिए। भविष्य में उन गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए।

मनुष्य जीवन में लोभ-लालच में गलत काम हो जाते हैं, जिस वक्त गलतियों का आभास हो, तत्काल वहीं रुक कर सदाचार के काम में लग जाना चाहिए। कई ऐसे उदाहरण हैं, जिसमें अत्यंत गलत काम में लिप्त महान विभूति बन गए। आदि कवि वाल्मीकि का उदाहरण लें। जब वे डाकू रत्नाकर थे, तो लोगों को मारना-पीटना तथा संपत्ति आदि लूट लिया करते थे, लेकिन नारद ने उनसे पश्चाताप यज्ञ करा दिया और वे वंदनीय महापुरुष बन गए तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को लेकर संस्कृत में रामायण की रचना कर डाली।

अंगुलिमाल भी दुर्दांत स्वभाव का था, लेकिन जब गौतम बुद्ध के संपर्क में आया तो उसके जीवन में अद्भुत बदलाव आ गया। यह सब तो पौराणिक कथाएं है। स्वतंत्रता आंदोलन के प्रणेता महात्मा गांधी का भी उदाहरण है। जीवन में जो गलतियां कीं, उसे अपने पिता को बता दीं तथा भविष्य में उन गलतियों को न दोहराने का कठोर संकल्प लिया।

अध्यात्म से भटककर भीड़ और आक्रोश का औजार बनता धर्म

धर्म जिस पल भावना की गिरफ्त में आ जाता है, वह अपने आध्यात्मिक और नैतिक उद्देश्य से भटककर पहचान, भीड़ और आक्रोश का औजार बन जाता है। इस्लाम की बुनियादी शिक्षा, जहां व्यक्तिगत ईमान, न्याय, करुणा और आत्म निरीक्षण पर टिकी है, वहीं मुस्लिम समाज का बड़ा हिस्सा पैगंबर साहब की मूल शिक्षाओं से अधिक उन व्याख्याओं में कैद है, जिन्हें खलीफाओं, फुकहा और मध्यकालीन धार्मिक सत्ता संरचनाओं ने गढ़ा है। इसमें विचार से अधिक भावना है, प्रश्न से अधिक श्रद्धा है और आत्मावलोकन से अधिक प्रतिक्रिया।

यही भावनात्मक फंदा बार-बार "I Love Muhammad" या "Labbaik Ya Rasool Allah" जैसे अभियानों में दिखाई देता है। सतह पर यह प्रेम और आस्था की अभिव्यक्ति प्रतीत होते हैं, लेकिन इनके पीछे दो खतरनाक प्रवृत्तियां काम करती हैं– सामूहिक भावनात्मक उन्माद और तर्क-विरोधी पहचान की राजनीति।

पैगंबर मोहम्मद साहब ने स्वयं को 'बशर' यानी मनुष्य कहा और कुरान को 'तदब्बुर' यानी विचार करने लायक किताब बताया, लेकिन सदियों से मुस्लिम समाज में कुरान या पैगंबर की जगह, उनकी व्याख्या करने वाले सत्ता-प्रतिष्ठानों को महत्व मिलता रहा। परिणाम यह हुआ कि मुसलमानों का बड़ा हिस्सा इस्लाम के मूल नैतिक-संदेश से नहीं, बल्कि उसकी भावनात्मक रक्षा की मुद्रा में पला-बढ़ा। 'पैगंबर का अपमान', 'कुफ्र', 'तौहीन-ए-रिसालत' जैसे शब्द कानूनी नहीं, सामुदायिक हथियार बना दिए गए।

आई लव मोहम्मद जैसे अभियान क्यों समस्या हैं? ऐसे अभियानों की संरचना तीन स्तरीय होती है- पहचान आधारित भावनात्मक लामबंदी, जहां प्रेम की अभिव्यक्ति व्यक्तिगत होनी चाहिए थी, वहां उसे भीड़ की कसौटी पर खड़ा किया जाता रहा है, जो इन नारों में शामिल नहीं होता, वह अपने समुदाय के भीतर ही संदेह का पात्र बन जाता है। तर्क, आलोचना और संवाद को अपराध घोषित करना, मोहम्मद साहब को जानना, पढ़ना या समझना एक बौद्धिक प्रक्रिया होनी चाहिए, लेकिन ऐसे अभियानों में मोहब्बत का अर्थ अंध-समर्थन और आलोचना का अर्थ युद्ध घोषित कर दिया गया है। यह भावना धीरे-धीरे इस धारणा में बदलती है कि 'दुनिया पैगंबर के खिलाफ है, इसलिए हम सबको एकजुट होना है।'

जब कोई समुदाय खुद को धार्मिक अपमान के खिलाफ स्थायी युद्ध की मुद्रा में रखता है, तो वह वैज्ञानिक चेतना, आधुनिक कानून, लोकतांत्रिक असहमति और सहअस्तित्व के सिद्धांतों के विपरीत खड़ा हो जाता है। भावना के सहारे खड़ी की गई धार्मिक प्रतिष्ठा समाज को नागरिकता से भीड़ की ओर धकेल देती है। परेशानी यह है कि भावनात्मक संस्कृति ने आलोचना की जगह प्रतिशोध को स्थापित कर दिया है।

उपेंद्र चौधरी
वरिष्ठ पत्रकार

पैगंबर से प्रेम उनके नाम पर नारे लगाने से नहीं, उनका अनुसरण करने से सिद्ध होता है। मोहम्मद साहब ने इल्म, इज्तेहाद (स्वतंत्र व्याख्या) और शूरा (संवाद) पर जोर दिया, मगर मौजूदा धार्मिक आग्रह इन्हीं तीनों के विरुद्ध है। "I Love Muhammad" जैसी अपील दरअसल इस बात की स्वीकृति बन जाती है कि आप सोचें नहीं, बस नारे में शामिल हो जाएं।

यदि मोहम्मद साहब से प्रेम विचार, न्याय, बराबरी, ज्ञान, आत्मालोचना और मानवता की रोशनी में नहीं है, तो क्या वह प्रेम है या सांस्कृतिक भय? क्या मोहम्मद साहब को प्रेम करने का अर्थ यह होना चाहिए कि उन्हें पढ़ा न जाए, बस पूजा जाए? 'I Love Muhammad' जैसी मुहिमें यदि भावनात्मक सुरक्षा से अधिक वैचारिक स्वतंत्रता को कुचलती हैं, तो वे मोहम्मद साहब की नहीं, उन्हीं धार्मिक सत्ता संरचनाओं की सेवा करती हैं, जिन्होंने इस्लाम को विचार के बजाय खतरनाक भावना में कैद कर दिया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

छोटे से गांव से निकली 'अनंत' प्रतिभा

'अजेय-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ अ योगी' में अनंत विजय जोशी ने शानदार किरदार निभाया

उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी अनंत विजय जोशी इन दिनों सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी नई फ़िल्म ''अजेय-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ अ योगी'' है, जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाई है। यह फ़िल्म 19 सितम्बर को देशभर में रिलीज़ हो चुकी है और दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया पा रही है।

अल्मोड़ा से मुंबई तक का सफर

- मूल रूप से अल्मोड़ा ज़िले के हवालबाग विकासखंड के स्यूरा गांव से ताल्लुक रखने वाले अनंत का बचपन साधारण रहा लेकिन सपने हमेशा बड़े रहे। उनके पिता गोपाल दत्त जोशी, जो हजरतपुर (फ़िरोज़ाबाद) की ऑर्डिनेंस फ़ैक्ट्री में नौकरी करते थे और उनकी माता मधु जोशी, बेटे की इस सफलता पर गर्व से भर जाते हैं। पिता जोशी बताते हैं कि अनंत का जन्म आगरा में हुआ। अनंत बचपन से ही अपने स्कूल के कार्यक्रमों में छा जाते थे। मंच पर आते ही जैसे कोई और ही किरदार बन जाता था। इंटर तक की पढ़ाई फ़िरोज़ाबाद में पूरी करने के बाद अनंत ने आम्रपाली यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी से स्नातक किया। पढ़ाई के दौरान ही उन्हें अभिनय का अवसर मिला और लाइफ़ ओके चैनल के शो 'ज़िंदगी अभी बाक़ी है मेरे घोस्ट' से उनकी पहचान शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने कभी मुड़कर नहीं देखा।

टीवी और ओटीटी की दुनिया में पहचान

- अनंत ने स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'क्या कसूर है अमला का', सोनी टीवी का चर्चित सीरियल 'पवित्र रिश्ता' और 'तारा फ्रॉम सतारा' जैसे धारावाहिकों में अभिनय किया। वहीं, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म्स पर उन्होंने 'गंदी बात', 'वर्जिन भास्कर', 'पौरुषपुर' जैसी वेब सीरीज़ में अपनी अलग छाप छोड़ी। नेटफ़्लिक्स की फ़िल्म 'कटहल' और सीरीज़ 'कोबाल्ट ब्लू', 'ये काली काली आंखें', 'मामला लीगल है' ने उनके करियर को और मज़बूती दी।

- **लगातार नई ऊंचाइयों की ओर :** अनंत ने बहुचर्चित फिल्म '12वीं फेल' में दमदार रोल निभाया था। उनका किरदार इस फिल्म के मुख्य अभिनेता के दोस्त प्रीतम पांडे के रूप में रहा था। अब 'अजेय' फिल्म के बाद दर्शक अनंत को और नई फ़िल्मों में देखने वाले हैं। 31 अक्टूबर को उनकी अगली फ़िल्म 'वन टू चा चा चा' रिलीज़ होने जा रही है। इसके अलावा वह मशहूर अदाकारा नीना गुप्ता के साथ फ़िल्म 'अमीरी' में नज़र आएंगे। उनकी एक और हिंदी फ़िल्म 'द बर्ड' की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। इस समय अनंत एक नई फ़िल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, लेकिन उनकी नज़रें हमेशा आगे की मंज़िल पर टिकी रहती हैं।
- **परिवार और पहाड़ का गर्व :** हल्द्वानी की हर्ष कॉलोनी, फतेहपुर में रह रहे अनंत का परिवार आज गर्व से भर उठा है। पिता कहते हैं– ''यह हमारे लिए ही नहीं, पूरे पहाड़ के लिए गर्व की बात है कि हमारे बेटे ने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है।'' अनंत की यात्रा इस बात का सबूत है कि छोटे गांव की पगडंडियों से भी बड़े सपनों की उड़ान भरी जा सकती है। आज वह केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

सिनेमैटोग्राफी में कॅरियर संवार मालामाल हो सकता यंगिस्तान

यूं तो पहाड़ के लोगों ने हर फील्ड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अच्छा नाम कमाया, लेकिन एक ऐसी भी दुनिया रही, जिसमें तकनीकी तौर पर उनकी भूमिका शून्य थी। चकाचौंध भरी इस फिल्मी दुनिया में रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में कई नामी चेहरे उभरे, लेकिन संभवतः पहाड़ से पहली बार सिनेमैटोग्राफी को अपना कॅरियर बनाने की ठानने वाले नैनीताल के राजेश साह का नाम आज की तारीख में माया नगरी में स्थापित हो चुका है। राजेश साह बताते हैं कि आज अभिभावक अपने बच्चों को इंजीनियर, डॉक्टर या फिर अफसर बनाना चाहते हैं, लेकिन इस फील्ड की ओर किसी का ज्यादा ध्यान नहीं है।

वे युवाओं से कहते हैं कि अगर आपके भीतर टैलेंट के साथ क्रिएटिविटी है तो इस ओर भी कदम बढ़ाना चाहिए, क्योंकि इस फील्ड में पैसा इतना है कि संभालना मुश्किल हो जाए। घंटों के हिसाब से पेमेंट होता है। बताते हैं कि सिनेमैटोग्राफी एक कला और तकनीक का संगम है, जो किसी फिल्म, धारावाहिक या वीडियो के दृश्यात्मक प्रस्तुतिकरण को दर्शाता है। यह कैमरे के माध्यम से कहानी कहने की प्रक्रिया है, जिसमें प्रकाश, फ्रेमिंग, मूवमेंट, एंगल, रंग और कैमरा सेटिंग्स का समुचित उपयोग किया जाता है। सिनेमैटोग्राफर, जिसे डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी (डीओपी) भी कहा जाता है, निर्देशक के साथ मिलकर यह तय करता है कि हर दृश्य को कैसे शूट किया जाएगा ताकि दर्शकों पर गहरा प्रभाव पड़े। सिनेमैटोग्राफी का उद्देश्य केवल सुंदर चित्र बनाना नहीं, बल्कि भावनाओं और कथानक को प्रभावी रूप से व्यक्त करना भी होता है।

शूटिंग के दौरान सिनेमैटोग्राफर राजेश साह।

फिल्म थ्री इडियट की टीम के साथ राजेश साह (कैमरे के बगल में)।

राजेश बताते हैं कि आधुनिक सिनेमैटोग्राफी में ड्रोन, स्टेडीकैम, क्रेन और डिजिटल कैमरों का प्रयोग बढ़ गया है, जिससे दृश्य और भी जीवंत और गतिशील हो गए हैं। उनके हिसाब से सिनेमैटोग्राफी फिल्म निर्माण की आत्मा है, जो दृश्य माध्यम को कला का रूप देती है और दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। वे युवाओं के लिए कहते हैं कि अगर आपके अंदर कुछ अलग करने का जज्बा और लगन है तो इस फील्ड में भविष्य उज्जवल है।

संघर्ष के बाद मिली सफलता

- राजेश ने नैनीताल के सेंट जोजफ कॉलेज से पढ़ाई कर लखनऊ यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। एफटीआई पुणे से तीन वर्ष का कोर्स कर फिल्म इंडस्ट्री मुंबई पहुंचे तो शुरुआत में काफी संघर्ष करना पड़ा। आखिरकार उन्हें साल 1993 में संजय दत्त की खलनायक फिल्म में अशोक मेहता के साथ काम करने का मौका मिला। यह उनकी पहली फिल्म थी। इसके बाद उन्होंने थ्री इडियट, बरसात, लगे रहो मुन्ना भाई, एक हसीना थी, जानी गद्दार, 1942 ए लव स्टोरी, छू लेंगे आकाश, कभी पास कभी फेल, राजू बन गया जेंटलमैन, इस रात की सुबह नहीं जैसी तमाम सुपरहिट फिल्मों में काम किया।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- सिनेमैटोग्राफर राजेश साह के अनुसार आप भारत में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल (डब्ल्यूडब्ल्यूआई), सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआई) जैसे संस्थानों से सिनेमैटोग्राफी के कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा आफ्ट, एनआईडी जैसे अन्य शीर्ष संस्थान भी हैं।

लेखक : हरीश उप्रेती करन

गरबा सीखने के लिए खूब मेहनत करती हैं आशी

सोनी सब के शो 'उफ्फये लव है मुश्किल' में काम कर रही आशी सिंह का कहना है कि गरबा उन्हें बहुत आकर्षित करता है और वह इसे सीखने के लिए खूब मेहनत करती हैं। सोनी सब के 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में आशी सिंह, कैरी शर्मा का किरदार निभा रही हैं। कैरी एक जीवंत, संवेदनशील और सहज युवती है, जिसकी यात्रा प्यार की जटिलताओं को दर्शाते हुए रोजमर्रा की जिंदगी की मासूमियत और खूबसूरती को सामने लाती है। आशी अपनी बारीक अदाकारी से कैरी के किरदार को जीवंत बना देती हैं, जिससे दर्शक तुरंत उससे जुड़ जाते हैं। नवरात्रि के माहौल में डूबी हुई पूरी देशभर की रौनक के बीच, आशी सिंह ने इस त्योहार के महत्व और अपने अनोखे जुड़ाव के बारे में बात की। उनके लिए नवरात्रि का उत्सव उनकी जड़ों और रंगीन परंपराओं का खूबसूरत संगम है। आशी सिंह ने कहा, 'मैं उत्तर भारत से हूं और वहां नवरात्रि का मतलब हमेशा माता का जागरण, पूजा और सारे रीति-रिवाज होते थे, लेकिन मुझे हमेशा गरबा और डांडिया ने आकर्षित किया। जब मैं मुंबई आई, तो मैंने गरबा सीखने की खूब कोशिश की। आज भी सीख रही हूं, क्योंकि ये साल में सिर्फ नौ दिन आता है, इसलिए आसान नहीं है। मुंबई का नवरात्रि वाला माहौल गजब होता है, जब आप देखते हो कि सब लोग वही रंग पहने होते हैं, जो आप पहने हो, नौ दिनों के लिए नौ रंगों का पालन करते हैं। मुझे ये कॉन्सेप्ट बहुत अच्छा लगता है। आज भी मैं वो पूजा और व्रत करती हूं, जिनके साथ मैं बड़ी हुई हूं। शाम को मैं अपने परिवार के साथ, कभी-कभी दोस्तों के साथ, गरबा ग्राउंड्स जाती हूं - कभी गरबा खेलने, तो कभी सिर्फ दूसरों को आनंद लेते देखने। वहां का माहौल सचमुच बेहद खुशहाल और रंगीन होता है।'

फिल्म समीक्षा

जीवन जीने का सबक देती 'हृदयपूर्वम'

हाल ही में मोहनलाल सर की हृदयपूर्वम फिल्म हिंदी डब में जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। मोहनलाल के साथ, मालविका मोहनन और संगीत प्रताप मुख्य भूमिकाओं में हैं। सत्यन अंतिकाड ने फिल्म का निर्देशन किया है। यह एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म है और फिल्म में अच्छे भावनात्मक दृश्य हैं। ये हमें भावुक कर देते हैं। अकेलेपन की समस्याओं को भी बखूबी दर्शाया गया है। हर किसी को जीवन में दूसरों को प्यार और स्नेह देने का काम करना चाहिए, क्योंकि जीवन एक बार ही मिलता है। फिल्म में कथा इस प्रकार है कि संदीप (मोहनलाल) एक सफल व्यवसायी हैं। वह कोच्चि में एक क्लाउड किचन चलाते हैं। हाल ही में उनकी हृदय शल्य चिकित्सा हुई है और पुणे के एक कर्नल का हृदय उनमें प्रत्यारोपित किया गया है। जेरी (संगीत प्रताप) नाम का एक पुरुष नर्स संदीप की देखभाल के लिए अस्पताल से आता है। एक दिन कर्नल की बेटी हरिता (मालविका) उनसे मिलने पुणे से कोच्चि आती है और उन्हें अपनी सगाई में आमंत्रित करती है। हरिता के सगाई के लिए संदीप पुणे जाते है, तो उनके जीवन में जो कुछ बदलाव आते हैं, वही कहानी का बाकी हिस्सा है। संगीत प्रताप और मोहनलाल के बीच कॉमेडी सीन बहुत अच्छे हैं, दोनों की बॉन्डिंग बहुत अच्छी तरह से दिखाई गई है। संगीत सुनने लायक है, खासकर हिंदी डब गाने बहुत अच्छे से चुने गए हैं, गाने सुनने लायक हैं। मोहनलाल, संगीत प्रताप, कर्नल की पत्नी और मालविका, सभी ने खूबसूरत और अद्भुत काम किया है। यह फिल्म हमें हंसाती है, भावुक करती है, जीवन की समस्याओं को भी प्रस्तुत करती है और जीवन किस प्रकार जीने का सबक भी देती है।

स्वतंत्र स्त्री और सामाजिक न्याय के लिए लड़ती हुई वकील की कहानी- द ट्रायल

अपने जज पति पर यौनाचार के आरोपों और फिर उनके सिद्ध होने पर सजा हो जाने के बाद एक दस वर्ष की विवाहिता अपनी दो बच्चियों के साथ जीवन की फिर से शुरुआत करती है। एक लॉ फर्म में नौकरी से। वह और क्या करती, क्योंकि उसकी योग्यता एक अच्छे वकील की ही थी, विवाह से पहले। यह सीजन-1 की संक्षिप्त कहानी है। द ट्रायल, अमेरिकन कोर्ट ड्रामा सीरीज "द गुड वाइफ" पर आधारित है, जो एक सफल सीरीज थी। हिंदी सीरीज में लीड रोल यानी वाइफ के रोल में हैं, काजोल। हिंदी संस्करण में कहानी में राजनीति, कानून, प्रेम संबंधों, ऑफिस की कारगुजारियां और मानव मन की कुंठाएं, चालाकी, पारिवारिक मजबूरियां, बच्चों पर इन सबके प्रभावों को बड़ी चतुराई से शामिल किया गया है। अमेरिकन सीरीज को देखे हुए इतना अरसा हो गया है कि मैं बड़ी सुविधा से उसे भूला हुआ कह सकता हूं, इसलिए कोई तुलना नहीं कर सकता, लेकिन सीजन -2 में विशेषत: काजोल ने कहानी की कमान अपने हाथ में ली है और अच्छा अभिनय किया है, परंतु कुछ दूसरे कलाकार भी अदाकारी में पीछे नहीं है। जैसे- जज पति (जिस्सू सेनगुप्ता), लॉ फर्म की पार्टनर (शीबा चड्ढा), दूसरा पार्टनर (अली खान), महिला साथी मित्र (कुबरा सईद)। विशेष रोल में असरानी, गौरव पांडे (दोनों वकील) और नेता के रोल में सोनाली कुलकर्णी भी अच्छे लगे हैं। फर्म में पार्टनर्स में मनभेद होने से लेकर काजोल के युवावस्था में मित्र रहे अली खान से मधुर संबंधों और अपने पति के साथ प्रेम, घृणा, समझौता और विद्रोह को काजोल ने अच्छी तरह से दिखाया है। विवाहित जीवन में परस्पर विश्वास के टूटने पर पूरे परिवार पर उसका प्रभाव होता है। भारतीय परिवेश में पत्नियां बहुधा उसे भूलकर आगे बढ़ती हैं, परंतु इस कहानी में यह बहुत ही कॉम्प्लिकेटेड होता जाता है। निर्णयों से आप सहमत हो यह जरूरी नहीं। द ट्रायल सिर्फ एक वकील की कहानी नहीं है, एक पत्नी, मां, स्वतंत्र स्त्री और सामाजिक न्याय के लिए लड़ती हुई वकील की कहानी है। परंतु लॉ फर्म में कानूनी मामलों की खोजबीन, कोर्टरूम ड्रामा और राजनीतिक चालबाजियां भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है और वे सब इसे घटनापूर्ण और गतिमान बनाती है। पटकथा, कैमरा वर्क, पार्श्व संगीत और गति की दृष्टि से सीरीज अच्छी बन पड़ी है, लेकिन सबसे मुख्य है, मुख्य चरित्रों की परफॉर्मेंसेस। इन सबके लिए देखिए, द ट्रायल।

2025 को बेहद खुशनसीब साल रील्स में खो रही प्रतिभा, थियेटर देता असली पहचान मानते हैं अभिनेता आदर्श गौरव

अभिषेक वर्मा

- शहर के युवा लेखक एवं निर्माता नमन मेहरा का इंटरव्यू
- शार्ट फिल्म 'धुंधली यादें' ने झटके 8 अवार्ड

अभिनेता आदर्श गौरव 2025 को अपने लिए बेहद खुशनसीब साल मानते हैं। तेजी से उभरते सितारे आदर्श गौरव, जो अपने अलग-अलग किरदारों और बेखौफ रोल चुनने के लिए जाने जाते हैं, 2025 को अपने करियर का सबसे खास साल बनाने जा रहे हैं। उन्होंने जोया अख्तर और रीमा कागती की सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव से भारतीय दर्शकों का दिल जीता और रिडली स्कॉट की अंतर्राष्ट्रीय साइ-फाई सीरीज एलियनः अर्थ से ग्लोबल पहचान पाई। इसके अलावा आदर्श ने हाल ही में अपनी पहली तेलुगु फिल्म, एक मनोवैज्ञानिक ड्रामा की शूटिंग भी पूरी कर ली है। फिलहाल वह आनंद एल. राय की बहुप्रतीक्षित क्रिएचर ड्रामा तू या मैं की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ शनाया कपूर नजर आएंगी। इस खास साल को लेकर आदर्श ने अपने दिल की बातें साझा की, "2025 मेरे लिए एक अहम मोड़ जैसा है, बतौर अभिनेता और बतौर कहानीकार दोनों रूपों में। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव मेरे लिए बहुत ही व्यक्तिगत और भावनात्मक अनुभव था। रीमा के निर्देशन में और जोया के प्रोडक्शन

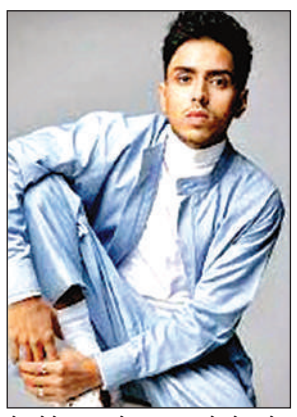

में छोटे शहर के सपनों को सेलिब्रेट करने वाली यह कहानी मुझे फिर याद दिलाती है कि मैंने सिनेमा से पहली बार क्यों प्यार किया था। दूसरी तरफ, एलियनः अर्थ मेरे लिए बिल्कुल अलग अनुभव था - इसका पैमाना, इसका सपना और रिडली स्कॉट जैसे दिग्गज के साथ और एक बेहतरीन इंटरनेशनल कास्ट के साथ काम करने का मौका अविश्वसनीय था। एक ही साल में इतने बड़े प्रोजेक्ट पूरे करना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा है।' आदर्श ने कहा, 'मैंने हाल ही में अपनी पहली तेलुगु फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो मेरी मातृभाषा है। यह मेरे लिए एक नया अनुभव और नए दर्शकों से जुड़ने का एक शानदार मौका रहा। इसके साथ ही अभी मैं आनंद एल. राय की तू या मैं की शूटिंग कर रहा हूं, जो एक और सपना पूरा होने जैसा है। आनंद सर की कहानियां हमेशा दिल और भव्यता का अनोखा मेल होती हैं और एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना जो जॉनर की सीमाओं को तोड़ती है, मेरे लिए बेहद रोमांचक है। मैं उन सभी फिल्ममेकर्स का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और उन दर्शकों का भी, जिन्होंने भारत और विदेश दोनों जगह मुझे लगातार प्यार और हौसला दिया। इतने अलग-अलग जॉनर, भाषाओं और पैमानों पर काम करने का मौका मुझे याद दिलाता है कि जब तक मैं अपने काम के प्रति ईमानदार हूं, संभावनाएं अनंत हैं।' तीन बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ, जो अलग-अलग भाषाओं, जॉनर और इंडस्ट्रीज़ से जुड़े हैं। आदर्श गौरव ने खुद को इस पीढ़ी के सबसे बहुमुखी और होनहार अभिनेताओं में मजबूती से स्थापित कर लिया है। 2025 की उनकी यात्रा यह साबित करती है कि भारतीय अभिनेता अब सीमाओं को पार कर सचमुच ग्लोबल परफॉर्मर बनने की परिभाषा गढ़ रहे हैं।

किसी भी चीज के दो पहलू होते हैं, एक अच्छा और एक बुरा। सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने जहां युवाओं को कम समय में बड़ा नाम दिया तो इसकी वजह से असली प्रतिभा खो सी गई। अभिनय में रुचि रखने वाले ऐसे युवा रील्स तक सिमट गए, जबकि उनको असली पहचान थियेटर ही दे सकता है। इसलिए कलाकारों को रील्स की दुनिया से निकलना जरूरी है। यह कहना है शहर के युवा लेखक व निर्माता नमन मेहरा का। हाल में नमन मेहरा की शार्ट फिल्म 'धुंधली यादें' को देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले फिल्म फेस्टिवल में अलग-अलग कैटेगरी में 8 अवार्ड मिले हैं। इसके साथ कुल 22 फिल्म फेस्टिवल में शॉर्ट फिल्म ने जगह बनाई।

शहर के फजलगंज के रहने वाले नमन मेहरा द्वारा बनाई गई शार्ट फिल्म बीते 5 सितंबर को यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। नमन मेहरा ने बताया कि फिल्म 9 मिनट 28 सेकेंड की है, जो अल्जाइमर डिनेशियल्स यानी भूलने की बीमारी पर आधारित है। शॉर्ट फिल्म में बुढ़ापे में होने वाली समस्या और उसके उपायों को बताया गया है।

बांद्रा फिल्म फेस्टिवल में 'धुंधली यादें' को मिला बेस्ट शॉर्ट फिल्म का अवार्ड

- नमन मेहरा ने बताया कि बांद्रा फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट शॉर्ट फिल्म का अवार्ड मिला है। इसके साथ ही धनबाद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2025 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ निर्माता, सर्वश्रेष्ठ कहानी, सर्वश्रेष्ठ पटकथा और सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का अवार्ड मिला। साथ ही फ्रेन्ज़ी फिल्म महोत्सव कोलकाता में सर्वश्रेष्ठ कहानी (आलोचक पुरस्कार) मिला है। इसके साथ ही 7 सिस्टर्स नॉर्थ ईस्ट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 2025 और थाईलैंड गदुरा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव-2025 अंतर्राष्ट्रीय टैगोर फिल्म पुरस्कार में भी फिल्म को पुरस्कार मिल चुका है।

अब वेब सीरीज पर चल रहा काम

- शहर के डीपीएस आजाद नगर से स्कूलिंग पूरी करने वाले 32 वर्षीय नमन मेहरा ने बताया कि पिता के दोस्त अश्वनी धीर सर हैं, जिन्होंने प्रसिद्ध धारावाहिक लापतागंज बनाया। उनकी प्रेरणा से ही राइटर और निर्माता बनने का बल मिला है। 'बाला' फिल्म में कास्टिंग असिस्टेंट से शुरुआत की। इसके बाइ कई प्रोजेक्ट के साथ जुड़े और बारीकियां सीखीं। उन्होंने बताया कि सबसे पहले शार्ट फिल्म 'यह सवाल ही क्यों बनाया' यूट्यूब पर रिलीज हुई थी, लेकिन उसे ज्यादा फेम नहीं मिला। इसके बाद जिया अहमद खान, त्रिशिखा त्रिपाठी और अक्षत शुक्ला के साथ मिलकर 'धुंधली यादें' शॉर्ट फिल्म बनाई, जिसे लोगों ने सराहा है। उन्होंने का कि अब वेब सीरीज बनाने पर काम कर रहा हूं।

नमन ने कहा कि बूढ़ा और बच्चा एक समान होता है। जब आपका बच्चा कोई बात भूलता है तो क्या आप उसको डांटते या मारते होनहीं तो फिर लोग बुढ़ापे में अपने माता-पिता व बुजुर्गों के साथ यह व्यवहार कैसे कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म आधारित कहानी को देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया गया, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है।

एचडीएफसी की दुबई शाखा को नए ग्राहक जोड़ने से रोका

मुंबई। एचडीएफसी बैंक की दुबई अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय केंद्र (डीआईएफसी) शाखा को स्थानीय नियामक ने नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया है। भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसने दुबई वित्तीय सेवा प्राधिकरण (डीएफएसए) के नोटिस का अनुपालन करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। इस फैसले का उस पर वित्तीय असर नहीं होगा। बैंक के खिलाफ कार्रवाई के लिए कथित उल्लंघनों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 28 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

आर्थिक तरक्की की मिसाल बन गया यूपी

ट्रांसफॉर्मिंग फाइनेंशियल लैंडस्केप इन यूपी सत्र में बोले प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW 3rd Edition

- कहा-कानून-व्यवस्था सख्त हुई तो हुआ करोड़ों का निवेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के कार्यक्रम को संबोधित करते वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना।

अमृत विचार। 2017 से पहले जो यूपी पिछड़ा था, आज आर्थिक तरक्की की मिसाल बन चुका है। सुरक्षा और सुशासन से चौतरफा तरक्की हो रही है। 15 लाख करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतारा जा चुका है। यह बातें शनिवार को प्रदेश के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित 'ट्रांसफॉर्मिंग फाइनेंशियल लैंडस्केप इन यूपी' में कहीं।

खन्ना ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के उद्यमियों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफार्म है। यह आयोजन किस कदर सफल है, इसका अंदाजा यहां बढ़ रही निवेशकों और उद्यमियों की संख्या से लगाया जा सकता है। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिना थके, बिना रुके यूपी के विकास के लिए सतत काम कर रहे हैं। 2017 से पहले यूपी की स्थिति बेहद खराब थी, लेकिन आज पूरी दुनिया में लोग यूपी को बेहतर कानून व्यवस्था और आर्थिक तरक्की के लिए जानते हैं। विदेशी दौरों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी लोग कहते हैं कि योगी जैसा नेता चाहिए।

जीएसटी रिफॉर्म से आम जनता को बड़ा लाभ

सुरेश खन्ना ने कहा कि जीएसटी में राहत से आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यूपी का एक्सपोर्ट 2014 से पहले 84,000 करोड़ रुपये का था, जो आज बढ़कर 1,76,000 करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। यूपी की अर्थव्यवस्था में जबरदस्त उछाल आया है। हमने अपने बजट में 133 प्रतिशत की वृद्धि की है और वर्ष 2024-25 में 59,000 करोड़ रुपये के राजस्व सरप्लस स्टेट बने हैं। हमारी आय हमारे खर्च से कहीं ज्यादा है और इस मामले में यूपी देश में सबसे आगे है।

एमएसएमई सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर : राकेश सचान

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश का बजट इस बार अब तक का सबसे बड़ा रहा और सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी लगातार आर्थिक तरक्की कर रहा है। देश की जीडीपी में योगदान के मामले में यूपी का स्थान अब दूसरे नंबर पर है। सचान ने कहा कि कृषि के बाद एमएसएमई सबसे बड़ा सेक्टर है जो रोजगार देता है। जीएसटी सुधारों के बाद इस सेक्टर में और अधिक तरक्की के द्वार खुल गए हैं। सचान ने कहा कि एमएसएमई उद्यमियों की यह भी मांग है कि जिस तरह किसानों को ऋण के लिए क्रेडिट कार्ड दिया जाता है, उसी तर्ज पर एमएसएमई के लिए भी एक अलग क्रेडिट कार्ड जारी किया जाए। कार्यक्रम को वित्त विभाग के विशेष सचिव समीर वर्मा, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक इंदर मोहन सिंह समेत कई अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

दमक उठे बरेली से अयोध्या तक के उत्पाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में शुक्रवार को बरेली, लखनऊ, अयोध्या, मुरादाबाद और कानपुर मंडल से आए उत्पादों ने धूम मचाई। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की थीम पर सजे स्टॉल्स पर विदेशी मेहमानों की भीड़ उमड़ पड़ी। कहीं मुरादाबाद का पीतल दमक रहा था तो कहीं लखनऊ की चिकनकारी दिल जीत रही थी। यूपी सरकार के अधिकारियों ने बताया कि कई विदेशी कंपनियों से बातचीत अंतिम दौर में है। उम्मीद है कि इन मंडलों के उत्पादों के लिए निर्यात के नए समझौते जल्द होंगे।

कन्नौज के पंडाल में सजाए गए इत्र।

बरेली: जरी-जरीका कढ़ाई और बांस के क्राफ्ट

बरेली मंडल से आए जरी-जरीका कढ़ाई के कपड़े और डिजाइनों को खाड़ी देशों के खरीदारों ने बेहद सराहा। बाँस से बने फर्नीचर और सजावटी सामान पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में आकर्षण का केंद्र रहे।

लखनऊ : चिकनकारी और अटार्स की खुशबू

लखनऊ की चिकनकारी की नजाकत पर जापान और फ्रांस के प्रतिनिधि मोहित दिखे। अटार्स और इत्र की महक ने खाड़ी देशों से आए कारोबारियों को लंबे समय तक स्टॉल पर रोके रखा।

अयोध्या: रामनगरीय शिल्प और स्मृति चिन्ह

अयोध्या मंडल से आए रामायण-थीम वाले हस्तशिल्प, पीतल की मूर्तियां और धार्मिक स्मृति चिन्ह सबसे खास रहे। रामलला से जुड़े स्मृति चिन्ह विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र बने।

मुरादाबाद: पीतल की दमक ने खींचा ध्यान

मुरादाबाद का ब्रासवेयर उद्योग शो का हॉटस्पॉट रहा। डाइनिंग सेट, सजावटी वस्तुएं और आधुनिक डिजाइनों वाले उत्पाद यूरोपीय और अमेरिकी प्रतिनिधियों की पहली पसंद बने।

कानपुर: चमड़ा और वस्त्रों की धाक

कानपुर के चमड़े के फुटवियर, बैग और परिधान को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ईको-फ्रेंडली लेदर गुड्स जर्मनी और ब्रिटेन के खरीदारों के आकर्षण का केंद्र रहे।

बिजनेस ब्रीफ

संयंत्र में हुई 6 मौतों की जांच करेगी गोदावरी

नयी दिल्ली। गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड (जीपीआईएल) ने शनिवार को कहा कि वह छत्तीसगढ़ स्थित अपने संयंत्र में हुई ''घटना'' में छह लोगों की मौत की आंतरिक जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित निजी इस्पात संयंत्र में एक भट्ठी के अंदर हुई दुर्घटना में चार अधिकारियों और दो कर्मचारियों की मौत हो गई। दुर्घटना में एक महाप्रबंधक सहित छह अन्य घायल हो गए। कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि आंतरिक जांच की जा रही है और जीपीआईएल भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी जरूरी उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा कि दुर्घटना के मूल कारण का पता लगाने के लिए आंतरिक जांच पूरी होने तक लौह अयस्क पेलेट संयंत्र का संचालन बंद रहेगा। जीपीआईएल प्रबंधन ने इन मौतों पर गहरा शोक जताया है।

मुंबई आए 50 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री

नई दिल्ली। मुंबई में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर इस साल जनवरी से अगस्त के दौरान 50 लाख से अधिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों का आगमन हुआ। इनमें मुख्य रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन और थाईलैंड के यात्री शामिल हैं। निजी हवाई अड्डा संचालक मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह जानकारी दी। एमआईएएल ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हवाई अड्डे पर अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के आगमन में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह दर वैश्विक यात्रा मानचित्र पर मुंबई के बढ़ते महत्व को दर्शाती है और विश्व पर्यटन दिवस की भावना को भी उजागर करती है। हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अंडमान में ऑयल इंडिया ने खोजा प्राकृतिक गैस

नई दिल्ली। ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) ने अंडमान द्वीप समूह के पास प्राकृतिक गैस भंडार की खोज की है। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी ने खोज के आकार के बारे में जानकारी नहीं दी। ओआईएल ने कहा कि अपतटीय अंडमान ब्लॉक एएन-ओएसएचपी-2018/1 में खोदे गए दूसरे अन्वेषण कुएं विजयपुरम-2 में प्राकृतिक गैस की उपस्थिति की सूचना मिली है।शुरुआती जांच के दौरान, जब कुएं से गैस रुक-रुक कर बाहर निकल रही थी, तो उसके नमूनों की जांच की गई। इस जांच से यह पुष्टि हो गई है कि वहां प्राकृतिक गैस मौजूद है।

इंफो एज सबसे सफल उद्यम निवेशक घोषित

नई दिल्ली। नौकरी डॉट कॉम की मूल कंपनी इंफो एज को देश का सबसे सफल उद्यम निवेशक घोषित किया गया है। कंपनी ने भारतीय स्टार्टअप पर दीर्घकालिक दांव लगाकर शानदार प्रतिफल हासिल किया है, जिसमें जोमैटो से लेकर पॉलिसीबाजार तक शामिल हैं। संजीव बिखचंदानी - जिन्हें अक्सर भारत का वॉरेन बफेट कहा जाता है, की इस फर्म ने पिछले डेढ़ दशकों में विभिन्न मंचों पर कुल 3,959 .16 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते कलाकार।

ट्रेड शो में उमड़ी भीड़, बिजनेस और संस्कृति का संगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो सेंटर में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 का तीसरा दिन उत्साह और उपलब्धियों से भरपूर रहा। सुबह से ही हॉल में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कहीं कारोबारी अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे थे तो कहीं विदेशी खरीदार नए अवसर तलाश रहे थे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में शनिवार सुबह से ही हलचल और उमंग का माहौल रहा। अधिकांश हॉल में व्यवसायी, स्टार्टअप, कारीगर और विदेशी खरीदार एक साथ दिखाई दिए। कुछ जगहों पर ओडीओपी उत्पादों की झलकियों ने लोगों को रोका। भदोही की कालीनें, जालौन की लकड़ी की कारीगरी, फिरोजाबाद का कांच और मिर्जापुर की तांबे की चादरें विशेष आकर्षण बनीं। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्र भी इस आयोजन से जुड़े। वे स्थानीय उद्योगों और स्टार्टअप की प्रदर्शनी घूमते दिखे। शाम होते-होते रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने स्थान को महफिल में बदल दिया। लोक नृत्य समूहों, मर्यादित थिएटर प्रस्तुतियों और फोक संगीत ने मंचों को जीवंत बना दिया।

एबीसी इंडिया स्टार्टअप से अभिषेक ग्रोवर बोले कि मंच ने उन्हें नई साझेदारियाँ दिलाई और युवाओं को कारोबार में शामिल करने पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। हस्तशिल्प उद्यमी निशात मिर्ज़ा बताती हंब कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले दिन उनके उत्पादों पर सवाल पूछा और सराहा। उनकी आँखों में खुशी थी। रक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी "रैफ एम्फिब्र" की प्रतिनिधि पूजा मिश्रा ने कंपनी के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत योगदान पर चर्चा की।

तीसरे दिन के समापन पर यूपीआईटीएस ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह कोई साधारण व्यावसायिक मेला नहीं, बल्कि एक व्यापक आर्थिक, सांस्कृतिक और निवेश मंच है। व्यापारिक सौदों की संभावनाएं, स्थानीय शिल्पों की अंतरराष्ट्रीय छवि और युवा-नवाचार की ऊर्जा इन सबका संगम इस आयोजन को यादगार बना रहा है।

विदेशी बॉयर्स संग बी2बी मीटिंग्स ने कारोबार को दी रफ्तार

उत्तर प्रदेश की स्मार्ट पुलिस की प्रदर्शनी में लगी गन।

स्मार्ट पुलिसिंग स्टॉल और हाईटेक हथियारों ने खींचा ध्यान

यू फीड मशीन से ठगों तक पहुंचना हुआ आसान

स्टॉल में सबसे अधिक भीड़ साइबर हेल्प डेस्क पर देखने को मिल रही है। यहां उपनिरीक्षक ने छात्रों और युवाओं को विस्तार से समझाया कि डिजिटल अरेस्ट क्या होता है, ऑनलाइन ठगी किस तरह की जाती है और उससे बचने के उपाय क्या हैं। युवाओं की जिज्ञासा खासकर टेलीग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर हो रही ठगी को लेकर रही। कई लोगों ने पूछा कि अगर किसी ग्रुप में ऐड होकर ठगी होती है तो कैसे बचें, इस पर बताया कि यू-फीड मशीन अपराधियों के मोबाइल से तुरंत डाटा निकाल सकती है।

स्पीड राडार गन ने खींचा ध्यान

स्टॉल पर ब्रीद एनालाइजर और स्पीड राडार गन ने युवाओं का ध्यान खूब खींचा। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2023 से ब्रीद एनालाइजर मशीन में कैमरे भी लगा दिए गए हैं, ताकि वाहन चालक कोई बहाना न बना सके।

यूपी पुलिस के रॉकेट लॉन्चर को देख लोग रहे अचंभित

स्टॉल में एटीएस और एसटीएफ के अत्याधुनिक हथियार लोगों में काफी रोमांच पैदा कर रहे। यूपी अधिकारियों ने बताया कि यूपी पुलिस के पास डीआरडीओ निर्मित रॉकेट लॉन्चर भी है, जिसकी मारक क्षमता दो किलोमीटर तक है। युवाओं ने इसे देखकर गहरी रुचि दिखाई और हथियारों की तकनीकी खूबियों के बारे में सवाल किए।

योगी की स्मार्ट पुलिसिंग का दबदबा देखने उमड़े देश-विदेश के विजिटर्स

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा : अमृत विचार। उत्तर प्रदेश जो वर्ष 2017 से पहले पूरी दुनिया में बदहाल कानून व्यवस्था के लिए कुख्यात था, वहीं पिछले आठ वर्षों से योगी सरकार के नेतृत्व में स्मार्ट पुलिसिंग और सुदृढ़ कानून व्यवस्था के लिए पूरी दुनिया में सुर्खियों में बना हुआ है। इसका ताजा उदाहरण यहां यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-25 में लगे यूपी पुलिस के स्टॉल पर देश के विभिन्न प्रदेशों के साथ विदेशी मेहमान का जमावड़े को देखकर सहज ही लगाया जा सकता है। ट्रेड शो के हाल नंबर चार में उत्तर प्रदेश पुलिस के हाईटेक स्टॉल को देखने के लिए रोजाना हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ रही है। वहीं लोगों में यूपी में स्थापित कानून के राज को जानने और समझने की जिज्ञासा साफ देखी जा रही है। यहां उमड़ी भीड़ यह साबित कर रही है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते आठ वर्षों में हुए पुलिस सुधारों और स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में उठाए गए कदमों ने युवाओं और आम नागरिकों में गहरी जिज्ञासा पैदा की है।

विदेशी बॉयर्स संग बिजनेस की नई उड़ान

ट्रेड शो में ऑन द स्पॉट बी2बी मीटिंग में हो रहे कारोबारी समझौते।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा : अमृत विचार। उत्तर प्रदेश उद्योग जगत में नई उड़ान भर रहा है और इसकी सबसे बड़ी मिसाल बनी है यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो। सबसे बड़ा आकर्षण बी2बी मीटिंग्स का अनूठा मॉडल है, जिसे पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल बनाया गया है। इस बार 520 से अधिक विदेशी बॉयर्स यहां पहुंचे हैं और उद्यमियों के साथ उनकी लगातार मीटिंग्स और एमओयू भी हो रहे हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस द्वारा इन सभी विदेशी खरीदारों का पंजीकरण यूपीआईटीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर कराया गया है। इतना ही नहीं, वेबसाइट पर यह भी दर्ज है कि कौन-सा बॉयर हॉल नंबर 15बी में किस टेबल पर बैठकर उद्यमियों से मिलेगा। पारदर्शिता का यह स्तर इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत बन गया है। प्रदेश के उद्यमी वेबसाइट पर जाकर अपने सेक्टर के अनुसार विदेशी बॉयर्स की लिस्ट देख सकते हैं और अपने उत्पादों की प्रस्तुति के लिए उनसे मुलाकात का समय तय कर सकते हैं। यहां उन्हें जो भी स्लॉट मिलता है, उसी के आधार पर वे बुकिंग कर सीधे वैश्विक बाजार के बड़े खरीदारों तक पहुंच बना सकते हैं।

बातचीत से एमओयू तक का सफर

बी2बी हॉल में जब उद्यमी अपने उत्पादों का परिचय देते हैं और यदि विदेशी खरीदार प्रभावित होता है, तो वहीं पर तत्काल एमओयू साइन कर सकता है। यह त्वरित प्रक्रिया न केवल कारोबार को गति देती है, बल्कि उद्यमियों को तत्काल बाजार में उतारने का अवसर भी देती है। अगर किसी उत्पाद में खरीदार तत्काल समझौता करने की बजाय आगे बातचीत करना चाहता है, तो इसे बिजनेस लीड माना जाता है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उद्यमियों के साथ मंत्री नंदी।

निर्यात की संभावनाओं को नई उड़ान देगा ट्रेड शो : नंदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। अमृत विचार : यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देशभर के उद्यमियों के लिए निर्यात की संभावनाओं को नई उड़ान देगा। यह शो युवा उद्यमियों के लिए निवेश के नए द्वारा खोलेगा।यह बातें शनिवार को औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल नंदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित 'ई कॉमर्स: द न्यू फ्रंटियर फॉर इंडियन एक्सपोर्ट्स' नालेज सेशन में कहीं। नालेज सेशन को एमएसएमई, खादी और ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने भी संबोधित किया। नंदी ने कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था को गति देने में वहां के मौलिक उद्योगों की अग्रणी भूमिका होती है। पिछले 8 वर्षों के दौरान की यूपी की विकास यात्रा इसी के अनुरूप रही है। हमने प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप वोकल फॉर लोकल और लोकल से ग्लोबल की यात्रा का न केवल ब्लूप्रिंट तैयार किया है बल्कि उसको अपनाया भी है।

'ई कॉमर्स : द न्यू फ्रंटियर फॉर इंडियन एक्सपोर्ट्स' नालेज सेशन को किया संबोधित

अमेरिकी शुल्क भारतीय वृद्धि के लिए जोखिम: क्रिसिल

कोलकाता, एजेंसी

- इंटेलिजेंस ने कहा- कम मुद्रास्फीति व ब्याज दरों में कटौती से वृद्धि की उम्मीद

क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अपनी सितंबर की रिपोर्ट में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के उच्च शुल्क लगाने से देश की वृद्धि के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि शुल्क भारतीय वस्तुओं के निर्यात और निवेश दोनों को प्रभावित करेंगे। हालांकि, क्रिसिल इंटेलिजेंस ने यह भी कहा कि कम मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कटौती से प्रेरित घरेलू खपत से वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। देश की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 7.4 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति के चालू वित्त वर्ष में पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत से घटकर 3.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। इसमें यह भी कहा गया कि कृषि क्षेत्र की अच्छी वृद्धि से खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने की उम्मीद है, हालांकि अत्यधिक वर्षा के प्रभाव का अभी पूरी तरह से आकलन नहीं किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कच्चे तेल की कम कीमतों और वैश्विक स्तर पर जिंस कीमतों में नरमी से गैर-खाद्य मुद्रास्फीति पर लगाम लगने की उम्मीद है।

एनटीपीसी ने सरकार को 3,248 करोड़ का दिया अंतिम लाभांश

नई दिल्ली। एनटीपीसी ने 2024-25 के लिए अंतिम लाभांश के रूप में बिजली मंत्रालय को 3,248 करोड़ का भुगतान किया। एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने निदेशक मंडल के साथ 25 सितंबर को बिजली सचिव पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में बिजली मंत्री मनोहर लाल को अंतिम लाभांश सौंपा।

यह राशि नवंबर 2024 में 2,424 करोड़ के पहले अंतरिम लाभांश और फरवरी 2025 में दिए गए 2,424 करोड़ के दूसरे अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। 2024-25 के लिए भुगतान किया गया लाभांश 8,096 करोड़ है, जो 10 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर पर 8.35 रुपये बैठता है।

घरेलू प्राथमिकताओं को वैश्विक नजरिये से जोड़ेगा कौटिल्य

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तीन अक्टूबर को यहां चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी 2025) का उद्घाटन करेंगी। इस बार सम्मेलन का विषय 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' है।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर पांच अक्टूबर को भारत की विदेश और आर्थिक नीति पर विचार-विमर्श के साथ इस सम्मेलन का समापन करेंगे। इसमें कहा गया कि तीन दिवसीय केईसी 2025 एक गतिशील मंच है, जो भारत की घरेलू प्राथमिकताओं को वैश्विक नजरिये के साथ जोड़ेगा और उथल-पुथल के दौर में समृद्धि का मार्ग तैयार करेगा। इसमें कहा गया कि अपने समृद्ध अनुभव के आधार पर केईसी ने समकालीन चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 30 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 विदेशी प्रतिभागियों के साथ अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाया है।

- सीतारमण चौथे केईसी 2025 का करेंगीं उद्घाटन व जयशंकर करेंगे सम्मेलन का समापन

स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकसित करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश

मुंबई, एजेंसी। बीएसएनएल ने टीसीएस, सी-डॉट व तेजस नेटवर्क्स लि. के साथ मिलकर भारत टेलीकॉम स्टैक नाम से 4जी मोबाइल दूरसंचार नेटवर्क प्रौद्योगिकी का अनावरण किया जो पूरी तरह से देश में डिज़ाइन और विकसित एक आधुनिक समाधान है। टाटा कंसल्टेंसी ने कहा कि इस शुभारंभ के साथ, भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया जो 4जी व उससे आगे के लिए स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकी स्टैक विकसित किया है। कंपनी ने सी-डॉट के ईपीसी कोर एप्लिकेशन, तेजस के बेस स्टेशन और 1,00,000 से अधिक साइटों पर रेडियो इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करके सातों दिन 24 घंटे नेटवर्क प्रबंधन के लिए कॉग्निटिव नेटवर्क परिचालन प्लेटफार्म-टीसीएस सीएनओपीएसटीएम का उपयोग कर सफलता में भूमिका निभायी। कंपनी ने कहा है कि इस परियोजना का संचालन टीसीएस, बीएसएनएल, दूरसंचार विभाग, सक्रिय मैकिन्से एंड कंपनी, सी-डॉट, तेजस, आई एंड सी पार्टनर्स आदि द्वारा 'मिशन-मोड' में किया जा रहा है।

- टीसीएस, सी-डॉट , तेजस नेटवर्क्स ने खड़ा किया एकीकृत 4जी नेटवर्क स्टैक

मनमोहक

भोपाल में नवरात्रि के अवसर पर गरबा का आयोजन किया गया। इस दौरान पारंपरिक वस्त्र धारण किए यह कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे। एजेंसी

टैरिफ के बीच ब्रिक्स रचनात्मक बदलाव की मजबूत आवाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर बोले

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बढ़ते संरक्षणवाद और शुल्क संबंधी अस्थिरता के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक में बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करने का आह्वान किया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ऐसे समय में जब बहुपक्षवाद दबाव में है, ब्रिक्स रचनात्मक बदलाव की मजबूत आवाज बनकर खड़ा है।

उन्होंने कहा, एक अशांत विश्व में, ब्रिक्स को शांति स्थापना, संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन के संदेश को फैलाना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा, बढ़ते संरक्षणवाद, शुल्क संबंधी अस्थिरता और गैर-शुल्क बाधाओं के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है, इसलिए ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के कुछ सप्ताह बाद जयशंकर ने यह टिप्पणी की। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त जुर्माने के तौर पर लगाया गया है।

विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी और नवाचार ब्रिक्स सहयोग के अगले चरण को परिभाषित करेंगे। साल 2026 में

ब्रिक्स की बैठक में उपस्थित विदेश मंत्री जयशंकर।

समूह की भारत की अध्यक्षता के बारे में बात करते हुए, जयशंकर ने कहा कि भारत डिजिटल परिवर्तन, स्टार्टअप, नवाचार और मजबूत विकास साझेदारी के माध्यम से खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान सिएरा लियोन, रोमानिया, क्यूबा, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, रूस, उरुग्वे, कोलंबिया, एंटीगुआ और बारबुडा आदि देशों के अपने समकक्षों से भी मुलाकात की। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी मुलाकात की और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रिया की विदेश मंत्री बीएट मेइनल-रेजिंगर के साथ वर्तमान भू-राजनीति और भारत व यूरोप के सामने विकल्पों पर एक जीवंत चर्चा की।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन के गांसू प्रांत में भूकंप के झटके, सात लोग घायल

बीजिंग। चीन के गांसू प्रांत में शनिवार को 5.6 तीव्रता का भूकंप आने से सात लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। चीन के भूकंप केंद्र के अनुसार लोंक्शी काउंटी में सुबह 5:49 बजे भूकंप आया, जिसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि आठ मकान तहस-नहस जबकि 100 से अधिक क्षतिग्रस्त हो गए। सरकारी मीडिया की ओर से ऑनलाइन पोस्ट किए गए वीडियो में आपातकर्मी मलबा हटाते हुए दिख रहे हैं।

रोमानिया में अस्पताल में संक्रमण फैलने से छह शिशुओं की मौत

बुखारेस्ट। रोमानिया के उत्तर-पूर्वी इयासी शहर में स्थित स्फैंटा मारिया बच्चों के अस्पताल में जीवाणु संक्रमण फैलने से छह शिशुओं की मौत हो गई और तीन अन्य संक्रमित हो गए। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि एक वर्ष से कम उम्र के नौ मरीज़ सेराटिया मार्सेसेंस जीवाणु से संक्रमित हुए हैं हालांकि संक्रमण और मौतों के बीच कोई सीधा चिकित्सीय संबंध अभी तक स्थापित नहीं हुआ है। फोरेंसिक विशेषज्ञ यह पता लगाएंगे कि क्या जीवाणु के कारण ये मौतें हुईं। पहला मामला 13 सितंबर को पता चला था, लेकिन इसकी सूचना छह दिन बाद जन स्वास्थ्य निदेशालय को दी गई, जब चार बच्चे पहले ही संक्रमित हो चुके थे।

पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संघर्ष रोकने की अपील की थी

भारत बोला- पाकिस्तानी पीएम ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में बेतुके बयान देकर आतंकवाद का किया था महिमामंडन

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की सेना ने ही संघर्ष रोकने की अपील की थी और नई दिल्ली व इस्लामाबाद के बीच किसी भी मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारत के जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने कहा, इस सभा में आज सुबह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का बेतुका बयान सुनने को मिला। शरीफ ने एक बार फिर आतंकवाद का महिमामंडन किया, जो उनकी विदेश नीति के केंद्र में है।

गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हालिया संघर्ष को लेकर एक अजीब कहानी पेश की, जबकि भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 आम नागरिकों की मौत के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े समूह द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। भारत ने कहा, नौ मई तक पाकिस्तान भारत पर और हमले करने की धमकी दे रहा था। लेकिन 10 मई को उसकी सेना ने सीधे हमसे संघर्ष रोकने की अपील की। इस बीच भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई एयरबेस नष्ट कर दिए थे। उस तबाही की तस्वीरें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाषण के बाद पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। शरीफ ने अपने भाषण में दावा किया कि हालिया संघर्ष में उनका देश युद्ध जीत गया। उन्होंने संघर्ष रोकने को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता का परिणाम बताया और साथ ही कश्मीर मुद्दा भी उठाया।

शरीफ ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए यह भी दावा किया कि मई में चार दिन तक चले संघर्ष के दौरान भारत के सात विमान क्षतिग्रस्त हुए थे। भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अगर तबाह हुए रनवे और राख में बदल चुके हैंगर (हवाई जहाज रखने की जगह) पाकिस्तान को जीत लगते हैं, जैसा कि उसके प्रधानमंत्री ने दावा किया है, तो पाकिस्तान खुश हो सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में बोलतीं भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत।

सुरक्षा परिषद ने ईरान पर प्रतिबंधों में देरी के रूस और चीन के अंतिम प्रयास को किया खारिज

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के कारण उस पर फिर से तत्काल प्रतिबंध नहीं लगाने संबंधी कुछ देशों के अंतिम प्रयास को समय सीमा से एक दिन पहले खारिज कर दिया। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया जब पश्चिमी देशों ने दावा किया कि हफ्तों की बैठकों के बावजूद कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया है। ईरान पर फिलहाल प्रतिबंध नहीं लगाने संबंधी प्रस्ताव 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में ईरान के सबसे शक्तिशाली और निकटतम सहयोगी रूस और चीन ने शुक्रवार को पेश किया था। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए नौ देशों का समर्थन चाहिए था, जो संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को शनिवार से प्रभावी होने से रोकने के लिए आवश्यक था। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोल्यान्स्की ने बैठक के दौरान कहा, हमें उम्मीद थी कि यूरोपीय सहयोगी और अमेरिका दो बार सोचेंगे और ब्लैकमेल के बजाय कूटनीति व बातचीत का रास्ता चुनेंगे...इससे क्षेत्र में स्थिति और बिगड़ेगी।

एक दशक तक लादेन को पनाह देने वाला पाकिस्तान आतंक के खिलाफ लड़ाई का दिखावा करता रहा

गहलोत ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं द्वारा बहावलपुर और मुरिदके में स्थित आतंकी ठिकानों में मारे गए आतंकवादियों की कई तस्वीरें सामने आई हैं। उन्होंने यह भी कहा, जब पाकिस्तान के वरिष्ठ सैन्य और नागरिक अधिकारी खुलेआम इन कुख्यात आतंकवादियों का महिमामंडन करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं, तो इस सरकार की मानसिकता पर कोई शक रह ही नहीं जाता। गहलोत ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी हाफिज अब्दुल रऊफ मुरिदके में स्थित लश्कर मुख्यालय पर हुए हमलों में मारे गए लोगों के जनाजे में नमाज अदा करवा रहा था। इस जनाजे में पाकिस्तान सेना के सदस्य भी मौजूद थे। कहा, याद दिला दें कि पाकिस्तान ने एक दशक तक ओसामा बिन लादेन को पनाह दी, जबकि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझेदार बनने का दिखावा करता रहा। इसके मंत्रियों ने हाल ही में खुद स्वीकार किया है कि वे दशकों से आतंकी शिविर संचालित कर रहे हैं।" भारत ने दोहराया कि दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच के मुद्दों में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई जगह नहीं है। गहलोत ने कहा, भारत और पाकिस्तान लंबे समय से इस बात पर सहमत हैं कि उनके बीच के किसी भी लंबित मुद्दे को द्विपक्षीय तरीके से सुलझाया जाएगा।

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं

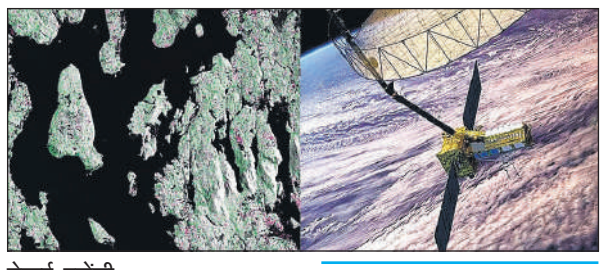

चेन्नई, एजेंसी

- संयुक्त मिशन इस साल के अंत में अपने पूर्ण वैज्ञानिक संचालन के करीब पहुंच रहा

निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) पृथ्वी-अवलोकन रडार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली तस्वीरें ली हैं। नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में हमारे ग्रह की सतह की ये तस्वीरें भविष्य की एक झलक पेश करती हैं क्योंकि नासा और इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) का संयुक्त मिशन इस साल के अंत में अपने पूर्ण वैज्ञानिक संचालन के करीब पहुच रहा है।

भारत के साथ मिलकर लॉन्च किए गए निसार की पहली तस्वीरें इस बात का प्रमाण हैं कि जब हम नवाचार और खोज के एक साझा दृष्टिकोण के लिए एकजुट होते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है। यह तो बस शुरुआत है। उन्होंने कहा, नासा अतीत और वर्तमान की अविश्वसनीय वैज्ञानिक प्रगति पर आगे बढ़ता रहेगा क्योंकि हम स्वर्ण मानक विज्ञान के माध्यम से अपने देश के अंतरिक्ष प्रभुत्व को बनाए रखने के अपने लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं। इसरो द्वारा 30 जुलाई को प्रक्षेपित किए गए अंतरिक्ष यान से प्राप्त चित्र, उस विस्तृत स्तर को प्रदर्शित करते हैं जिसके साथ निसार पृथ्वी का स्कैन करता है और आपदा प्रतिक्रिया, बुनियादी ढाँचे की निगरानी और कृषि प्रबंधन सहित विविध क्षेत्रों में निर्णयकर्ताओं को अद्वितीय, कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करता है।

नासा के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने कहा, यह समझकर कि हमारा गृह ग्रह कैसे काम करता है, हम अपने सौर मंडल और उससे आगे के अन्य ग्रहों के काम करने के तरीके के मॉडल और विश्लेषण तैयार कर सकते हैं, क्योंकि हम मानवता को चंद्रमा और मंगल ग्रह की एक महाकाव्य यात्रा पर भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बाद भी गाजा पर हमले जारी, 38 लोगों की गई जान

दीर अल बलाह, एजेंसी

- नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक ही परिवार के नौ लोग शामिल

इजराइली हमलों और गोलीबारी में शनिवार सुबह गाजा में कम से कम 38 लोग मारे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। युद्धविराम के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है, लेकिन इजराइल के नेता युद्ध जारी रखने पर अड़े हुए हैं।

अल-अवदा अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, मध्य और उत्तरी गाजा में शनिवार तड़के हुए हमलों में कई लोग मारे गए, जिनमें नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक ही परिवार के नौ लोग शामिल हैं। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में विश्व के अन्य नेताओं के समक्ष गाजा में हमास के पूर्ण खात्मे तक युद्ध जारी रखने का संकल्प जताया था। अल-अहली अस्पताल के अनुसार, शनिवार सुबह हुए हमलों में गाजा शहर के तुफाह इलाके में एक मकान ध्वस्त हो गया, जिसमें कम से कम 11 लोग मारे गए। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी हैं। शिफा अस्पताल के अनुसार, शाती शरणार्थी शिविर पर हुए हवाई हमले में चार अन्य लोग मारे गए।

नासिर और अल अवदा अस्पतालों के अनुसार, दक्षिणी और मध्य गाजा में सहायता लेने जाते समय इजराइली गोलीबारी में छह अन्य फलस्तीनी मारे गए। इजराइल की सेना ने हवाई हमलों या गोलीबारी के बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी परमिंदर सिंह उर्फ पिंडी यूएई से भारत प्रत्यर्पित

चंडीगढ़/बटाला। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि पंजाब पुलिस ने सीबीआई और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के करीबी समन्वय और समर्थन से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) मॉड्यूल के वांछित आतंकवादी परमिंदर सिंह उर्फ पिंडी को अबू धाबी, यूएई से भारत प्रत्यर्पित किया है। यादव ने बताया कि पिंडी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घोषित आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और हैप्पी पासिया का करीबी सहयोगी है और बटाला-गुरदासपुर क्षेत्र में पेट्रोल बम हमलों, हिंसक हमलों और जबरन वसूली सहित कई जघन्य अपराधों में शामिल है। आरोपी पिंडी अपराधों के समन्वय और अपने अभियानों के वित्तपोषण के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा था। बटाला पुलिस द्वारा अनुरोधित रेड कॉर्नर नोटिस पर तेजी से कार्रवाई करते हुए चार सदस्यीय टीम ने 24 सितंबर, 2025 को यूएई पहुंच एमईए और यूएई अधिकारियों के साथ समन्वय किया था।

कोर्ट ने विदेशी सहायता से जुड़े वित्तपोषण पर रोक के ट्रंप के फैसले को रखा बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने आदेश की अवधि बढ़ाई

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश की अवधि बढ़ा दी है जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को लगभग पांच अरब अमेरिकी डॉलर की विदेशी सहायता पर रोक लगाने की अनुमति देता है। इस फैसले से राष्ट्रपति पद के अधिकार से जुड़े विवाद में ट्रंप को एक और जीत हासिल हुई है।

तीन उदारवादी न्यायाधीशों की असहमति के बीच, शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को संसद द्वारा स्वीकृत अरबों डॉलर की सहायता से जुड़े एक मामले में ट्रंप प्रशासन की आपातकालीन अपील को स्वीकार कर लिया। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह इस

धनराशि को खर्च नहीं करेंगे, और इसके लिए उन्होंने विवादित अधिकार का हवाला दिया जिसका इस्तेमाल आखिरी बार लगभग 50 साल पहले किसी राष्ट्रपति ने किया था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश अमीर अली द्वारा यह फैसला सुनाए जाने के बाद कि ट्रंप का कदम संभवतः अवैध है और संसद को धनराशि रोकने के फैसले को मंजूरी देनी होगी, न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। वाशिंगटन की संघीय अपीलीय अदालत ने अली के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने नौ सितंबर को इस पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। कोर्ट की पूर्ण पीठ ने रॉबर्ट्स के आदेश को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया। अदालत ने पूर्व में ट्रंप प्रशासन के लिए, सैकड़ों-हजारों प्रवासियों से कानूनी सुरक्षा छीनने, हजारों संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने, सेना के ट्रांसजेंडर सदस्यों को सेवा से बाहर करने और स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों के प्रमुखों को हटाने के लिए रास्ता साफ कर दिया था।

यमन में कबायली नेता की गोली मारकर हत्या

अदन। यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में शुक्रवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक प्रमुख आदिवासी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। स्थानीय सुरक्षा अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रसिद्ध कबायली और सामुदायिक व्यक्ति शेख मेहदी अकरबी पर बेर अहमद क्षेत्र में गोलीबारी की गई, जब वे शुक्रवार की नमाज के लिए पास की मस्जिद जा रहे थे। अधिकारी के अनुसार, अकरबी बिना किसी सुरक्षाकर्मी के अकेले घूम रहे थे तभी हमलावरों ने उन पर गोलियां चला दीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अदन के एक अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उनकी मौत हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 28 सितंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 14.27 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

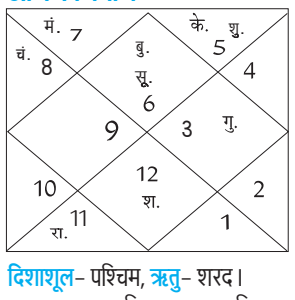

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- ज्येष्ठा 29 सितंबर 03.55 तक तत्पश्चात मूल।

मेष आज विचारशील लोगों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी। अनुभवी व्यक्तियों की सलाह से आपको कारोबार में लाभ मिलेगा। अपनी प्रतिभा का अच्छा उपयोग कर पाएंगे। आप काफी शांत मूड में रहेंगे। आर्थिक परेशानियों का हल प्राप्त होगा।

वृष आज आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिताएंगे। साहित्य और मीडिया से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। कठोर शब्दों का प्रयोग न करें। मन में उमंग-उत्साह की भावना रहेगी।

मिथुन आज विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। आपके विचारों की सराहना हो सकती है। कारोबार में परेशानी होने के योग बन रहे हैं। कोई महत्वपूर्ण वस्तु गुम हो सकती है। सर्दी और एलर्जी के कारण आपको कठिनाई हो सकती है।

कर्क आज व्यापार में आपको अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाना पड़ सकता है। मीडिया का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। बच्चे पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। जीवनसाथी और बच्चों के साथ समय बिताएंगे।

सिंह आज कार्यक्षेत्र की बाधाएं दूर होंगी। नौकरी में आ रही कठिनाई दूर होगी। लघु उद्योगों से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। भविष्य की योजनाओं को लेकर व्यवहारिक रहें। सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार है।

कन्या आज किसी से बहसबाजी न करें वरना आपको कठिनाई होगी। सहयोगी आपकी प्रत्येक कार्य में सहायता करेंगे। भाई-बंधुओं को कष्ट हो सकता है। प्रियजनों के साथ देवदर्शन के लिए जा सकते हैं। कुछ लोग आपसे धन उधार मांग सकते हैं।

तुला आज लोग आपकी बातों को गंभीरता से लेंगे। करियर को लेकर तनाव दूर होगा। पूर्व में की गई मेहनत का अच्छा लाभ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। गूढ़ विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। अपनी पुरानी गलतियों से सीखने का प्रयास करें।

वृश्चिक आज आपकी निष्ठा से लोग प्रेरणा लेंगे। व्यापार में काम का दबाव कम होगा। अपनी जीवनशैली में आप सुधार कर सकते हैं। जॉब में बदलाव करने के योग बन रहे हैं। दोस्तों के साथ आप समय बिताएंगे। रुका हुआ धन आपको वापस मिलेगा।

धनु आज दांपत्य जीवन में कलह हो सकती है। पहले दिया गया उधार आपको मिल सकता है। मन में नकारात्मक विचार न आने दें। पुराने उधार को चुकाने में मुश्किलें आएंगी। माता की सेहत का ध्यान रखें। सिर में दर्द और भारीपन हो सकता है।

मकर आज तकनीकी विषयों पर आप अपना ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करेंगे। लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। परिजनों के साथ धार्मिक कार्यों में सम्मिलित हो सकते हैं।

कुंभ आज आय के अवसर कम हो सकते हैं। किसी बड़े प्रकल्प में धन निवेश कर रहे हैं तो सावधानी अवश्य बरतें। छात्र अपने करियर को लेकर परेशान हो सकते हैं। बड़े-बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें। घर की कोई वस्तु खराब हो सकती है।

मीन आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बच्चों को सही मार्गदर्शन देने का प्रयास करें। नए प्रकल्पों की शुरुआत न करें। बिना मांगे किसी को भी सलाह न दें। धारदार उपकरणों से चोट लगने की संभावना है, इसीलिए आपको सावधानी रखनी चाहिए।

सुडोकू-113

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			5	1		4		
		7			2			1
				4	9			
	6					8		
5		2						7
		8	4	7			6	
9				5				
			9		7	5		
		3		6	4			

सुडोकू - 112 का हल

4	7	8	1	2	5	6	3	9
3	1	2	7	6	9	8	5	4
9	6	5	4	8	3	1	7	2
8	4	7	9	3	1	2	6	5
5	2	1	8	7	6	4	9	3
6	9	3	2	5	4	7	1	8
1	5	4	6	9	2	3	8	7
7	3	6	5	4	8	9	2	1
2	8	9	3	1	7	5	4	6

मैं सोच रहा था कि पावर प्ले में हमारे खिलाफ रन बने। लेकिन बाद में सभी ने योगदान दिया और मैच को सुपर ओवर तक ले गए। सुपर ओवर में मेरी योजना स्पष्ट थी कि वाइड यॉर्कर फेंको और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को सिर्फ ऑफ-साइड में ही रन बनाने दो। -अर्शदीप सिंह

स्टेडियम

बरेली, रविवार 28 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पाकिस्तान से लय बरकरार रखने की उम्मीद : अकरम

दुबई : पाकिस्तान के दिग्गज वसीम अकरम ने एशिया कप खिताब के लिए भारत को दावेदार करार दिया लेकिन उन्होंने सुपर चार चरण में कम स्कोर के बावजूद बांग्लादेश पर जीत दर्ज करने वाली सलमान आगा की टीम से आत्मविश्वास और लय बरकरार रखने की उम्मीद जताई। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश के खिलाफ 136 रनों के मामूली लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव कर फाइनल का टिकट कटाया जहां उसका सामना भारत से होगा। अकरम ने मीडिया के चुनिंदा समूह से कहा यह भारत बनाम पाकिस्तान का मैच है और मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान की गेंदबाजी रविवार को भी प्रभावी रहेगी।

सिंधु को टूर्नामेंट का चयन करना होगा : साइना नेहवाल

मुंबई : लंदन ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल का मानना है कि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु जानती हैं कि बड़े टूर्नामेंट किस तरह जीते जाते हैं लेकिन जैसे वह 30 की उम्र में प्रवेश कर रही हैं तो उन्हें समझदारी से प्रतियोगिताओं का चयन करना होगा। तीस साल की सिंधु के लिए यह साल बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। उन्हें कई बार पहले और दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा है लेकिन पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर उन्होंने वापसी के संकेत दिए। नेहवाल ने यहां एक कार्यक्रम के इतर पीटीआई से कहा ऐसा नहीं है कि एक निश्चित उम्र के बाद आप अच्छा नहीं कर सकते।

इगा स्वियातेक चीन ओपन के तीसरे दौर में पहुंचीं

बीजिंग : विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने शनिवार को युआन यू को सीधे सेट में 6-0, 6-3 से हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश करके डब्ल्यूटीए टूर में इतिहास रच दिया। डब्ल्यूटीए ने कहा कि शनिवार की जीत के साथ स्वियातेक लगातार तीन सत्र में डब्ल्यूटीए-1000 स्पर्धाओं में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। अन्य मुकाबलों में मीरा आंद्रीवा ने चीन की झू लिन को 6-2, 6-2 से हराया।

आखिरी वार को तैयार सूर्यकुमार के जांबाज

एशिया कप फाइनल आज: पाकिस्तान के खिलाफ एक बार फिर एकजुट होकर खेलना होगा भारत को

दुबई, एजेंसी

जीत ही सब कुछ नहीं होती, लेकिन 11 भारतीय क्रिकेटर रविवार को यहां एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उतरेंगे तो उनकी नजरें सिर्फ जीत हासिल करने पर टिकी होंगी। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले की तैयारी के बीच मैदान पर खेल और मैदान के बाहर की राजनीति के बीच की रेखाएं धुंधली पड़ गई हैं।

अमेरिकी राजनीतिक कार्यकर्ता और लेखक माइक मार्कुसी के शब्दों में यह बिना गोलीबारी के युद्ध जैसा है। वर्षों से भारत-पाकिस्तान मुकाबले में रोमांच की कमी नहीं रही है, लेकिन शायद ही कभी यह इतनी उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि में हुआ जब क्रिकेट के मैदान के बाहर का तनाव, उत्तेजक इशारे और दोनों पक्षों पर लगे जुर्माने इससे जुड़े हुए प्रतीत हों। फिर भी शोरगुल से परे क्रिकेट अपने आप में आकर्षक रहा है और इस दौरान सुर्खियां अभिषेक शर्मा के 200 से अधिक के शानदार स्ट्राइक रेट और कुलदीप यादव के 13 विकेट ने बटोरी।

समय रात 8 बजे

कागजों पर भारत टूर्नामेंट में अब तक अजेय है और लगातार छह जीत के क्रम के दौरान सिर्फ श्रीलंका ने उसे सुपर ओवर तक धकेला है। इसके विपरीत पाकिस्तान फाइनल तक लड़खड़ाता हुआ पहुंचा है, लेकिन जैसा कि उनके ने बांग्लादेश को हराने के बाद व्यंग्यात्मक लहजे में कहा फाइनल ही एकमात्र मैच है जो मायने रखता है। यहां तक कि भारत के सहयोगी स्टाफ ने भी यही भावना व्यक्त की। मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस के लिए आए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने स्वीकार किया कि अब सुंदरता मायने नहीं रखती, बदसूरत जीत भी जीत होती है। भारत का अपराजित अभियान सहज रहा है लेकिन चोटों से मुक्त नहीं रहा। श्रीलंका के खिलाफ हार्दिक पंड्या को पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण एक ओवर के बाद ही मैदान से बाहर होना पड़ा जबकि अभिषेक शर्मा को भी गर्मी में ऐंठन की शिकायत हुई। मोर्कल ने शुक्रवार रात को आश्वस्त किया हार्दिक की कल सुबह जांच की जाएगी। उन्हें और अभिषेक दोनों को ऐंठन हुई है लेकिन अभिषेक ठीक है। यह खबर राहत देने वाली है क्योंकि पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने छह मैच में 309 रन बनाकर अकेले ही भारत की बल्लेबाजी का भार उठाया है। असली सवाल यह है कि क्या भारत के बाकी खिलाड़ी अभिषेक का बखूबी साथ निभा पाएंगे। सूर्यकुमार से बड़ी पारी की उम्मीद है। शुभमन गिल मुकाबले को खत्म नहीं कर पा रहे जबकि संजू सैमसन और तिलक जैसे खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ महज औपचारिकता के मैच में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं। अब तक अभिषेक ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अगर वह असफल रहे तो क्या होगा। टूर्नामेंट के दौरान अभिषेक के अलावा अन्य बल्लेबाज प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और शीर्ष क्रम के लड़खड़ाने पर कोई भी 'प्लान बी' के बारे में नहीं जानता।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा और रिंकू सिंह।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस राऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी और सुफयान मोकिम।

अभिषेक शर्मा।

भारत ने अभी पूर्ण खेल नहीं खेला है : मोर्कल

दुबई : भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मानना है कि टीम ने अभी तक पूर्ण खेल नहीं खेला है और उन्हें उम्मीद है कि रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में बल्लेबाजी इकाई दबाव में प्रदर्शन बेहतर करेगी। हालांकि भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने पाकिस्तान सहित अधिकांश विरोधी टीमों को रोकने में सफलता हासिल की, लेकिन दबाव की परिस्थितियों में अभिषेक शर्मा की आतिशी बल्लेबाजी को छोड़कर अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन बिल्कुल भी प्रेरणादायक नहीं रहा है। मोर्कल ने रविवार को होने वाले फाइनल से पहले कहा मुझे नहीं लगता कि इस टूर्नामेंट में अब तक हमने अपना पूर्ण खेल दिखाया है। हर मैच के बाद उन क्षेत्रों पर चर्चा होनी चाहिए जिनमें हम सुधार करना चाहते हैं और बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। इसलिए यह एक सामान्य सोच है कि जब हम पर थोड़ा दबाव डाला जाता है तो हमें और तेज होने की जरूरत होती है। बीच के ओवरों में शायद एक-दो यॉर्कर डाली जा सकती हैं। मुझे लगता है कि चलन यह रहा है क्योंकि विकेट थोड़ा धीमा है इसलिए गति कम होती है।

सूर्यकुमार के सामने आज प्रतिभा दिखाने का मौका

दुबई : कप्तान के तौर पर एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में अब तक शानदार परिणाम हासिल करने वाले सूर्यकुमार यादव बल्ले से अपनी ख्याति के मुताबिक चमक बिखेरने में नाकाम रहे हैं। रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले फाइनल में उनके पास शानदार मौका होगा। सूर्यकुमार का इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में नाबाद 47 रन रहा है। उन्होंने यह पारी तब खेली जब टीम जीत के लिए छोटे लक्ष्य का पीछा कर रही थी और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 31 रन की ताबड़तोड़ पारी से टीम के अन्य बल्लेबाजों से दबाव पूरी तरह से हटा दिया था। कप्तान बनने के बाद सूर्यकुमार की बल्लेबाजी में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसका एक कारण उनके बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव करना भी है। सूर्यकुमार युवा खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका देने के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम को आगे पीछे करते रहे हैं। सूर्यकुमार ने 2024 में 15 पारियों में चार अर्धशतक की मदद से 420 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान 271 गेंदें खेली और उनका स्ट्राइक-रेट 155 रहा। भारतीय कप्तान ने साल 10 पारियों में 90 गेंदों पर केवल 99 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक-रेट गिरकर 110 हो गया है। इसका मुख्य कारण उनके बल्लेबाजी क्रम में खुद से किए गए बदलाव का भी योगदान है। इसमें से ज्यादातर मैचों में भारतीय टीम इतनी हावी रही है कि पहले गेंदबाजी करने पर उसे जीत के लिए छोटे लक्ष्य मिले। टीम ने जब पहले बल्लेबाजी की तो अभिषेक और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों की बड़ी पारियों के कारण सूर्यकुमार को क्रीज पर समय बिताने का बहुत कम समय मिला।

सुपर ओवर में मेरी योजना स्पष्ट थी : अर्शदीप

दुबई : भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर में अपनी सफलता का श्रेय वाइड यॉर्कर फेंकने की अपनी काबिलियत को दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाज पाथुम निसांका और कुसल परेरा ने शुक्रवार को अर्शदीप के दो ओवरों में 26 रन जुटाए। लेकिन बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अच्छी वापसी की और सुपर ओवर में सिर्फ दो रन दिए और साथ ही परेरा और दासुन शनाका के विकेट भी लिए।

भावनाएं व्यक्त करने से किसी को नहीं रोकेंगे

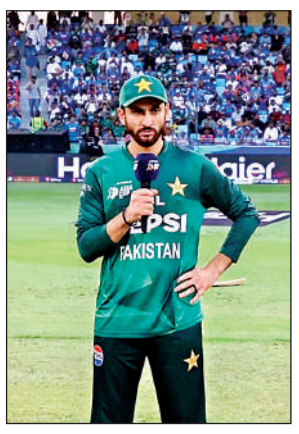

दुबई, एजेंसी

- पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा- बस अनादर न हो

पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा कि भारत के खिलाफ एशिया कप फाइनल में वह अपने खिलाड़ियों को तब तक खुद को अभिव्यक्त करने से नहीं रोकेंगे जब तक कि वह अनादरपूर्ण नहीं हो।

पिछले मैचों में हारिस रऊफ के भड़काऊ हाव-भाव ने काफी बहस छेड़ दी थी, लेकिन आगा ने अपने तेज गेंदबाजों को नियंत्रित करने से मना करते हुए कहा कि आक्रामकता उनके काम का एक अभिन्न अंग है। भारत और पाकिस्तान की टीमें रविवार के पहली बार एशिया कप फाइनल में एक-दूसरे का सामना करेगी। आगा ने कहा, हर व्यक्ति को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अधिकार है। अगर हम तेज गेंदबाजों को खुद को अभिव्यक्त करने से रोकेंगे तो बचेगा ही क्या? मैं किसी को नहीं रोकूंगा।

शैलेश ने ऊंची कूद में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी

शैलेश कुमार और वरुण सिंह भाटी ने शनिवार को पुरुषों की ऊंची कूद टी63-टी42 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेजबान भारत का खाता खोला। पच्चीस वर्षीय शैलेश ने टी42 वर्ग में 1.91 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास से चैंपियनशिप रिकॉर्ड और एशियाई रिकॉर्ड तोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

पैरा एशियाई खेलों के पूर्व पदक विजेता भाटी ने कांस्य पदक जीता जबकि मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अमेरिका के एज्रा फ्रेच ने रजत पदक हासिल किया। भाटी और फ्रेच दोनों ने 1.85 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद लगाई लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने 'काउंट-बैक' में भारतीय खिलाड़ी को हरा दिया। इस स्पर्धा में शामिल तीसरे भारतीय राहुल 1.78 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास से चौथे स्थान पर रहे।

शैलेश, भाटी और राहुल टी42 एथलीट हैं जिनके घुटने के ऊपर एक अंग विच्छेदन हुआ हो या एक समान दिव्यांगता हो। टी63 वर्गीकरण उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके घुटने के पास दिव्यांगता हो। टी63 और टी42 एथलीटों को एक ही स्पर्धा में शामिल किया जा सकता है और शनिवार को भी यही प्रक्रिया अपनाई गई।

विश्व पैरा एथलेटिक्स

यूएई की थेकरा अलकाबी ने 100 मीटर थ्री-व्हील फ्रेम रनिंग में विश्व रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की थेकरा अलकाबी ने शनिवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन महिलाओं की 100 मीटर टी71 फ्रेम रनिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक जीता। टी71 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनके धड़ और पैरों में गतिशीलता काफी हद तक प्रभावित होती है। अलकाबी 19 .89 सेकेंड का समय निकालकर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रही। इस 23 साल की खिलाड़ी ने लिथुआनिया की बेला मोरकस के इस साल जुलाई में कायम 20 .08 सेकेंड के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मोरकस ने यहां 21 .53 सेकेंड के समय के साथ रजत जबकि पोलैंड की मिरियम डोमिनिकोवस्का ने 23 .56 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। अलकाबी का इस स्पर्धा में पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 .58 सेकेंड था। उन्होंने इससे पहले 2023 हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में एफ32 क्लब थ्रो स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

भारत की मौजूदा चैंपियन दीप्ति जीवनजी ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। तेलंगाना की 22 वर्षीय इस एथलीट ने शुरुआती दौर की दूसरी हीट में 58 .35 सेकेंड का समय निकालकर शीर्ष स्थान हासिल किया। यह स्पर्धा उन एथलीटों के लिए है जिनमें बौद्धिक अक्षमता होती है।

महिलाओं की लंबी कूद टी37 स्पर्धा में, विश्व रिकॉर्ड धारक चीन की वेन शियाओयान ने 5 .32 मीटर की मीट रिकॉर्ड दूरी के साथ अपेक्षा के अनुरूप स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2019 में कायम अपने पिछले मीट रिकॉर्ड 5 .22 मीटर में सुधार किया। उनका मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 5 .45 मीटर है। उन्होंने इसे 2023 हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों के दौरान बनाया था। टी 37 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जो सेरेब्रल पाल्सी की समस्या से जूझ रहे होते हैं।

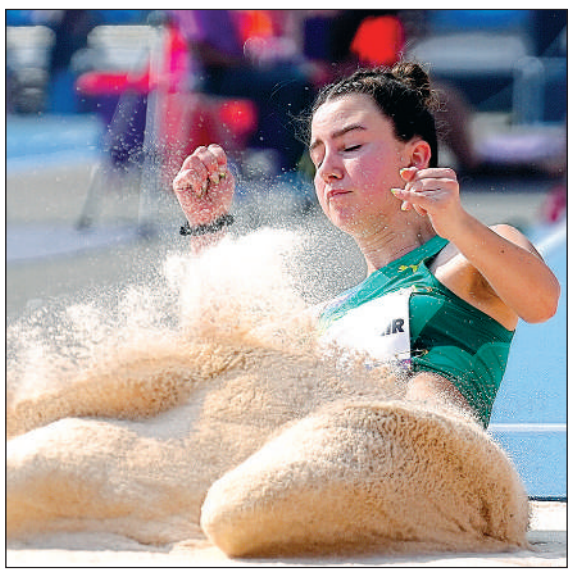

महिलाओं की लंबी कूद टी37 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की नियाम मैक अलास्डेयर।

पेरिस में नीरज को देखने के लिए टिकट खरीदा

नई दिल्ली : नीरज चोपड़ा की लोकप्रियता भारत तक ही सीमित नहीं है और विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली नीदरलैंड की भाला फेंक खिलाड़ी नोएल रूर्डा ने कहा कि उन्होंने पेरिस ओलंपिक के दौरान सिर्फ इस भारतीय को प्रतिस्पर्धा करते देखने के लिए टिकट खरीदा था। वर्ष 2021 में तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाले नीरज ने पेरिस खेलों में रजत पदक जीता। बाएं हाथ से थ्रो करने वाली 25 साल की रूर्डा ने एफ46 महिला भाला फेंक स्पर्धा जीतने के बाद पीटीआई से कहा हां, बिल्कुल। मैं उन्हें जानती हूं। रूर्डा का दायां हाथ सिर्फ कोहनी तक है। एफ46 स्पर्धा उन एथलीटों के लिए है जिनके एक या दोनों हाथों की मूवमेंट मध्यम रूप से प्रभावित होती है या जिनका अंग नहीं होता। उन्होंने कहा, ''मैं पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए गई थी और वहां भाला फेंक नाइट के लिए टिकट खरीदे थे। मैंने उन्हें तब सबसे नजदीक से देखा था। रूर्डा ने स्वीकार किया कि उन्हें उम्मीद थी कि नीरज की जगह जर्मनी के योहानेस वेटर तोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीतेंगे। उन्होंने कहामुझे लगा था कि वेटर स्वर्ण पदक जीतेंगे। नीरज निश्चित रूप से पोडियम पर होंगे लेकिन वेटर बेहद अच्छे थे और उस साल उन्होंने शानदार थ्रो किया। लेकिन वह बहुत जल्द चरम पर पहुंच गए। यह खेल का हिस्सा है।

विश्व कप टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण : हरमनप्रीत

दुबई, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर को विश्वास है कि मंगलवार से शुरू हो रहे महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम में हर विभाग में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के अच्छे मिश्रण से उनकी टीम को पहली बार विश्व खिताब जीतने में मदद मिलेगी। भारत चौथी बार आईसीसी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है।

टीम इससे पहले दो मौकों पर खिताब जीतने के करीब पहुंची थी। भारतीय टीम ने पिछली बार 2017 में फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन तब मिताली राज की अगुवाई वाली टीम लॉर्ड्स में इंग्लैंड से रोमांचक मुकाबले में हार गई थी। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता की अच्छी तैयारी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय शृंखला जीती और फिर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को घरेलू सरजमीं पर कड़ी टक्कर दी लेकिन शृंखला में मेजबान टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

> हमारी विश्व कप टीम में सभी विभागों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी प्रतिभावान बल्लेबाज टीम में मौजूद हैं। -हरमनप्रीत कौर

स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो शतक जड़े जबकि उनकी साथी सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने भी बल्ले से उम्दा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी विभाग में स्पिनरों ने विशेष रूप से सराहनीय प्रदर्शन किया है।

शीतल देवी बनीं पैरा विश्व तीरंदाजी चैंपियन

ग्वांगजू (द. कोरिया), एजेंसी : भारत की 18 वर्षीय शीतल देवी ने शनिवार को यहां विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में तुर्किये की दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज ओजनूर क्यूर गिर्डी को 146-143 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्पर्धा में शीतल एकमात्र बिना बाजू वाली पैरा तीरंदाज हैं। वह निशाना लगाने के लिए अपने पैरों और ठुड्डी का इस्तेमाल करती हैं और यह चैंपियनशिप में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले शीतल और सरिता ने कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा में रजत पदक। शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता। व्यक्तिगत फाइनल तनावपूर्ण था लेकिन शीतल ने संयम से निशाने लगाए। पहला राउंड 29-29 से बराबरी पर था, लेकिन शीतल ने दूसरे राउंड में 10-10 के तीन शॉट लगाकर 30-27 से जीत बढ़त हासिल की। तीसरा राउंड भी 29-29 से बराबरी पर था।

चौथे राउंड में शीतल मामूली अंतर से चूक गईं जिसमें उन्होंने 28 अंक बनाए और गिर्डी एक अंक से इसे जीत गईं। शीतल ने 116-114 के स्कोर पर दो अंक की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद उन्होंने अंतिम राउंड में तीन सटीक तीर से 30 अंक बनाकर अपना पहला स्वर्ण पदक पक्का किया। इससे पहले जम्मू कश्मीर की इस तीरंदाज ने सेमीफाइनल में ब्रिटेन की जोडी ग्रिनहम को 145-140 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।